धनबाद
शनिवार 04.01.2025
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-311 पृष्ठ- 12
पौष शुक्ल पक्ष-5
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार का पीएम मोदी ने किया शंखनाद

कहा आप नहीं आपदा सरकार है यह बेईमानों से भरी है, इसे सत्ता से हटाना है

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार से चुनाव प्रचार की शुरूआत की। पीएम ने अशोक विहार में जनता को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधा। मोदी ने आप सरकार को आपदा सरकार बताया। उन्होंने कहा कि सत्ता में खुद को कट्टर बेईमान बताने वाले लोग बैठे हैं। जो खुद शराब घोटाले के आरोपी हैं। ये चोरी भी करते हैं और सीनाजोरी भी। दिल्ली वालों को इस आपदा सरकार को सत्ता से हटाना है। आज हर गली कहती है आपदा को नहीं सहेंगे, बदलकर रहेंगे। पीएम ने इस चुनाव के लिए नारा दिया कि आपदा को हटाना है, भाजपा को लाना है।

पीएम मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली में ४५०० करोड़ रुपए की कई परियोजनाओं का इनॉगरेशन और शिलान्यास किया। उन्होंने दिल्ली के अशोक विहार में बने १,६७५ फ्लैट्स का भी उद्घाटन किया। गरीबों के लिए नए घर का शुभारंभ करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैं भी शीशमहल बना सकता था। लेकिन मैंने कभी अपना घर नहीं बनाया, १० सालों में ४ करोड़ गरीब परिवारों को पक्का घर दिया है।

आपदा वाले आयुष्मान योजना लागू नहीं होने देते

पीएम ने कहा कि दिल्ली में ५०० जन औषधि केंद्र बनाए गए हैं। ८० फीसदी दवाओं पर डिस्काउंट मिलता है। १०० रुपए की दवा १५ रुपए में मिलती है। मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली आयुष्मान योजना का लाभ देना चाहता हूं, लेकिन आपदा सरकार को दिल्ली वालों से दुश्मनी है। आपदा वाले योजना लागू नहीं होने दे रहे हैं। नुकसान दिल्लीवालों को उठाना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली राजधानी है, बड़े खर्चों वाले बहुत से काम यहां होते हैं वो केंद्र सरकार के जिम्मे है। सड़कें, मेट्रो, अस्पताल, कॉलेज कैंपस सब केंद्र ही बना रही है। लेकिन यहां की आपदा सरकार के पास ब्रेक लगी हुई है। मैंने लोगों से पूछा छठ पूजा कैसी रही? बोले कि साहब यमुनाजी की ऐसी हालत है कि हमने जैसे तैसे पूजा कर ली मोहल्ले में मां यमुना से क्षमा मांग ली। बेशर्मी देखिए, इन लोगों को लाज शर्म नहीं आती है।

नई शिक्षा नीति में गरीब बच्चों का लाभ

मोदी ने कहा कि हमें सिर्फ बच्चों को पढ़ाना नहीं है। बल्कि वर्तमान और भविष्य की जरूरतों के लिए नई पीढ़ी को तैयार भी करना है। नई नेशनल एजुकेशनल पॉलिसी में इसका ध्यान रखा गया है। गरीब का बच्चा हो, मध्यम परिवार की संतान हो, उनको नए अवसर देने वाली नीति पर हम चल रहे हैं। गरीब परिवारों के बच्चों के सपने डॉक्टर और वकील बनाने का होता है। अंग्रेजी स्कूल में पढ़ा ▶▶ 8

मालदीव भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति की एक 'मजबूत अभिव्यक्ति': विदेश मंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस): विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि मालदीव भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति की एक 'मजबूत अभिव्यक्ति' बना हुआ है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली हमेशा हिंद महासागर द्वीपसमूह के साथ खड़ा है, खासकर जब उसे चुनौतीपूर्ण समय में मदद की जरुरत होती है। विदेश मंत्री जयशंकर ने यह बात शुक्रवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील के साथ बैठक के दौरान कही।

जयशंकर ने कहा, हमने विभिन्न क्षेत्रों में अपने संबंधों को बढ़ाया है और मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि भारत हमेशा मालदीव के साथ खड़ा है। आप हमारी 'पड़ोसी पहले' नीति की मजबूत अभिव्यक्ति हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील के साथ बैठक की तस्वीरें साझा की। और एक्स एक पोस्ट में पर कहा कि भारत हमारी नेबरहुड फर्स्ट नीति और विजन सागर के अनुरूप मालदीव की प्रगति और समृद्धि का दृढ़ समर्थक बना रहेगा। इस दौरान दोनों पक्षों ने भारत सरकार की मदद से मालदीव में चरण-खखख के अंतर्गत सामुदायिक विकास परियोजनाओं के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। दोनों मंत्रियों ने अक्टूबर २०२४ में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की राजकीय यात्रा के दौरान हुई सहमतियों पर प्रगति का जायजा लिया। इसके अलावा उन मुद्दों पर चर्चा की जिन पर और अधिक ध्यान देने की जरुरत है। खलील ने भारत की ओर से मालदीव को जरूरत के समय में दी गई आपातकालीन वित्तीय सहायता की सराहना की। उन्होंने कहा कि २०२५ मालदीव-भारत संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष है क्योंकि दोनों देश औपचारिक राजनयिक संबंधों की स्थापना के ६० वर्ष पूरे हो रहे हैं। ▶▶ 8

तस्करी रोकने के लिए सरकार ने बदले नियम

विदेश जाने वालों को बताना होगा पर्सनल डेटा

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत सरकार विदेश जाने वालों से १९ तरह की निजी जानकारियां लेगी। इसमें यात्री कब, कहां और कैसे यात्रा कर रहे हैं; इसका खर्च किसने और कैसे उठाया; कौन कब कितने बैग लेकर गया और किस सीट पर बैठा; जैसी जानकारियां ली जाएंगी।

यह डेटा ५ साल तक स्टोर रहेगा। जरूरत पड़ने पर इसे अन्य लॉ एन्फोर्समेंट एजेंसियों के साथ भी साझा किया जा सकेगा। इसे १ अप्रैल से लागू करने की तैयारी है। इसके लिए सभी एयरलाइंस को निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

यह कदम तस्करी पर नजर रखने के लिए उठाया गया है। कस्टम डिपार्टमेंट समय-समय पर डेटा का एनालिसिस करेगा। किसी भी व्यक्ति की विदेश यात्रा में संदिग्ध पैटर्न नजर आने पर तुरंत जांच शुरू की जा सकेगी।

1 अप्रैल से पूरी तरह लागू होगी

एयरलाइंस के लिए यात्रियों का यह डेटा कस्टम डिपार्टमेंट से साझा करना अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं कस्टम्स बोर्ड ने अभी विदेशी रूट वाली सभी एयरलाइंस को १० जनवरी तक नए पोर्टल 'एनसीटीसी-पैक्स' पर रजिस्टर करने को कहा है।

सरकार की मंशा है कि रजिस्ट्रेशन होने के बाद १० फरवरी से कुछ एयरलाइंस के साथ पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर डेटा शेयरिंग ब्रिज शुरू किया जाए। इसके बाद १ अप्रैल से यह व्यवस्था पूरी तरह लागू कर दी जाएगी। बोर्ड की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक डेटा कलेक्शन का नियम २०२२ से ही था, लेकिन अब इसे अनिवार्य किया जा रहा है।

जैक अध्यक्ष का कार्यकाल 18 तक, मैट्रिक इंटर सहित अन्य परीक्षाओं पर मंडरा रहा खतरा

रांची (एजेंसी): झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार महतो का कार्यकाल १८ जनवरी को समाप्त होने वाला है. डॉ. अनिल के रिटायरमेंट के बाद जैक अध्यक्ष विहीन हो जायेगा. ऐसे में अगर राज्य सरकार इस तारीख तक जैक में नये अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं करती है, तो कई परीक्षाएं प्रभावित हो सकती है. आगामी ८वीं, ९वीं, १०वीं (मैट्रिक), ११वीं, १२वीं (इंटर) सहित अन्य परीक्षाएं निर्धारित समय पर नहीं हो सकेंगी. वहीं जैक का प्रशासनिक कामकाज भी बाधित होगा.

जल्द ही नये अध्यक्ष की होगी नियुक्ति : हफिजुल

जैक अध्यक्ष डॉ अनिल महतो का कहना है कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत उनका कार्यकाल तय है. अब यह सरकार पर निर्भर करता है कि नये अध्यक्ष की नियुक्ति कब होगी. स्कूली शिक्षा मंत्री हफिजुल हसन अंसारी ने कहा कि सरकार इस पर चर्चा कर रही है और जल्द ही नये अध्यक्ष की नियुक्ति की जायेगी. बता दें कि जैक अध्यक्ष का कार्यकाल ३ वर्षों का होता है.

पिछली बार भी लंबे समय तक खाली रह गया पद

बता दें कि जैक के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अरविंद प्रसाद सिंह और उपाध्यक्ष फूल सिंह का कार्यकाल १८ सितंबर २०२१ को समाप्त हो गया था. इसके बाद दोनों पद चार महीने तक खाली पड़े थे. तत्कालीन शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के हस्तक्षेप और व्यक्तिगत प्रयास से १८ जनवरी २०२२ को यह पद भरे गये थे. रांची यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक और विनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रहे डॉ अनिल कुमार महतो को जैक का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था. ▶▶ 8

सीएम से मिले कई आइएएस व आइपीएस अफसर

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शुक्रवार को कई आइएएस व आइपीएस अफसरों ने मुलाकात की. मुलाकात करने वालों में प्रधान सचिव सुनील कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक आरके मलिक, आईजी पंकज कंबोज, सचिव मनीष रंजन, सचिव अबु बकर सिद्दीक, श्रम आयुक्त संजीव कुमार बेसरा, निदेशक रेवेन्यू भोर सिंह यादव, निदेशक उच्च शिक्षा रामनिवास यादव, निदेशक पर्यटन अंजली यादव एवं निदेशक उद्योग सुशांत गौरव ने मुलाकात कर नव वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी. मुख्यमंत्री ने भी सभी को नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी.

अबुआ आवास की राशि वितरण में देरी होने पर अफसरों पर होगी कार्रवाई : दीपिका पांडेय सिंह

रांची (एजेंसी): अबुआ आवास योजना को लेकर राज्य सरकार गंभीर है. ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि इस योजना के लाभुकों को तीसरी किस्त की राशि वितरण सुनिशिचत की जाए. देर होने पर अफसरों पर कार्रवाई की जाएगी. राशि वितरण में देरी करने वाले अफसरों को चिन्हित करने का भी निर्देश दिया है. साथ ही प्रतिदिन समीक्षा करने के साथ राशि वितरण की जिलावार रिर्पोट भी मांगी है. बताते चलें कि अबुआ आवास योजना के तहत २० लाख से अधिक आवास बनाए जाने हैं. इस वित्तीय वर्ष में लगभग तीन लाख आवास निर्माण की मंजूरी दी गई है. इससे पहले वित्तीय वर्ष में दो लाख आवास की मंजूरी दी गई थी. इसके लिए जिलों को लगभग आठ अरब की राशि आवंटित की गई है.

सरकारी कर्मियों के डीए में वृद्धि का आदेश जारी

रांची (एजेंसी): वित्त विभाग ने सरकारी कर्मियों के डीए में वृद्धि का आदेश जारी कर दिया है. अब राज्य कर्मियों और पेंशनधारियों को ५० फीसदी बढ़कर ५३ फीसदी डीए (महंगाई भत्ता) मिलेगा. पिछले कैबिनेट में इस प्रस्ताव को स्वीकृति मिल चुकी थी. यह बढ़ा हुआ डीए एक जुलाई २०२४ के प्रभाव से मिलेगा. बढ़ा हुआ डीए कर्मियों और पेंशनधारियों को जनवरी के वेतन में मिलेगा.

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, उग्र भीड़ ने एसपी कार्यालय पर हमला बोला

इंफाल (ईएमएस): मणिपुर के सैबोल गांव में भीड़ ने कांगपोकपी जिले में शुक्रवार शाम को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर हमला कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सैबोल गांव इंफाल पूर्वी जिले की सीमा पर स्थित है। इस हमले में कई लोगों के घायल होने की खबर है। कुकी संगठन सैबोल गांव में ३१ दिसंबर को सुरक्षा बलों द्वारा महिलाओं पर कथित रूप से लाठीचार्ज किए जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि हमलावरों ने गांव से केंद्रीय बलों को कथित रूप से नहीं हटाये जाने को लेकर गांव में केंद्रीय बलों, खासकर बीएसएफ और सीआरपीएफ की लगातार तैनाती पर अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए कार्यालय पर पथराव किया और अन्य चीजें भी फेंकी।

छत्तीसगढ़-ओडिशा बॉर्डर पर मुठभेड़ में 3 नक्सली ढेर

शव और ऑटोमैटिक हथियार बरामद

गरियाबंद (ईएमएस): छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के नक्सल प्रभावित सोरनामाल जंगल में सुरक्षाबलों ने ३ नक्सलियों को मार गिराया है। बताया जा रहा है कि डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड और स्पेशल टास्क फोर्स की टीम ने नक्सलियों को घेरा है। छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनों राज्यों के करीब ३०० जवान मौके पर मौजूद हैं।

ओडिशा के नवरंगपुर की ओर से भी जवानों ने घेराबंदी की थी, जिससे नक्सलियों को भागने का मौका नहीं मिला। सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद तीन नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। गरियाबंद एसपी निखिल राखेचा ने ▶▶ 8

पाकिस्तानी उप प्रधानमंत्री ने भारत के साथ बेहतर रिश्ते बनाने की इच्छा जाहिर की

नई दिल्ली (ईएमएस): पाकिस्तानी उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने भारत के साथ बेहतर रिश्ते बनाने की इच्छा जाहिर की है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत के साथ व्यापारिक संबंधों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए 'दो लोगों की जरूरत होती है'। उन्होंने भारत से संबंधों को बेहतर बनाने के लिए माहौल बनाने की अपील की।

२०२२ में आई विनाशकारी बाढ़, उच्च मुद्रास्फीति और राजनीतिक अस्थिरता के कारण पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बेहद खराब स्थिति में है। खस्ता आर्थिक हालात के कारण आबादी की खाद्य और ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने से संबंधित कई संकट पैदा हो गए हैं।

पाकिस्तान की सारी उम्मीदें अब सिर्फ अंतरराष्ट्रीय कर्ज पर ही टिकी हैं जिसके लिए उसे कभी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) या फिर सऊदी अरब और चीन जैसे दोस्तों की तरफ देखना पड़ता है। ऐसे में भारत के साथ व्यापार में रुकावट के कारण उसके खुशहाली के रास्ते की एक बड़ी बाधा है। रिपोर्ट के मुताबिक डार ने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बातचीत के जरिए पाकिस्तान की कूटनीतिक स्थिति में सुधार और आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए सरकारी कोशिशों के बारे में जानकारी दी। इनमें सबसे हालिया कोशिश २०२५-२०२६ के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के गैर-स्थायी सदस्य के रूप में पाकिस्तान के दो साल के कार्यकाल की शुरुआत थी।

डार ने कहा कि पाकिस्तान को परमाणु शक्ति से आर्थिक शक्ति में बदलने और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को फिर से हासिल करने की कोशिशें जारी है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने अपने पहले १० महीनों के दौरान पाकिस्तान के कूटनीतिक प्रभाव को बढ़ाने का प्रयास किया, जिसके कारण 'अलग-थलग पड़े पाकिस्तान' की छवि को खत्म करने में मदद मिली।

यूरोप का सबसे शक्तिशाली युद्धपोत पहुंचा भारत, चीन को समुद्र में दिया जाएगा जबाव

पणजी (ईएमएस): यूरोप का सबसे शक्तिशाली युद्धपोत चार्ल्स डी गाले भारत पहुंचा है। परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर चार्ल्स डी गाले फ्रांसीसी नौसेना के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के साथ हिंद महासागर पहुंचा है। बात दें कि करीब ४० साल बाद फ्रांस ने हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपना कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भेजा है। यह फ्रांसीसी बेड़ा गोवा तट के पास भारतीय नौसेना के साथ वरुणा नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लेगा। इस नौसैनिक अभ्यास का मकसद इलाके में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना है। चार्ल्स डी गाले पर राफेल फाइटर जेट हमेशा तैनात रहते हैं और ये परमाणु हमला करने की ताकत रखते हैं। बताया जा रहा हैं कि फ्रांस ने चीन को कड़ा संदेश देने के लिए अपने कैरियर स्ट्राइक ग्रुप को इलाके में भेजा है। चीन लगातार हिंद प्रशांत क्षेत्र में दादागिरी दिखा रहा है।

फ्रांसीसी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप फ्रांस की नौसेना के मिशन के तहत आया है ताकि हिंद प्रशांत क्षेत्र में देश के हितों की रक्षा की जा सके। साथ ही इलाके में यूरोपीय अभियानों में योगदान दिया जा सके। फ्रांसीसी नौसेना ने कहा कि कैरियर स्ट्राइक ग्रुप क्षेत्रीय भागीदारों और सहयोगियों खासकर भारत के साथ संयुक्त ट्रेनिंग को अंजाम दे रहे हैं। इस अभ्यास के दौरान दोनों देशों के युद्धपोतों पर एक-दूसरे के सैनिकों के काम करने का अभ्यास किया जाएगा। इस दौरान हवा, सतह और सबमरीन से होने वाले खतरे को निपटने का भी अभ्यास होगा।

भारत के बाद फ्रांसीसी युद्धपोतों का दल इंडोनेशिया के लिए रवाना होगा। फिर से वहां से दक्षिण चीन सागर होकर जापान भी जाएगा। पूरे इलाके में चीनी नौसेना दादागिरी दिखा रही है और पड़ोसी देशों को डरा रही है। फ्रांस ने कहा कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में १५ लाख फ्रांसीसी नागरिक रहते हैं। फ्रांस ने अपने बयान में भारत को साल १९९८ से ही सबसे करीबी रणनीतिक भागीदार करार दिया। भारत ने उस समय परमाणु परीक्षण किया था। भारत में अक्सर फ्रांसीसी युद्धपोत आते रहते हैं। दोनों देश हिंद महासागर में अवैध तस्करी, अवैध रूप से मछली पकड़ने के खिलाफ एक्शन और राहत तथा बचाव को अंजाम देते हैं।

चांस डी गाले एयरक्राफ्ट कैरियर ४२,५०० टन का है और परमाणु ऊर्जा से चलता है। अमेरिका के बाद फ्रांस ही है, जिसका परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर ▶▶ 8

कोयला चोरी के आरोपों की सीबीआई जांच के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

ईडी को पार्टी बनाने के आदेश के खिलाफ याचिका खारिज

रांची/नई दिल्ली (एजेंसी): धनबाद में कोयला चोरी और इसमें पुलिस संलिप्तता की सीबीआई जांच के झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार की ओर से ईडी को पार्टी बनाये जाने के आदेश को बदलने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी.

राज्य सरकार की ओर से वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल और सुप्रीम कोर्ट की एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड प्रज्ञा सिंह बघेल ने बहस की.

इस मामले में सीबीआई की ओर से जवाब दाखिल किया जा चुका है. बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संदीप मेहता की बेंच में यह मामला सूचीबद्ध था.

सुप्रीम कोर्ट में इस केस की पहली सुनवाई १८ अक्टूबर को हुई थी. उस दिन शीर्ष अदालत ने झारखंड हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसमें धनबाद में कोयला चोरी और इसमें पुलिस संलिप्तता की सीबीआई जांच का आदेश झारखंड हाईकोर्ट ने दिया था. सीबीआई जांच पर रोक का आदेश अगले आदेश तक जारी रहेगा.

दरअसल झारखंड हाईकोर्ट ने ३ अक्टूबर को इस मामले में प्रतिवादी बने सभी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ जांच करने का निर्देश सीबीआई को दिया था.

हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत यह आदेश पारित किया था, जिसके खिलाफ राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रूख किया है.

सुप्रीम कोर्ट से रोक के बाद फिलहाल धनबाद में कथित रूप से कोयला चोरी और इसमें पुलिस की संलिप्तता की जांच रूकी हुई है.

रणधीर वर्मा के जीवन मूल्यों को करें आत्मसात : राज्यपाल

धनबाद (कासं) : धनबाद के जांबाज एसपी स्व. रणधीर प्रसाद वर्मा को उनके ३४वें शहादत दिवस पर शुक्रवार को श्रद्धांजलि दी गई। रणधीर वर्मा चौक पर हर साल की भांति इस साल भी उनकी आदमकद प्रतिमा के सामने एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें अनेक जन प्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक पदाधिकारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस विशेष कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, सांसद ढुलू महतो, विधायक राज सिन्हा, विधायक रागिनी सिंह और बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो तथा पूर्व मंत्री सह शहीद रणधीर वर्मा की पत्नी प्रो. रीता वर्मा, जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, उपायुक्त माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन सहित अन्य पदाधिकारियों ने शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि हम लोगों की उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि जिस देश को बचाने के लिए उन्होंने अपनी प्राणों की आहुति दी, उस देश को कैसे आगे बढ़ाया जा सके। राज्यपाल ने कहा कि शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा के जीवन मूल्यों का आत्मसात करना चाहिए। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने भी बलिदानियों को राष्ट्र का गौरव बताया है। वहीं, शहीद रणधीर वर्मा मेमोरियल सोसायटी ने इतने सालों से उनकी शौर्य गाथा को जीवंत रखा है, यह अच्छी परंपरा है। यह युवाओं को हमेशा प्रेरणा देती रहेगी।

राज्यपाल ने कहा कि शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा ने स्वामी विवेकानंद के संदेश को जीवंत रखा है। उनकी शहादत ने साबित किया है कि राष्ट्र सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जिस तरह से उन्होंने अदम्य साहस और समर्पण से अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए आतंकवादियों से मुकाबला कर उनके षड्यंत्र को नाकाम कर दिया, वह गौरवशाली इतिहास बनकर रह गया।

इसपर हमे विचार और कार्य करने की जरूरत है। साथ ही उनके आदर्शो से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित में कार्य करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि झारखंड का गौरवपूर्ण इतिहास अन्य राज्यों से कम नहीं है। देश की आजादी की लड़ाई हो या देश के दुश्मनों से लोहा लेने की बात हो, तो झारखंड हमेशा ही इसमे अपनी अग्रणी भूमिका निभाती रही है।

राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश और धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि आज की पुलिस पदाधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों को शहीद रणधीर वर्मा से प्रेरणा लेने की जरूरत है। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा पूरे देश के लिए आदर्श है। उन्होंने अपनी जान की कुर्बानी देने में कदम पीछे नहीं हटाए। जब तक इतिहास रहेगा देश उनको याद करते रहेगा।

उन्होंने कहा कि शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा समाज की तकलीफ को अपनी तकलीफ समझते थे। उनके व्यक्तित्व में एक अधिकारी के साथ एक संवेदनशील इंसान भी था। कार्यक्रम में सिटी एसपी अजीत कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, रणधीर वर्मा मेमोरियल सोसायटी के अध्यक्ष किशोर कुमार, आयोजन समिति के संयोजक भृगुनाथ भगत सहित बड़ी संख्या में लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

याद किये गए शहीद श्यामल चक्रवर्ती

धनबाद (कासं) : शहीद श्यामल चक्रवर्ती स्मारक समिति एवं भाकपामाले जिला कमिटी के संयुक्त तत्वावधान में शहीद श्यामल चक्रवर्ति को श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता स्मारक समिति के अध्यक्ष सह पूर्व विधायक आनंद महतो जबकि संचालन सुभाष चटर्जी ने किया। श्यामल चक्रवर्ती के ३४वां शहादत दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में दयामनी बारला उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्मारक समिति के अध्यक्ष पूर्व विधायक आनंद महतो के द्वारा किया गया। उन्होंने स्वागत भाषण में कहा कि शहादत का ३४ वर्ष हो चुका है। एक समय में दो शहादत हुआ।

शहीद रणधीर वर्मा को परमवीर चक्र मिला। लेकिन श्यामल चक्रवर्ती को आज तक सरकार से कोई सम्मान नहीं मिला। इसके लिए हम लगातार संघर्ष करते रहेंगे। आज झारखंड के खूंटी जिला में जयपाल सिंह का जन्मदिन है। उन्होंने कहा कि हम जल जंगल जमीन कोयलकारों नदी का संघर्ष कर रहे है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाकपामाले राज्य कमेटी के सदस्य हरि प्रसाद पप्पू,बिंदा पासवान, कार्तिक प्रसाद, शहीद श्यामल चक्रवर्ती स्मारक समिति के सचिव समीर गोस्वामी, डोरा मंडल, रेखा मंडल, शेख रहीम, सम्राट चौधरी,राणा चट्ट राज, कल्याण घोषाल, पवन महतो, कल्याण चक्रवर्ती तथा जय जयदीप बनर्जी आदि थे।

राज्यपाल पहुंचे पहला कदम स्कूल में

धनबाद (कासं) : शुक्रवार को नारायणी चरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जग जीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चों की विशेष स्कूल पहला कदम में झारखण्ड के राज्यपाल संतोष गंगवार का ऐतिहासिक आगमन हुआ। राज्यपाल के साथ धनबाद सांसद ढुलू महतो, धनबाद उपायुक्त, एसएसपी, एडीएम, एसडीएम, सरायढेला प्रभारी समेत अन्य गणमान्य व्यक्तियों का आगमन हुआ।

पहला कदम स्कूल में महामहिम का शंखनाद, पुष्प वर्षा और दीप के साथ तुलसी पौधा देकर भव्य स्वागत किया गया। दिव्यांग बच्चों ने झारखण्ड के लोग गीत और नृत्य की प्रस्तुति दी। राज्यपाल ने पहला कदम का निरीक्षण देख उनकी सराहना करते हुए कहा कि यहां दिव्यांगता के लिए जो अद्वितीय कार्य हो रहा है। वह जीवन में कभी न देखा। यहां दिव्यांगों के लिए शिक्षण प्रशिक्षण के साथसाथ रोजगार के अवसर भी दिलाकर उन्हे आत्मनिर्भर बनाना प्रेरणा दायक कार्य है जिसके कदम से कदम मिलाने में समाज के हर वर्ग का सहयोग मिलना चाहिए। राज्यपाल के द्वारा इंडिया थेरेपी सेंटर का भव्य उद्घाटन रिबन काटकर किया गया। इंडिया थेरिपि सेंटर में आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ सेवा के साथ एक ही छत के नीचे थेरिपि और जांच देख महामहिम ने कहा अद्भुत...कल्याणकारी...ऐसा सेंटर जहां बच्चों के लिए फिजियोथेरिपि, वोकेशनल थेरिपि, स्पीच थेरिपि, ओक्यूपेश्नल थेरिपि, ए डी एल ट्रेनिंग, एक्वा थेरिपि, स्पेशल शिक्षा ओडियोलॉजि टेस्ट, साइकोलॉजिकल टेस्ट तथा साइकोलॉजिस्ट सेवा के लिए उपलब्ध है।

थेरिपि सेंटर की सेवाओं को देख चकित हो कर कहा की सभी को एक बार यहां एक बार विजिट अवश्य करना चाहिए। साथ ही राज्यपाल के इस दौरे को और महत्वपूर्ण बनाते हुए बढती हुई ठंड से राहत हेतु दिव्यांग बच्चों के उपयोग के लिए धनबाद उपायुक्त के द्वारा कंबल वितरण कराया गया। इस सराहनीय कार्य के लिए पहला कदम परिवार ने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर पहला कदम की चेयरमैन रेनु दुदानी, सचिव अनिता अग्रवाल, सुनीता बंसल, अमरेश सिंह, लखी सोरेंन, प्रतिक अग्रवाल, कौशल अग्रवाल, सोमनाथ पूर्थी तथा सभी शिक्षक उपस्थित थे।

राज्यपाल के दिव्यांग बच्चों के लिए अपने अनमोल समय और अमूल्य मार्ग दर्शन के लिए सचिव अनिता अग्रवाल ने आभार प्रकट किया। राज्यपाल ने दिव्यांग बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने के लिए सदेव साथ निभाने का वादा कर पुनः मिलने का वादा कर लिए।

सावित्रीबाई फुले की मनी जयंती

धनबाद (कासं) : दलित शोषण मुक्ति मंच की ओर से लोदना घमंडी पट्टी में माता सावित्रीबाई फुले की १९४ जयंती मनायी गयी। इसकी अध्यक्षता विनोद पासवान ने की।

सर्वप्रथम माता सावित्री बाई के चित्र पर महिलाएं तथा अन्य लोगों ने पुष्प अर्पित किए। पुष्प अर्पित करने के दरम्यिान गगनभेदी नारा, माता सावित्रीबाई फुले, विद्यादाता, माता सावित्रीबाई फुले, विद्यादाता, लगता रहा। सावित्रीबाई फूले की कविता को सुखी कुमारी ने पढ़ी, जाओ जाकर लिखो पढ़ो, आत्मनिर्भर और मेहनती बन आगे बढ़ो.., तथा कल्पना कुमारी ने कविता, कर्महीन और नहीं जाओ शिक्षा पाओ, वंचितों के आंसू पूछो दुख दर्द को दूर करो।

दलित शोषण मुक्ति मंच के झारखंड राज्य के अध्यक्ष शिव बालक पासवान ने अपने संबोधन में खास करके महिलाएं तथा आम लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि माता सावित्रीबाई फुले वह पहली महिला थी जिन्होंने बच्चियों के लिए पहली पाठशाला खोली थी। स्कूल में उनके सहयोगी शिक्षिकाएं फातिमबीबी और सगुनाबाई थी, क्योंकि शुद्र (आज का ओबीसी) अतिशुद्र (आज का दलित) बच्चियों को पढ़ने लिखने का अधिकार मनुवादियों ने वंचित कर रखा था। माता सावित्रीबाई फुले को उनके पति ज्योतिबा फूले का उन्हें शिक्षिका बनाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा था।

देश की पहली महिला शिक्षिका थीं सावित्रीबाई फुले

सिंदरी (ससे) : सिंदरी ३ जनवरी २०२४ को भारत की पहली महिला शिक्षक सावित्रीबाई फुले की १९४वीं जयंती पर अंबेडकर चौक सिंदरी में दलित शोषण मुक्ति मंच एवं आंबेडकर युवा विचार मंच की ओर से श्रद्धांजलि एवं संकल्प सभा का आयोजन किया गया।

सबसे पहले उपस्थित सभी ने सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए शिक्षक भोला पासवान ने कहा सावित्रीबाई फुले देश की पहली महिला शिक्षिका थी स्त्री शिक्षा के लिए उनका पुरा जीवन समर्पित रहा। उन्होंने उस समय स्त्री शिक्षा का जोत जगाया जिस समय सभी के लिए शिक्षा ग्रहण करना प्रतिबंधित था। स्त्री शिक्षा को अच्छा नहीं समझा जाता था।

श्रद्धांजलि सभा को राम लायक राम, नरेंद्र नाथ दास, सुबल चंद्र दास, अंबेडकर युवा विचार मंच के अध्यक्ष बुधन राम सचिव रवींद्र प्रसाद ज्ञानविज्ञान समिति के विकाश कुमार ठाकुर, शैलेंद्र द्विवेदी, उमाशंकर सिंह, रामप्रसाद ने मुख्य रूप से संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने स्त्री शिक्षा की देवी सावित्रीबाई फुले के स्त्री शिक्षा के लिए उनके संघर्षों को याद किया। और उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही।

श्रद्धांजलि सभा में राजेश पासवान, मंटी आनंद, गौतम प्रसाद, राजन कुमार चंचल, शंकर राम, शिवपूजन राम, वकील राम, शिबू राय, पीके सिन्हा, रामलाल महतो, राजन तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

महिला का शव मिलने पर पुलिस ने किया केस दर्ज

धनसार (ससे) : अनुग्रह नगर धनसार टांड़ी में एक खंडहरनुमा मकान में एक महिला के शव मिलने के मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मृतका की संतान शुकरा भुईयां की लिखित शिकायत पर धनसार पुलिस ने मामला दर्ज किया है। शुकरा ने कहा कि उसकी मां बुधवार की रात करीब ८ बजे कम्बल लेने के लिए घर से निकली थीं, लेकिन वह रातभर नहीं लौटीं। अगले दिन उन्हें सूचना मिली कि उनकी मां का शव खंडहरनुमा घर में पड़ा हुआ है। जब वह वहां पहुंचे तो देखा कि उनकी मां का शव रहस्यमय परिस्थितियों में जमीन पर पड़ा है। मृतक के पुत्र ने अज्ञात लोगों के खिलाफ दुष्कर्म करने व हत्या कर देने का मामला थाना में दर्ज करवाया। पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन में जुट गई है।

श्रमिक नेता अर्जुन सिंह की मनी पुण्यतिथि

धनबाद (कासं) : शुक्रवार को पर्यावरण संरक्षण श्रम कल्याण संस्था की ओर से संस्था के संस्थापक और श्रमिक नेता कुमार अर्जुन सिंह की १३वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर बरटांड़ स्थित होटल पिंकराज परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में कुमार अर्जुन सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही कोयलांचल के अमर शहीद रणधीर वर्मा और शहीद श्यामल चक्रवर्ती की स्मृति में भी दो मिनट का मौन रखा गया। इस पुण्यतिथि के कार्यक्रम में उपस्थित हुए विधायक राज सिन्हा, पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल, कांग्रेस नेता वैभव सिन्हा, अभिजीत राज, बिन्देश्वरी प्रसाद, डीएसओ धनबाद को संस्था के अध्यक्ष आर पी सिंह एवं सचिव मुकेश सिंह ने पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया।

श्रद्धांजलि सभा को मंचासीन अतिथियों ने सम्बोधित करते हुए कुमार अर्जुन के आदर्शो उनके विचारों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जरूरतमंदों के बीच सौ कंबल का वितरण किया गया। दरिद्र नारायण भोज भी कराया गया।

आईआईटीआईएसएम में इंजीनियरिंग पर कार्यशाला

धनबाद (कासं) : आईआईटी आईएसएम के एग्जीक्यूटिव डेवलपमेंट सेंटर में सिविल इंजीनियरिंग में हालिया प्रगति और सर्वोत्तम प्रथाओं पर कार्यशाला, जिसमें कंक्रीट निर्माण में उच्चशक्ति वाले सुदृढ़ीकरण बार के उपयोग पर जोर दिया गया है। शीर्षक से दो दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक उद्घाटन हुआ। यह आयोजन संस्थान की शताब्दी समारोहों के हिस्से के रूप में सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से ५० प्रतिभागी शामिल हुए। इस कार्यशाला में सैद्धांतिक जानकारी और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का समावेश किया गया, जिसमें उद्घाटन दिवस पर चार विशेषज्ञ व्याख्यान दिए गए। प्रो. एस.सी. दत्ता ने भूकंप इंजीनियरिंग में क्या करें और क्या न करें विषय पर मुख्य भाषण दिया, जिसमें भूकंप के दौरान संरचनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण विचारों पर जोर दिया। प्रो. प्रणेश रॉय ने सत्र १ के दौरान डायरेक्ट स्टिफनेस मेथड की समीक्षा पर प्रस्तुति दी, जिसमें सदस्य कठोरता, असेंबली, सीमा स्थितियां, समाधान तकनीकें, और परिणामों की व्याख्या जैसे पहलुओं को शामिल किया गया। उन्होंने सुरक्षित बियरिंग क्षमता और पाइल क्षमताओं की गणना पर भी चर्चा की। डॉ. प्रियंका भारतीया, सीओडबल्यूआई इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से, ने सत्र २ में फाउंडेशन डिजाइन के लिए विभिन्न मिट्टी परीक्षण और उनकी व्याख्या पर विस्तार से चर्चा की, जिसमें एस बी सी और पाइल क्षमताओं की गणना पर ध्यान केंद्रित किया गया।प्रो. राजीब सरकार ने दोपहर के बाद के सत्र में पाइलसमर्थित संरचनाओं के लिए भूकंप-प्रतिरोधी डिज़ाइन विचार पर अंतर्दृष्टि साझा की, विशेष रूप से ऊंची इमारतों की नींव पर ध्यान केंद्रित करते हुए।प्रतिभागियों ने प्रो. राहुल भारतीया और प्रो. प्रणेश रॉय के मार्गदर्शन में कंक्रीट और सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला का दौरा किया और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। मुख्य अतिथि, प्रो. सुकुमार मिश्रा, निदेशक, आईआईटी आईएसएम धनबाद, ने उद्घाटन सत्र के दौरान राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे के विकास में सिविल इंजीनियरिंग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत के विकसित भारत २०४७ लक्ष्य को प्राप्त करने में इसकी महत्ता को रेखांकित किया। प्रो. धीरज कुमार, उप निदेशक, ने वास्तविक दुनिया की चुनौतियों को हल करने के लिए शिक्षाविदों और उद्योग के बीच सहयोग के मंच के रूप में कार्यशालाओं के महत्व पर बल दिया। संदीप तलुकदार, सीनियर एरिया मैनेजर, टाटा स्टील, ने कार्यशाला की सराहना की क्योंकि इसने सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटने में मदद की, जिससे उद्योग पेशेवरों और शिक्षाविदों दोनों को लाभ हुआ।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख प्रो.श्रीनिवास पसुपुलेट्टी ने विभाग के इतिहास, बुनियादी ढांचे, और शैक्षणिक कार्यक्रमों का अवलोकन प्रदान किया।

प्रो. राहुल भारतीया ने स्वागत भाषण दिया और कार्यशाला के कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रो. प्रणेश रॉय ने उद्घाटन सत्र का धन्यवाद ज्ञापन के साथ समापन किया।

घायल युवक को मिला 5 लाख का मुआवजा

जोड़ापोखर (ससे) : सुदामडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत नुनूडीह निवासी अंजना रजवार के २२ वर्षीय पुत्र राहुल रजवार के ऊपर मई माह में निजी मोबाइल कंपनी (इंडस) के टॉवर गिरने से हुई दुर्घटना की सूचना पर चुनाव के दौरान घायल को मिलने पहुंची थी पूर्व विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह। उस समय पूर्व विधायक ने एसडीपीओ सिंदरी आशुतोष सत्यम से दूरभाष पर बात कर मोबाइल टॉवर कंपनी से इलाज के लिए उचित मुआवजा भुगतान करवाने का निर्देशित किया था।

फलस्वरूप पूर्व विधायक के पहल पर आज मोबाइल टॉवर कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा घायल राहुल रजवार को इलाज का संपूर्ण खर्च का लिखित दस्तावेज तथा तत्काल राहत स्वरूप ५ लाख रुपए की मुआवजा राशि घायल के परिजनों को उपलब्ध कराया गया। मरीज के परिजनों ने मुआवजा राशि प्राप्त होने पर पूर्व विधायक को हृदय से धन्यवाद दिया।

मौके पर महीप सिंह, बीरेंद्र तिवारी, राम बाबू सिंह, सूरज सिंह, देना रजवार, उषा कुमारी, अंजू देवी, रंभा श्रीवास्तव, सरिता सिन्हा, तनु सिन्हा, रमेश रवानी, वीरेंद्र यादव, पंकज गुप्ता, कौशल किशोर महतो, रामबली यादव, अमरजीत यादव सहित अन्य मौजूद थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

सामूहिक प्रयास से बनेगा आदर्श झारखंड : संतोष गंगवार

गोविंदपुर (ससे) : झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि उच्च शिक्षा में झारखंड को बहुत कुछ करना बाकी है। हम किसी की आलोचना करने नहीं आए हैं, परंतु उच्च शिक्षा में हम काफी पीछे हैं।

विद्यार्थियों को देश और झारखंड के नव निर्माण में बड़ी भूमिका अदा करनी होगी। वह शुक्रवार को केके ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन के दिनकर ऑडिटोरियम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड के रजत जयंती अधिवेशन को मुख्य अतिथि की हैसियत संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य की प्रगति के लिए बहुत सक्रियता की आवश्यकता है। इसमें युवाओं को अपनी महती भूमिका अदा करनी होगी। अभी बहुत सारा काम बाकी है। विद्यार्थी परिषद की यात्रा ७५ वर्षों की हो गई है और झारखंड में ८२ हजार से अधिक कार्यकर्ता काम कर रहे हैं। राज्य के उत्थान के लिए समर्पित और संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास से झारखंड आदर्श प्रदेश बनेगा। विद्यार्थी परिषद के शिल्पकला केलकर जी के आदर्श हमें ऊर्जा प्रदान करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने नई शिक्षा नीति देश में लागू की है। झारखंड को भी इसका लाभ उठाना है। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में झारखंड में तीर कमान और तलवार से अंग्रेजों से लोहा लिया था। झारखंड के अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने कुर्बानी दी थी। इस वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की १५०वीं जयंती तथा सरदार वल्लभभाई पटेल की भी १५० में जयंती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद के शिल्पकार केलकर जी की प्रेरणा हमें ऊर्जा देती है। वाजपेयी जी ने झारखंड का गठन किया था। जमीन के नीचे झारखंड में अपार संपदा है, जिसका उपयोग करना है। श्री गंगवार ने कहा कि विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता सकारात्मक सोच रखते हैं और राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए लगे रहते हैं। उन्होंने विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं से आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में जो हो रहा है, उसकी चर्चा करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि झारखंड के कुछ विषयों को लेकर केंद्र सरकार भी चिंता कर रही है। हम सब मिलकर भारत और झारखंड को नई दिशा प्रदान करेंगे।

उन्होंने परिषद के कार्यकर्ताओं से चरित्र निर्माण और झारखंड को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि आईआईटीआईएसएम के निर्देशक प्रो सुकुमार मिश्रा ने कहा कि छात्र संगठनों मे विद्यार्थी परिषद की अपनी विशिष्ट पहचान है। इनमें सेवा भाव है। उन्होंने कहा कि शरीर से वृद्ध होने के बाद भी शिक्षक मानसिक रूप से युवा होते हैं, क्योंकि वह युवा विद्यार्थियों के बीच हमेशा रहते हैं। बच्चा पैदा होता है तो पहले अपनी मां की भाषा सीखता है। फिर जब स्कूल जाता है तो अलगअलग भाषाओं से अवगत होता है। उन्होंने कहा कि दुख की बात है कि बहुत घरों में मातृभाषा को इग्नोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जापान के लोग अपने देश के अंदर जापानी बोलते हैं। बाहर जाने पर ही अंग्रेजी बोलते हैं। चीन के लोग अपने देश में चीनी का उपयोग करते हैं और बाहर जाने पर अंग्रेजी का उपयोग करते हैं। सांसद ढुलू महतो ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में वह भी विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता थे। वहीं से विधायक और सांसद भी बने हैं। परिषद के कार्यकर्ताओं में सेवा भाव होता है।

धार्मिक भावना रहती है और सेवा ही धर्म है तथा धर्म का मतलब सेवा है। उन्होंने परिषद के कार्यकर्ताओं को पूरी मदद करने का आश्वासन दिया।

स्वागत समिति के अध्यक्ष एवं केके ग्रुप के अध्यक्ष रवि चौधरी ने विद्यार्थी परिषद एवं केके परिवार की ओर से महामहिम का स्वागत किया और कहा कि उनके बिहार शरीफ स्थित केके पॉलिटेक्निक कैम्पस में केंद्रीय मंत्री रहते श्री गंगवार का आगमन हुआ था तो चमत्कार हुआ और उक्त परिसर आज यूनिवर्सिटी में तब्दील हो गया है। इसी तरह की कुछ उम्मीदें यहां भी है। अध्यक्षता परिषद की निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष डॉ मौसमी पाल ने की। राष्ट्रीय मंत्री क्षमा शर्मा ने कहा कि एनएसयूआई समेत अन्य छात्र संगठन केवल छात्र संघ के चुनाव के समय दिखते हैं, परंतु विद्यार्थी परिषद सालोंभर गतिविधियों में लगी रहती है। विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान का संकल्प लेकर काम करती है। बरसात में पौधारोपण तथा गर्मी में पक्षियों के लिए पानी का भी प्रबंध करती है। प्रदेश मंत्री मनोज सोरेन ने कहा कि संथाल परगना इलाके में भी संगठन बढ़िया कर रहा है।

के के इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में विद्यार्थी परिषद के अधिवेशन के मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल ने लिखित भाषण पढ़तेपढ़ते कहा कि ऐसा प्रधानमंत्री का निर्देश है। प्रधानमंत्री ने सभी राज्यपालों को कार्यक्रमों में लिखित भाषण पढ़ने का निर्देश दिया है। वह इसी का अनुपालन कर रहे हैं। यदि अपने मन से भाषण देते तो हो सकता है कुछ ज्यादा बोल देते। इस कारण बहुत सावधानी के साथ लिखित भाषण पढ़ रहे हैं। स्वागत भाषण में केके ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष रवि चौधरी ने कहा कि उनके बिहार शरीफ स्थित केके पॉलिटेक्निक परिसर में २०१५ में श्री गंगवार के चरण पड़े थे, तो वह परिसर आज यूनिवर्सिटी में परिणत हो गया है। उस दौरान श्री गंगवार बिहार भाजपा के प्रभारी थे और पूरी टीम के साथ केके पॉलिटेक्निक बिहार शरीफ आए थे। उन्होंने इशारे में कहा कि कहा कि कुछ इस तरह की उम्मीद यहां भी है। यहां भी के के विश्वविद्यालय का प्रस्ताव है, जो अभी सरकारी फाइलों में अटका हुआ है। राजपाल ने यह भी कहा कि बांग्लादेश में जो हो रहा है उसकी चर्चा करना जरूरी नहीं है वह किसी की आलोचना करने नहीं आए हैं लेकिन उच्च शिक्षा में झारखंड काफी पीछे है।

संचालन बम भोला उपाध्याय एवं धन्यवाद ज्ञापन स्वागत समिति के सचिव मुकेश पांडेय ने किये। मौके पर केके ग्रुप के निदेशक रिची रवि, भाजपा नेता गणेश मिश्र, तारा देवी, नंदलाल अग्रवाल, बलदेव महतो, धरनीधर मंडल, अरुण राय, विनोद सिंह, रुपेश सिन्हा, गोविंद नायक, यज्ञवाल शुक्ला, डॉ पंकज कुमार, निलेश सोलंकी, प्रमोद रावत, अमित ओझा, जग्गू साव, सुरजीत साहा, नितेश कटारे, डॉ पूनम सहाय, दिशा नित्या, नरेंद्र त्रिवेदी, नीरज निखिल, सुधांशु आदि मौजूद थे। परिसर में महामहिम के आगमन पर वरीय पुलिस अधीक्षक एचपी जनार्दनन, नगर पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार, पुलिस उपाधीक्षक शंकर कामती, बीडीओ जहीर आलम, सीओ धर्मेंद्र कुमार दुबे आदि भी थे।

ईरिक्शा ने स्कूली बच्चे को मारी टक्कर

झरिया (ससे) : झरिया चार नंबर टैक्सी स्टैंड स्थित पुलिस चेकपोस्ट के समीप शुक्रवार को टोटो रिक्शा संख्या जेएच १० सीवी ८६५० ने अपनी चपेट में एक १० वर्षीय स्कूली बच्चे को ले लिया। जिससे दाहिने पैर फैक्चर हो गई। घटना के बाद टोटो चालक भागने की फिराक में था। जिसे स्थानीय लोगों ने धर दबोचा। इसके अलावा मौजूद लोगों ने डाट फटकार करते हुए मारपीट की।

इधर, घायल बच्चे ने अपनी पहचान चार नंबर टैक्सी स्टैंड निवासी गुड्डू साव का पुत्र आर्यन कुमार बताया जो सुबह स्कूल जाने के लिए घर से निकला था। जहां टोटो रिक्शा का पिछला चक्का बच्चे के पांव में चढ़ गया और बच्चा गंभीर रूप से चोटिल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही आननफानन में बच्चे के पिता ने स्थानीय लोगों की मदद से बच्चे को झरिया के निजी हस्पताल में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के दौरान डॉक्टरों ने बताया कि उसके पांव की हड्डी टूट गई है, जिसके बाद बच्चे के परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए धनबाद ले गए। इधर, टोटो रिक्शा चालक की पहचान लोदना मोड़

अलमुनियम क्वाटर निवासी संतोष कुमार के रूप में हुई है। जिसने अपनी गलती स्वीकार करते हुए इलाज का खर्च देने को तैयार हुआ जिसके बाद मामला शांत हुआ।

स्थानीय लोगों की माने तो झरिया क्षेत्र में इन दिनों टोटो रिक्शा चलाने वाले अधिकांश चालक नाबालिक है, जिसके कारण आए दिन छोटी बड़ी घटना घटते रहती है जिस पर पुलिस प्रशासन को जांच पड़ताल करनी चाहिए।

तिलाटांड़ गांव में मनाया गया सोहराय पर्व

कतरास (ससे) : झारखंड के आदिवासी समुदाय का महत्वपूर्ण सोहराय त्योहार धूमधाम से तेतुलमारी तिलाटांड़ गांव में मनाया गया। यह पर्व आदिवासी समुदाय का महत्वपूर्ण त्योहार है और इसे फसल कटाई के बाद मनाया जाता है। इस पर्व में लोग प्रकृति, मवेशियों और अपने पूर्वजों की पूजा करते हैं।

घरों को रंगोली और फूलों से सजाया जाता है। गाय, बैल और अन्य मवेशियों की पूजा की जाती है। लोक नृत्य और संगीतः लोग पारंपरिक वेशभूषा में सजकर लोक नृत्य और संगीत का आनंद लिया। इस दिन विशेष प्रकार के व्यंजन बनाए गए थे, जहां आए अतिथियों ने भोजन का स्वाद लिये।

मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरीय नेता रति लाल टुडू ने बताया कि सोहराय पर्व आदिवासी संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा है। यह पर्व लोगों को एकजुट करता है और उन्हें अपनी परंपराओं से जोड़ता है।

मौके पर निवर्तमान वार्ड नंबर ५ के पार्षद राजेंद्र प्रसाद, निवर्तमान ४ के पार्षद छोटू सिंह, जिला परिषद सुबोध भारती, शत्रुघ्न सिन्हा, मुखिया अर्जुन भुईयां, मिनकल सिन्हा, घंटू त्रिगुणायत, संजय सोरेन, मंशा मुर्मू, राजेंद्र किस्कू, बिरजू सोरेन, अनिल उरांव, ऋतिक सिंह आदि मौजूद थे।

सदस्यों ने किया क्षेत्रीय चिकित्सालय का निरीक्षण

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद क्षेत्रीय चिकित्सालय में शुक्रवार को केंद्रीय वेलफेयर कमिटी की टीम पहुंची, जहां केंद्रीय वेलफेयर कमिटी के सदस्यों ने लोयाबाद क्षेत्रीय चिकित्सालय का निरीक्षण किया।

टीम के सदस्यों ने नेत्र जांच, पैथोलॉजी विभाग, एक्सरे विभाग, ईसीजी शौचालय, लाइट, एम्बुलेंस वाहन आदि का निरीक्षण किया। जिसमे केंद्रीय वेलफेयर कमिटी के टीम के सदस्यों ने चिकित्सालय का कार्यो में घोर कमी पायी। दवा की कमी पायी गयी। लाइटिंग व्यवस्था भी सही नहीं मिला। चिकित्सालय की शौचालय में गंदगी और नालियों की साफसफाई नहीं थी।

इस दौरान एरिया ५ के एजीएम के.के. सिंह ने सभी व्याप्त खामियों को दूर कराने की बात कही। वेलफेयर सदस्यों ने कहा कि लोयाबाद क्षेत्रीय चिकित्सालय की सभी विभागों की व्यवस्था को दुरूस्त करने के साथसाथ मजदूरों एवं आस-पास के ग्रामीणों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिले। इसका प्रयास किया जाना चाहिए। क्षेत्रीय चिकित्सालय के कार्यालय में प्रबंधन के साथ वेलफेयर टीम के सदस्यों ने समीक्षा बैठक किया। जिसमें

चिकित्सा प्रबंधन की घोर लापरवाही और उदासीनता पायी गई। मौके पर बीसीसीएल के एजीएम किशोर कुमार सिंह, एपीएम चंदन श्रीवास्तव, वेलफेयर कमिटी के सदस्यों में गंगा सागर राय, संजीत कुमार सिंह, लक्ष्मण महतो, अशोक कुमार साव, मनीष मिश्रा, डॉ अनुज कुमार, डॉ रचित कुमार, डॉ पुष्पांजलि, डॉ अभिषेक कुमार आदि उपस्थित थे।

हाईवा की टक्कर में ठेकाकर्मी घायल

जोड़ापोखर (ससे) : जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के डुमरी जूता गेट के समीप शुक्रवार की देर रात को भागा पांच नंबर निवासी तथा टाटा कंपनी के ठेका कर्मी राजेश पासवान एक हाईवा के चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया है।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल के इलाज एवं सहायता करने की मांग को लेकर जामाडोबा भौंरा की मुख्य सड़क को जाम कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर तत्काल जोड़ापोखर पुलिस पहुंचकर घायल राजेश को टाटा अस्पताल जामाडोबा में इलाज को ले गया। जहां चिकित्सकों ने घायल की स्थिति को गंभीर देख प्राथमिक उपचार कर रेफर कर दिया है।

घायल को परिजनों ने बेहतर इलाज को जालान अस्पताल धनबाद में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हाईवा को जब्त कर लिया है। बताते है कि राजेश पासवान टाटा कंपनी के वाशरी में ठेका मजदूरी का कार्य कर मोटरसाइकिल से अपने घर वापस लौट रहा था। तभी जुता गेट के समीप सड़क पर उक्त हाईवा को पीछा करने के दौरान पीछे से आ रहे राजेश पासवान की मोटरसाइकिल हाईवा से टकरा गई जिसमें राजेश गंभीर रूप से घायल हो गया है। जोड़ापोखर थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा ने कहा कि हाईवा को जब्त किया गया है। घायल की समुचित इलाज को वाहन मालिक को कहा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अंबे आउटसोर्सिंग के विस्फोट से कुम्हारपट्टी में हुआ भूधंसान

कतरास (ससे) : बीसीसीएल एरिया ४ अंतर्गत कुम्हार पटी में हुए भूधंसान की घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने थाना का घेराव कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन ने इस गंभीर समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया और समय रहते

- आक्रोशित ग्रामीणों ने कतरास थाने का किया घेराव
- बीसीसीएल के एरिया 4 के आउटसोर्सिंग के किनारे बसी लोग हैं दहशत में

कोई कार्रवाई नहीं की गई। भू-धंसान के कारण अंबे आउटसोर्सिंग द्वारा किया गया विस्फोट बताया जाता है। जिसे कई घरों को नुकसान पहुंचा है। कई परिवार बेघर हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

वियाडा के पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार झा ने घटनास्थल का दौरा किया है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि इस मामले की जांच कराया जाएगा। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग किया जाएगा। उन्होंने प्रभावित परिवारों के

सत्याग्रह में शामिल होकर हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया है कि भूधंसान के कारणों की जांच हो और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो।

रामकनाली ओपी प्रभारी मंगल प्रसाद कुजूर ने बताया कि आउटसोर्सिंग कंपनी में भूधंसान हुआ था, जिसको लेकर ग्रामीण ने विस्थापन को लेकर हंगामा किया। इसी बीच ग्रामीणों के साथ एक बैठक कर रहे थे लेकिन सुनने में आया की गोली बम चलाया जा रहा है जब वहां गए तो किसी तरह का सत्यता नहीं पाया है।

कारखाना में स्थाई पुलिस बल की तैनाती की मांग

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर थाना अंतर्गत परासी गांव स्थित केजी स्प्रिट (एलएलपी) एथेनॉल प्लांट को पूरी सुरक्षा प्रदान की जाएगी तथा कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगी। उक्त आश्वासन एसडीएम राजेश कुमार ने शुक्रवार को फैक्ट्री के जीएम राकेश मिश्रा को दी। श्री मिश्रा ने एसडीएम से मुलाकात कर कारखाना परिसर में स्थाई पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की मांग की। कहा कि मुकदमा दर्ज होने के बाद भी कुछ लोग गेट के बाहर अड्डाबाजी कर रहे हैं। नाजायज मजमा लगाकर काम बाधित करने का प्रयास हो रहा है। एसडीम ने कहा कि कानून हाथ में लेकर विधिब्यवस्था बिगाड़ने, अशांति फैलाने और किसी कारखाना को बंद कराने की छूट किसी को नहीं दी जाएगी। श्री मिश्रा ने डीएसपी मुख्यालय एक शंकर कामती से भी मुलाकात की। श्री कामती ने कहा कि वरीय पुलिस अधीक्षक ने विधिब्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इस आलोक में पुलिस अभियुक्तों को गिरफ्तार करेगी। कानून हाथ में लेकर कारखाना बंद करने की छूट किसी को नहीं मिलेगी।

प्राथमिकी के आधार पर पुलिस अनुसंधान कर दोषियों को गिरफ्तार करेगी। इस बीच पुलिस इंस्पेक्टर रुस्तम अली के नेतृत्व में बरवाअड्डा, निरसा आदि थानों पुलिस एवं बड़ी संख्या में जवानों को लेकर शुक्रवार रात परासी गांव में छापेमारी की। इंस्पेक्टर ने बताया कि एसएसपी के निर्देश पर पुलिस कार्रवाई कर रही है। कारखाना प्रबंधन को पूरी सुरक्षा प्रदान की जाएगी। पुलिस इंस्पेक्टर ने बताया कि ५० लाख रंगदारी मांगने, मालिक एवं मैनेजर को जान मारने की धमकी देने, लाठी डंडा, हरवे हथियार, भाला, पारंपरिक हथियार से लैस होकर, मशाल जुलूस जलाकर फैक्ट्री के गेट पर हमला बोलने, जान मारने की नीयत से पथराव करने, गार्ड एवं कर्मियों से गाली गलौज करने, फैक्ट्री में तोड़फोड़ करने, आगजनी का प्रयास करने, कर्मचारियों को बंधक बनाने, चावल गाड़ी, कोयला गाड़ी एवं पानी टैंकर पर पथराव करने, कंपनी का उत्पादन प्रभावित करने, लाखों का नुकसान पहुंचाने एवं फैक्ट्री में आग लगा देने की धमकी देने समेत अन्य आरोपों को लेकर राकेश मिश्रा ने इखलाख अहमद, अब्दुल मन्नान, दिल मोहम्मद, सोहराब अंसारी मुजाहिद अंसारी, सरफराज अंसारी, लाल मोहम्मद अंसारी, सलीम अंसारी, सरताज अंसारी, छोटू अंसारी, हुसैन अंसारी, नौशाद अंसारी, मुस्ताक अंसारी, अल्टु अंसारी, वसीर अंसारी परासी समेत १५० अन्य के खिलाफ बीएनएस की धारा १९१(२) १९१(३), १९०, १२६(२), १२७(२), ११५(२), १०९, ३०८(४), ३२९(४), १२५(), ३२६(ह), ३५२, ३५१(२), ६२/६१(२) के तहत मामला दर्ज कराया है।

चेयरमैन ने कांड्रा में सबस्टेशन का किया उद्घाटन

धनबाद (कासं) : राष्ट्र व समाज की उन्नति में डीवीसी की भूमिका अहम है। दामोदर घाटी निगम झारखंड में प्लांट और सब स्टेशन बनाने में हजारों करोड़ रुपए का निवेश करेगी। यह कहना है दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) के चेयरमैन एस. सुरेश कुमार, (आईएएस) का। उन्होंने शुक्रवार को धनबाद कांड्रा में पहला ३३/११ केवी ईहाउस सबस्टेशन का उद्घाटन के पश्चात आयोजित समारोह में उक्त बातें कही।

समारोह को उनके अलावा सदस्य सचिव-डॉ जॉन मथाई, सदस्य वित्तअरूप सरकार, सदस्य तकनिकीएस के पांडा, सीमेंस लिमिटेड के कंट्री बिजनेस हेडविवेक सरवटे, कार्यपालक निदेशक वितरण राजेश कुमार कार्यपालक निदेशक वाणिज्य संजीव श्रीवास्तव आदि ने भी संबोधित किया। समारोह का संचालन मुख्य जनसंपर्क पदाधिकारी राजीव रंजन सिन्हा ने की। समारोह में डीवीसी के अन्य अधिकारी और उद्योग प्रतिनिधि मौजूद थें।

वक्ताओं ने कहा कि डीवीसी के ११ केवी वितरण व्यवसाय में प्रवेश का मील का पत्थर सावित होगा, जो उन्नत, कुशल और सतत् ऊर्जा समाधान के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

अपनी महत्वाकांक्षी विस्तार योजना के तहत, डीवीसी झारखंड में २५ स्थानों पर ११ केवी इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित कर रहा है, जिसमें १२ ईहाउस सबस्टेशन शामिल हैं। यह पहल बिजली वितरण की विश्वसनीयता और दक्षता को बढ़ाने का लक्ष्य रखती है और छोटे उद्योगों को उच्च गुणवत्ता वाली बिजली प्रतिस्पर्धा दरों पर प्रदान करके उनके क्षेत्रीय विकास और उत्पादकता को बढ़ावा देती है।

डीवीसी रिंग मेन यूनिट्स (आरएमयू), भूमिगत केबलिंग, एडवांस्ड डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट सिस्टम (एडीएमएस) और मीटर डेटा मैनेजमेंट सिस्टम (एमडीएमएस) जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर रहा है। साथ ही, धनबाद कांड्रा में स्थापित इस सबस्टेशन के साथ के साथ, कल्याणेश्वरी और कोडरमा में दो केंद्रीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा रहे हैं, जो सबस्टेशनों की केंद्रीयकृत और मानवरहित निगरानी सुनिश्चित करेंगे। यह परियोजना नवाचार के प्रति डीवीसी की प्रतिबद्धता और स्थायी ऊर्जा समाधानों के माध्यम से उद्योगों और समुदायों को सशक्त बनाने के इसके मिशन को पुनः प्रमाणित करती है।

जान लें अपनी ट्रेन परिचालन का रूट

धनबाद (कासं) : ५ जनवरी को दुमकासंची इंटरसिटी नहीं चलेगी। उस दिन यह ट्रेन रद्द रहेगी। झाझासीतारामपुर क्षेत्र में फुटओवर ब्रिज को हटाने और सीमित ऊंचाई वाले सबवे और फुट ओवर ब्रिज को शुरू करने के लिए ५ जनवरी को पावर और ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा। यह स्टेशन आसनसोल रेल मंडल में पड़ते है। वैसे तो जसीडीहझाझा होकर चलने वाली कई ट्रेन ५ जनवरी को धनबाद होकर चलेगी। ५ जनवरी को धनबाद होकर चलने वाली दुमकासांची इंटरसिटी रद्द रहेगी।

इस दिन सुबह में पटना जाने वाली और पटना से धनबाद आने वाली धनबाद-पटना-धनबाद इंटरसिटी दोनों तरफ से जसीडीहझाझा की बजाय गया जहानाबाद यानी गंगा दामोदर की रूट पर चलेगी। ४ को नई दिल्ली से खुलने वाली गाड़ी संख्या १२३०४ नई दिल्लीहावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस को पंडित दीन दयाल उपाध्यायधनबादसीतारामपुर के रास्ते चलाई जाएगी। इसी तरह, नंगलडैम से ४ को चलने वाली ट्रेन संख्या १२३२६ नंगल डैमकोलकाता गुरुमुखी सुपरफास्ट एक्सप्रेस धनबाद होकर चलेगी। ५ को रक्सौल से खुलने वाली गाड़ी संख्या १७००६ रक्सौलहैदराबाद साप्ताहिक एक्सप्रेस एक घंटे २० मिनट की देरी से रवाना होगी। यात्रियों से सलाह दी गई है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाते समय इन परिवर्तनों को ध्यान में रखें। यात्रा से पहले रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या रेलवे पूछताछ सेवा के माध्यम से अपनी ट्रेन की जानकारी अवश्य ले लें।

संपादकीय | हिंसा की 77 फीसदी घटनाएं अकेले मणिपुर से...

जातीय हिंसा से त्रस्त घायल मणिपुर को समाधान का इंतजार है। मणिपुर जलता रहा और हल ढूंढने में न तो केंद्र ने और न ही राज्य की सरकार ने कभी राजनीतिक इच्छाशक्ति का इजहार किया। वहां हालात बेहद खराब रहे हैं। गृह मंत्रालय की ताजा रपट से यह स्पष्ट है। वर्ष 2023 में समूचे पूर्वोत्तर क्षेत्र में हुई हिंसा में से 77 फीसद घटनाएं मणिपुर में हुईं। वहां बहुसंख्यक मैतेई और आदिवासी कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में सैकड़ों नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान गई। महिलाओं पर अत्याचार के जिस तरह के वीडियो आए, वे किसी भी सभ्य समाज के मुंह पर तमाचा थे। वहां तीन मई, 2023 को मैतेई और कुकी समुदायों के बीच बड़े पैमाने पर जातीय हिंसा भड़क उठी। हिंसा का दौर अभी भी जारी है। जबकि सरकार का दावा है कि बीते कुछ महीनों से स्थिति नियंत्रण में है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अब जाकर राज्य में हुए जातीय संघर्ष के लिए माफी मांगी है और सभी समुदायों से पिछली गलतियों को भूलने तथा एक साथ रहने की अपील की है। प्रदेश में हुए जातीय संघर्ष में 250 से अधिक लोगों की जान चली गई है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

यह याद रखा जाएगा कि जब मणिपुर में हिंसा की कई घटनाएं राष्ट्रीय सुर्खियां बनीं, तब बीरेन सिंह या केंद्र की सरकार के स्तर पर चुप्पी रही। विपक्षी कांग्रेस तो अब तक यह सवाल पूछ रही है कि प्रधानमंत्री मणिपुर को लेकर चुप क्यों हैं? वे दुनिया भर की यात्रा कर रहे हैं, लेकिन मणिपुर जाने से परहेज क्यों करते हैं। दरअसल, वहां की स्थिति से निपटने में अक्षमता के बावजूद मुख्यमंत्री बीरेन सिंह सत्ता में बने रहे, उनकी पार्टी

उनके साथ हठपूर्वक खड़ी रही।

इस मामले में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि धूमिल हुई। अब जबकि, वहां का समाज बुरी तरह से बंट गया और समरसता दूर की कौड़ी हो गई है, बीरेन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। केंद्र सरकार ने वहां के लोगों को भरोसे में लिए बगैर दो फैसले लिए, जो विवादित रहे, भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाना और मुक्त आवागमन व्यवस्था खत्म करना। इन फैसलों का मणिपुर में कई आदिवासी संगठनों ने विरोध किया।

सर्वोच्च न्यायालय ने वहां की स्थिति पर स्वतः संज्ञान लेते हुए निगरानी और जांच समितियां गठित कर दी थीं। उसमें बाहरी राज्यों के पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया। उम्मीद बनी थी कि हिंसा की हकीकत जल्द ही सामने आएगी। मणिपुर कोई इतना बड़ा और जटिल राज्य नहीं है कि वहां की स्थितियों से निपटना मुश्किल हो। विवाद भी एक भ्रम की वजह से पैदा हुआ था। अगर सरकार संजीदा होती, तो दोनों समुदाय के लोगों को आमने-सामने बिठा कर मसले का हल निकाल चुकी होती। कोई भी कल्याणकारी सरकार इस तरह पैदा हो गई गृहयुद्ध जैसी स्थिति को हाथ पर हाथ धरे कैसे देख सकती है? शांति बहाली के लिए सभी पक्षकारों का आम सहमति पर आना जरूरी है। वहां जिस तरह से विवाद में जंगल और जमीन का मुद्दा, अवैध प्रवासियों की समस्या, नशीले पदार्थों की तस्करी का जाल और दूसरे कानूनी पहलू उभरते चले गए हैं, उससे स्पष्ट है कि गतिरोध कई मोर्चे पर है और इन सभी पर काम किए जाने की जरूरत है। भावनात्मक बातों से काम नहीं चलेगा। संवेदनशीलता के साथ गंभीर कदम उठाने की जरूरत है।

अंतरिक्ष में भारत ने लगाई लंबी छलांग नए साल पर इसरो का 100वां मिशन

अंतरिक्ष में भारत ने नई छलांग लगाई है। भारतीय अंतरिक्ष मिशन (इसरो) के स्पैडेक्स मिशन की शानदार कामयाबी ने उसे अमेरिका, रूस और चीन की कतार में खड़ा कर दिया है। यह हमारे वैज्ञानिकों के सतत अनुसंधान और उनकी मेधा का प्रतिफल है कि हम आने वाले समय में चांद पर इंसान भेजने का सपना साकार कर पाएंगे। फिलहाल भारत ने दो यानों को अलग करने के बाद उन्हें पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित कर सभी को चौंका दिया है। इसरो का यह महत्त्वाकांक्षी मिशन था। आगामी सात जनवरी को इस मिशन के तहत जब इन यानों को जोड़ा जाएगा, तब भारत तीन बड़े देशों के बाद यह क्षमता हासिल करने वाला चौथा देश बन जाएगा। गौर करने की बात है कि एक समय हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम उपग्रहों को ऊपर ले जाने तक सीमित था। जैसे-जैसे भारत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में महारत हासिल करता गया, उसके अंतरिक्ष अभियानों को नए क्षितिज मिलते गए। कोई दो मत नहीं कि स्पैडेक्स मिशन की कामयाबी ने देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम को निर्णायक मोड़ पर पहुंचा दिया है। उम्मीद है कि 2035 तक भारत भी अंतरिक्ष में अपना केंद्र स्थापित कर लेगा। अंतरिक्ष यानों को अलग कर लेने और फिर जोड़ लेने के बाद अंतरिक्ष अन्वेषण में नई राहें खुलेंगी। इसरो के इस मिशन की सफलता इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि भारत शुक्रयान मिशन पर भी काम करना चाहता है, वहीं वह गगनयान मिशन की तैयारी में पहले से जुटा है। अंतरिक्ष यात्रियों को ले जाना और फिर वापस सुरक्षित लाना इसका मुख्य उद्देश्य है। अभी तक दुनिया के तीन देश ही ऐसा कर पाए हैं। वैसे भी 2040 तक चंद्रमा पर मानव भेजने की हमारी महत्त्वाकांक्षी योजना है। इस लिहाज से देखें, तो इसरो की नई सफलता ने हमारे लिए कई नए दरवाजे खोल दिए हैं। अंतरिक्ष में भारत की उपस्थिति अब और मजबूती से दर्ज होगी। श्रीहरिकोटा से 99वें प्रक्षेपण के बाद हमें अगले अभियान पर भी गर्व होना चाहिए, क्योंकि नववर्ष की शुरूआत में इसरो का सौवां प्रक्षेपण भारत को अंतरिक्ष में नई ऊंचाई पर ले जाएगा। यह उसके सपनों और संकल्प की नई उड़ान भी है, जिन्हें जल्द साकार होते पूरी दुनिया देखेगी।

आज का कार्टून

बांग्लादेश में नई स्कूली किताबों में बदवाल पर छिड़ी बहस

बांग्लादेशी छात्रों के लिए ऐतिहासिक वर्णन में लगातार बदलाव एक चुनौती रही है। बांग्लादेशी शिक्षाविद और राजनीतिक पर्यवेक्षक शरीन शाजहान नाओमी ने ईटीवी भारत से कहा, बचपन में मैं उलझन में थी। लेकिन फिर, मुझे एहसास हुआ कि राजनीतिक रूप से समावेशी समाज बनाने के लिए, हमें इतिहास से शुरुआत करनी होगी। इसमें मुक्ति संग्राम में सभी के योगदान की ईमानदारी से स्वीकृति शामिल होनी चाहिए। नाओमी ने कहा कि शेख मुजीबुर रहमान और जियाउर रहमान के अलावा बहुत कम लोग चार अन्य नेताओं के योगदान के बारे में जानते हैं, जिन्हें चार जातियों के नेता के नाम से जाना जाता है - सैयद नजरुल इस्लाम, ताजुद्दीन अहमद, मंसूर अली, एएचएम कमरुजमान। उन्होंने यह भी कहा कि पाठ्यपुस्तकों में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में भारतीय सेना द्वारा निभाई गई भूमिका के बारे में बहुत कम जानकारी दी गई है।

अरुणिम भुयान

बांग्लादेश ने फैसला किया है कि प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के लिए नई पाठ्यपुस्तकों में दिवंगत राष्ट्रपति जियाउर रहमान को 1971 में देश की स्वतंत्रता की घोषणा करने वाले के रूप में शामिल किया जाएगा। इससे एक बार फिर बहस छिड़ सकती है। न्यूज वेबसाइट डेली स्टार की एक रिपोर्ट में बुधवार को राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक बोर्ड के अध्यक्ष एकेएम रियाजुल हसन के हवाले से कहा गया, 2025 शैक्षणिक वर्ष के लिए नई पाठ्यपुस्तकों में लिखा होगा कि 26 मार्च, 1971 को जियाउर रहमान ने बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की और 27 मार्च को उन्होंने बंगबंधु (शेख मुजीबुर रहमान) की ओर से स्वतंत्रता की एक और घोषणा की।

यह निर्णय ऐतिहासिक व्याख्या में बदलाव को दर्शाता है, जो बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के विवादित प्रस्तुतीकरण पर फिर से विचार करता है। यह घोषणा देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष की जटिलता को रेखांकित करती है, जहां शेख मुजीबुर रहमान और जियाउर रहमान जैसे लोगों ने 1971 की ऐतिहासिक घटनाओं में महत्वपूर्ण, लेकिन अलग भूमिकाएं निभाईं।

बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा करने वाले के बारे में इतिहास बदलने का निर्णय अगस्त 2024 में अवामी लीग की प्रमुख शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद आया है। 1971 में सबसे पहले बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा किसने की, यह सवाल देश के इतिहास में सबसे अधिक बहस और राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दों में से एक है। यह मुद्दा बांग्लादेश मुक्ति संग्राम की उथल-पुथल भरी घटनाओं और शेख मुजीबुर रहमान और जियाउर रहमान सहित प्रमुख व्यक्तियों द्वारा निभाई गई भूमिकाओं में निहित है। बदलते राजनीतिक माहौल और व्याख्याओं से प्रभावित होकर कहानी समय के साथ विकसित हुई है।

डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, पाठ्यपुस्तकों में बदलाव करने की प्रक्रिया में शामिल लेखक और शोधकर्ता राखल राहा ने कहा कि उन्होंने पाठ्यपुस्तकों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए इतिहास से मुक्त करने का प्रयास किया। राहा के हवाले से कहा गया, पाठ्यपुस्तकों को संशोधित करने वालों ने पाया कि यह तथ्य-आधारित जानकारी नहीं थी कि शेख मुजीबुर रहमान ने पाकिस्तानी सेना द्वारा गिरफ्तार किए जाने के दौरान वायरलेस मैसेज (जिसमें स्वतंत्रता की घोषणा की गई थी) भेजा था, और इसलिए उन्होंने इसे हटाने का फैसला किया।

आवामी लीग के समर्थकों का मानना है कि शेख मुजीबुर रहमान ने स्वतंत्रता की घोषणा की थी, और जियाउर रहमान ने मुजीब के निर्देश पर केवल घोषणा पढ़ी थी, जो उस समय सेना के मेजर थे और बाद में मुक्ति संग्राम के सेक्टर कमांडर थे। हालांकि, बीएनपी (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी) के समर्थकों का मानना है कि उनकी पार्टी के

संस्थापक और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान ने स्वतंत्रता की घोषणा की थी।

सत्ता में रहने वाली सरकारों के अनुसार, कक्षा एक से 10 तक की पाठ्य पुस्तकों में बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा किसने की, इसकी जानकारी बदलती रही है। जब 1996 से 2001 तक अवामी लीग सत्ता में थी, तो पाठ्य पुस्तकों में कहा गया था कि शेख मुजीबुर रहमान ने स्वतंत्रता की घोषणा की और जियाउर रहमान ने घोषणा पढ़ी। दूसरी ओर, जब 2001 से 2006 तक बीएनपी सत्ता में थी, तो कहा गया था कि जियाउर रहमान ने स्वतंत्रता की घोषणा की थी।

जियाउर रहमान 1977 से 1981 तक बांग्लादेश के छठे राष्ट्रपति थे और 1981 में उनकी हत्या कर दी गई थी। देश के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख व्यक्तियों में से एक रहमान ने मुक्ति संग्राम की शुरुआत में मार्च 1971 में चटगांव से बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा प्रसारित की। वह बीएनपी के संस्थापक थे। वह 1975 से 1978 तक बांग्लादेशी सेना के तीसरे प्रमुख थे। 27 मार्च 1971 को, पाकिस्तानी सेना के तत्कालीन बंगाली अधिकारी मेजर जियाउर रहमान ने चटगांव के कलुरघाट से रेडियो प्रसारण किया। प्रसारण में उन्होंने शेख मुजीबुर रहमान की ओर से बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की।

जियाउर रहमान ने कहा था, यह स्वाधीन बांग्ला बेतार केंद्र (स्वतंत्र बंगाल रेडियो केंद्र) है। मैं, मेजर जियाउर रहमान, बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के निर्देश पर यह घोषणा करता हूं कि स्वतंत्र पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ बांग्लादेश की स्थापना हो गई है। शेख मुजीबुर रहमान के नाम पर, मैं सभी बंगालियों से पश्चिमी पाकिस्तान की सेना के हमले के खिलाफ उठ खड़े होने का आह्वान करता हूं। हम अपनी मातृभूमि को आजाद कराने के लिए आखिरी दम तक लड़ेंगे। अल्लाह की कृपा से, जीत हमारी होगी। जय बांग्ला।

हालांकि, जो लोग जियाउर रहमान को बांग्लादेश की आजादी का पहला घोषणाकर्ता मानने का विरोध करते हैं, उनका कहना है कि 25 मार्च, 1971 को अपनी गिरफ्तारी से पहले शेख मुजीबुर रहमान ने कथित तौर पर आजादी की घोषणा की थी। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, उन्होंने तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के लोगों से पाकिस्तानी सेना का विरोध करने और आजादी के लिए लड़ने का आह्वान करते हुए हस्तलिखित संदेश जारी किया था। यह संदेश कथित तौर पर अवामी लीग के सदस्यों द्वारा प्रसारित किया गया था और स्थानीय स्तर पर प्रसारित किया गया था।

बांग्लादेशी छात्रों के लिए ऐतिहासिक वर्णन में लगातार बदलाव एक चुनौती रही है। बांग्लादेशी शिक्षाविद और राजनीतिक पर्यवेक्षक शरीन शाजहान नाओमी ने ईटीवी भारत से कहा, बचपन में मैं उलझन में थी। लेकिन फिर, मुझे एहसास हुआ कि राजनीतिक रूप से समावेशी समाज बनाने के लिए, हमें इतिहास से शुरुआत करनी होगी। इसमें मुक्ति संग्राम में सभी के योगदान की ईमानदारी से स्वीकृति शामिल होनी चाहिए।

नाओमी ने कहा कि शेख मुजीबुर रहमान और जियाउर रहमान के अलावा बहुत कम लोग चार अन्य नेताओं के योगदान के बारे में जानते हैं, जिन्हें चार जातियों के नेता के नाम से जाना जाता है - सैयद नजरुल इस्लाम, ताजुद्दीन अहमद, मंसूर अली, एएचएम कमरुजमान।

उन्होंने यह भी कहा कि पाठ्यपुस्तकों में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में भारतीय सेना द्वारा निभाई गई भूमिका के बारे में बहुत कम जानकारी दी गई है। नाओमी ने कहा, भारतीय सेना और बांग्लादेश रक्षा बलों के सेक्टर कमांडरों के बारे में बहुत कम जानकारी है। पाठ्यपुस्तकों में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा निभाई गई भूमिका के बारे में भी बहुत कुछ नहीं बताया गया है। उन्होंने कहा कि बदलती राजनीतिक कहानियों के कारण नई पीढ़ी बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के इतिहास में रुचि खो रही है। नाओमी ने कहा, पाठ्यपुस्तकों की सामग्री पर निर्णय राष्ट्रीय स्तर की बातचीत के आधार पर होना चाहिए था।

चमक-दमक के साथ पेश होने पर जोर...

आज के युग में जब चमक-दमक के साथ पेश किए जाने या होने पर जोर दिया जाता है, हर कोई 'स्मार्ट' दिखना चाहता है, तब हो सकता है कि कोई बड़ा कलाकार इसलिए नजरअंदाज कर दिया जाए कि वह दिखने में साधारण है। या किसी के व्यक्तित्व के बारे में ध्यान दिलाने के लिए रोशनी न डाली जाए तो हम पहचान ही न पाएं कि अंधेरे के किसी कोने में हीरा धूल खाता पड़ा है। यों इसमें हीरे का भी कोई दोष नहीं। यह भी विचित्र है कि दुनिया ने हीरे को नहीं पहचाना। पर वैसे तो दुनिया का भी कोई दोष नहीं। उस हीरे को बनाया ही इसलिए गया था कि वह सबकी नजर में न आए।

स्वरांगी साने

कुछ लोग उसे प्रारब्ध कहते हैं, कुछ नियति तो कुछ भाग्य का लिखा। अलग-अलग अवधारणाओं से यही बात निकलकर सामने आती है कि सब कुछ पूर्व निर्धारित होता है। हम किन लोगों से मिलते हैं, उनके साथ जीवन कितने समय का होता है आदि से लेकर हमारे जीवन में कितनी सांसें लिखी हैं, माना जाता है कि उसका लेखा-जोखा भी पहले से लिखा जा चुका है। यह ज्यादातर लोग इसे मानते हैं, लेकिन इसे मानने के अपने खतरे हैं। हम उन खतरों से भयभीत होते हैं। अगर यही समझ लिया कि सब कुछ पहले से लिखा है तो हम पर एक तरह की अकर्मण्यता हावी हो जाएगी। हम कुछ करने के हौसले से खुद को बचा ले जाएंगे। दूसरा खतरा इससे भी विकट है कि हम गहरे अवसाद में भी जा सकते हैं, यह सोचते हुए कि मैं कितना भी हाथ-पैर पटकूं, होना तो वही है, तो मेरे करने का क्या औचित्य!

इस संदर्भ में अगर हम यह मानते हैं कि बिना परम शक्ति के एक पत्ता भी नहीं हिल सकता, तो साथ ही हम यह क्यों न मानें कि वही शक्ति हमें उद्दीप्त कर रही है कि हम कुछ ठोस कदम उठाएं, कुछ काम करें। दुनियावी रंगमंच पर हमें जो भूमिका मिली है, तो उसे भी पूरी शिद्दत से क्यों न निभाएं? कोई बड़ा काम

करने के लिए धन-ऐश्वर्य की आवश्यकता नहीं होती। हमारे जिम्मे जो काम आया है, उसे हम बेहतरीन तरीके से कर सकते हैं। अगर साधन-संपन्न होना ही सुखी होना होता, तो कई बड़े नामी-गिरामी कलाकार आत्महत्या नहीं करते। कुछ तो उनके जीवन में भी उन्हें कचोटता होगा। हमारे दुख अलग हैं तो किसी और के दर्द हमसे जुदा। पर दुख, तकलीफें, पीड़ा सबके जीवन में हैं। जिसने जन्म लिया, उसके हिस्से उसके अपने कष्ट-भोग हैं और उसे सहना है। हमें तय करना है कि हम कांटों भरा ताज पहनने को तैयार हैं या रोते-बिलखते जिंदगी गुजार देना चाहते हैं।

मनोरंजन के लिहाज से टीवी पर हम जो 'रियलिटी शो' देखते हैं, उसमें हर समय कैमरा हर कोण से उन किरदारों के हाव-भाव, गतिविधियां कैद रहा होता है। वैसा ही कुछ यह हमारा जीवन चल रहा है। छोटे पर्दे पर हम जो देखते हैं, उसके दर्शक हम होते हैं तो हम एक पल के लिए यह मान सकते हैं कि हमारे जीवन के 'रियलिटी शो' का दर्शक कोई दैवीय ताकत है जो दुनियावी पर्दे पर सब देख रही है। हमारे हाथों में रिमोट होता है, लेकिन कई बार लगता है कि उस शक्ति के पास केवल रिमोट नहीं, हमारी जिंदगी की पूरी पटकथा भी है। अगर हमें मुख्य किरदार की भूमिका मिली है तो उसकी पटकथा भी वैसी ही होगी। हमारा पहनावा, संस्कार, घर-परिवार भी वैसा ही चुना जाएगा। कई बड़े लोगों को उनकी मृत्यु के बाद लोगों ने जाना कि अरे हमारे बीच कोई अलहदा होकर गया! सुकरात को उनके जीवनकाल में कुछ लोगों ने पागल भी कहा था। मुक्तिबोध गहरी विपन्नता में जीकर गए। इसलिए नायक को नायक जैसा दिखना भी हो, यह भी जरूरी नहीं।

आज के युग में जब चमक-दमक के साथ पेश किए जाने या होने पर जोर दिया जाता है, हर कोई 'स्मार्ट' दिखना चाहता है, तब हो सकता है कि कोई बड़ा कलाकार इसलिए नजरअंदाज कर दिया जाए कि वह दिखने में साधारण है। या किसी के व्यक्तित्व के बारे में ध्यान दिलाने के लिए रोशनी न डाली जाए तो हम पहचान ही न पाएं कि अंधेरे के किसी कोने में हीरा धूल खाता पड़ा है। यों इसमें हीरे का भी कोई दोष नहीं। यह भी विचित्र है कि दुनिया ने हीरे को नहीं पहचाना। पर वैसे तो दुनिया का भी कोई दोष नहीं। उस हीरे को बनाया ही इसलिए गया था कि वह सबकी नजर में न आए। मोर तो जंगल में नाचता है, कोई देखे या न भी देखे, उसे कहां फर्क पड़ता है। मीरा का भजन है कि 'बड़े-बड़े नयन दिए मिरगन को, बन-बन फिरत उघारी।' मतलब हिरण बड़ी-बड़ी आंखें खोले जंगल में घूमता रहता है। अगर मोर या हिरण को ही इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई उसे देख रहा है या नहीं, कोई उसकी कद्र कर रहा है या नहीं तो हमें क्यों पड़ना चाहिए।

हम तो मनुष्य हैं और कहने को हम बुद्धि में अन्य जानवरों की तुलना में श्रेष्ठ हैं। अगर हम बुद्धिमान हैं तो क्या हमें भी इस तरह नहीं सोचना चाहिए कि हमारे बारे में आकलन करने का दूसरों का क्या अधिकार है? हाथी बाजार में चलता है, बिना किसी की परवाह किए! सारी बातों का सार यह है कि हमें किसी भी बात के लिए हाय-तौबा करने की कोई जरूरत नहीं है। दीवार के आगे सिर पटकने से कुछ नहीं होता, यह हमें भी पता है। तो चिंता छोड़ा जाए उन्मुक्त होकर जीना सीख लिया जाए। कुछ काम ऐसे होते हैं, जिसके लिए जमीन-आसमान एक कर दिया तो भी वह हमारे हिस्से नहीं आएगा। मगर इसका यह अर्थ भी नहीं कि हम काम करना ही छोड़ देंगे। निष्काम कर्म करते रहना चाहिए। कुछ फलीभूत हुआ तो ठीक, नहीं हुआ तो भी ठीक। इस मनःस्थिति में आ जाना चाहिए। फिर यह देखा जा सकता है कि हम खुद को कितना शांत पाएंगे।

अपूर्ण योजनाओं को पूरा करने में लाएं तेजी : डीडीसी

बोकारो (ससे): शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) गिरजा शंकर प्रसाद ने जिला खनिज फांउडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के तहत जिले के विभिन्न प्रखंडों में संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति कार्य की समीक्षा की।

मौके पर प्रभारी पदाधिकारी डीएमएफटी राज शर्मा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, डीएमएफटी के पीएमयू टीम के सदस्य, संबंधित तकनीकी विभागों के कार्यपालक अभियंता आदि उपस्थित थे।

उप विकास आयुक्त ने भवन प्रमंडल द्वारा डीएमएफटी के तहत जिले में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अपूर्ण केंद्रों को जल्द पूर्ण करने एवं पूर्ण केंद्रों को जिला समाज कल्याण विभाग को हस्तांतरित करने को कहा। उन्होंने प्रखंड वार निर्माण कार्य शुरू, प्रगति एवं पूर्ण होने की जानकारी ली। इस क्रम में कई केंद्रों का निर्माण भूमि उपलब्ध नहीं होने, भूमि विवाद के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं होने की बात सामने आयी। ऐसे लगभग २५ केंद्र है। उन्होंने संबंधित एजेंसी के कार्यपालक अभियंता को इस बाबत प्रतिवेदन जिला को समर्पित करते हुए उपलब्ध आवांटन की राशि को विभाग को समर्पित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने डीएमएफटी के तहत संचालित योजनाओं की लक्ष्य अनुरूप कार्य में तेजी लाने को कहा। कहा कि पीसीसी सड़क निर्माण, विभिन्न विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षा निर्माण आदि कार्यों में पूरे अभिलेख का जांच होने (भौतिक एवं वित्तीय प्रगति) के बाद ही दूसरे किस्त की राशि का भुगतान संबंधित एजेंसी को करने का निर्देश दिया।

उप विकास आयुक्त ने ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, ग्रामीण कार्य मामले - कार्य प्रमंडल, पथ प्रमंडल, भवन प्रमंडल, लघु सिंचाई प्रमंडल, एनआरईपी, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल चास/तेनुघाट, बांध प्रमंडल द्वारा डीएमएफटी के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति का क्रमवार समीक्षा कर पदाधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है पूरी नींद लेना : डॉ प्रशांत

बोकारो (ससे): बिरसा नर्सिंग कॉलेज चास में तम्बाकू के दुष्परिणाम विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के निदेशक श्री शैलेश कुमार के द्वारा की गई।

सेमिनार में जिला परामर्शी मो० असलम द्वारा सभी बच्चों को तम्बाकू के दुष्परिणाम, तम्बाकू में पाये जाने वाले जहरीले तत्व के बारे में बताया गया। उन्होंने बच्चों को अपने चर्चा के दौरान बताया कि तम्बाकू में पाया जाने वाला नशीला पदार्थ निकोटीन से बच्चों में चिन्ता, नींद न आना, चिड़चिड़ापन एवं अवसाद जैसे गंभीर समस्यायें हो सकती हैं।

जिला परामर्शी ने बच्चों को बताया कि यदि आप तम्बाकू का सेवन करते है या आपके आसपास कोई सेवन करता है और वह तम्बाकू के लत को छोड़ना चाहता है और कई बार प्रयास करने पर भी नही छोड़ पाता है, तो उसे तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र सदर अस्पताल के १३ नं० ओ०पी०डी० में भेजें ताकि उन्हें तम्बाकू छुड़ाने में मदद की जा सके।

स्कूल के प्राचार्य ने सभी बच्चों को बताया तम्बाकू को एक लाईन में परिभाषित करें तो तम्बाकू का मतलब बीमारियों का भण्डार, चाहे आप इसे धुएं के शक्ल में लें या चबाकर खाये। यह मानव शरीर में जाकर विभिन्न प्रकार के बीमारियों को उत्पन्न करता है और फिर उस बीमारी से लोगों की मौत हो जाती है। इस लिये तम्बाकू मानव शरीर को धीरे धीरे खोखला करता है। हम सभी से अनुरोध करना चाहते है कि इस लत से बचें और एक जिम्मेदार नागरिक के नाते अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्प्रभाव से अवगत कराये।

कार्यक्रम में स्कूल के निदेशक श्री शैलेश कुमार, जिला परामर्शी मो० असलम तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, आरती कुमारी मिश्रा जिला कार्यक्रम सहायक सोशल वर्कर छोटेलाल दास, विद्यालय के शिक्षक, स्टाफ व बच्चे उपस्थित थे।

असहायों के बीच कंबल का वितरण

डुमरी (ससे): खतियानी बुद्धिजीवी मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष बैजनाथ महतो ने शुक्रवार को जामतारा स्थित अपने आवासीय कार्यालय के समीप अपने निजी खर्च से १५० गरीब असहाय महिला पुरुषों के बीच कंबल का वितरण किया गया है। वहीं कंबल वितरण समारोह में उपस्थित डुमरी विधायक जयराम महतो ने उपस्थित महिलाओं एवं पुरुषों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए हालचाल जाना वहीं उपस्थित जेएलकेएम प्रखंड अध्यक्ष अमित महतो को क्षेत्र की ज्वलंत समास्याओं की एक सूची तैयार करने को कहा।

इधर श्री बैजनाथ महतो ने कहा कि सभी लोग तीर्थ करने बाहर जाते हैं पर हम अपने नीजी खर्च से गरीब ग्रामीणों को कंबल देकर पूण्य कर रहे हैं। इस बढ़ती कड़कड़ाती ठंड को देखकर हम कंबल वितरण का कार्य कर रहे हैं,उम्मीद है की प्रत्येक साल कंबल वितरण करेंगे।उन्होंने कहा की अभी तक सरकार कंबल वितरण शुरू नहीं किया है। मौके पर मंच के प्रखंड अध्यक्ष तुलसी महतो उत्तराखंड अध्यक्ष संजय मंडल,महेन्द्र कुमार,जमाल अंसारी आदि उपस्थित थे।

झारखंड कॉलेज का छात्र राष्ट्रीय खेल में चयनित

डुमरी (ससे): झारखण्ड कॉलेज डुमरी के बीए चतुर्थ सेमेस्टर का छात्र कौशल कुमार महतो का चयन भारतीय त्रि अथलोन फेडरेशन में हुआ है।ये कॉलेज के लिए बड़ी उपलब्धि है।इन्हें २५ से ३१ जनवरी तक उत्तराखंड राज्य के हल्द्वानी शहर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय खेल में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया है ।
बताया जाता है कि पूरे झारखंड राज्य से केवल दो छात्रों का चयन इस खेल हेतु हुआ है। इसकी सूचना मिलने पर कॉलेज प्राचार्य प्रो प्रमोद कुमार सिन्हा आईक्यूएसी समन्वयक डॉ सुजीत कुमार माथुर स्पोर्ट्स सेल के रवि सिन्हा,प्रो उमाशंकर राय,प्रो राजेश प्रसाद,प्रो टी नायक,प्रो शंकर ठाकुर,प्रो मनोज सिंह,राजेन्द्र कुमार आदि ने कौशल को शुभकामनाएं दी है।वहीं चयन होने से कॉलेज के छात्र छात्राओं में हर्ष व्याप्त है।

चंदन गुप्ता की मौत के मामले में 28 को उम्रकैद

लखनऊ (ईएमएस): उत्तरप्रदेश के जिले कासगंज दंगे में जान गंवाने वाले एबीवीपी कार्यकर्ता चंदन गुप्ता की मौत के मामले में २८ दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। लखनऊ एनआईए कोर्ट के जस्टिस विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने यह फैसला सुनाया।

एनआईए कोर्ट ने गुरुवार को २८ आरोपियों को दोषी करार दिया था। फैसले के खिलाफ दोषियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी, जिसे कोर्ट ने खारिज किया। गुरुवार को मामले में दोषी सलीम कोर्ट में पेश नहीं हुआ था। जिसके बाद सलीम ने शुक्रवार को कोर्ट पहुंचकर सरेंडर किया। कासगंज में २६ जनवरी २०१८ को चंदन गुप्ता की हत्या कर दी गई थी।

युवा मोर्चा ने किया विरोध प्रदर्शन, विधायक के आश्वासन के बाद मामला शांत

गाजियाबाद,(ईएमएस): यूपी के गाजियाबाद में पुलिस ने बीजेपी युवा मोर्चा के पदाधिकारी को गैंगस्टर एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी से नाराज युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस से नोंकझोंक भी हुई। कार्यकर्ताओं का आरोप था कि उनके नेता को गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गाजियाबाद की खोड़ा पुलिस ने बीजेपी युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अनुज कसाना को गैंगस्टर एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है।
इस गिरफ्तारी के बाद युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। गुरुवार को बड़ी संख्या में कार्यकर्ता इंदिरापुरम थाने के बाहर जमा हो गए और अपनी नाराजगी जाहिर की। कार्यकर्ताओं ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की और आरोप लगाया कि उनके नेता को गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि खोड़ा मंडल अध्यक्ष अनुज कसाना की गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है। इस मुद्दे को लेकर बीजेपी युवा मोर्चा के एक प्रमुख पदाधिकारी ने दावा किया कि कसाना को नियमित सत्यापन के बहाने इंदिरापुरम थाने बुलाया था। बाद में उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना के गैंगस्टर एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया। सदर से बीजेपी विधायक ने पुलिस अफसरों से बातचीत की तब जाकर मामला शांत हुआ। विधायक ने प्रदर्शनकारियों से कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होगी।

पेयजल व स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षात्मक बैठक

गिरिडीह (ससे): उप विकास आयुक्त, श्रीमती स्मृता कुमारी ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अंतर्गत जल जीवन मिशन व स्वच्छ भारत अभियान का मासिक समीक्षात्मक आयोजित की गई।
प्रखंडवार ओडीएफ प्लस सहित अन्य बिंदुओं पर बारी-बारी से समीक्षा किया गया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।
बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने संबंधित अधिकारी को ज्यादा से ज्यादा सरंचनाओ यथा सामुदायिक सोकपिट, नाडेप, वर्मी कम्पोस्ट, कम्पोस्ट पीट, ट्रेंच का निर्माण (मल कचरा प्रबंधन) भस्मक निर्माण माहवारी स्वच्छता प्रबंधन करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान उप विकास आयुक्त ने निर्धारित लक्ष्य के ससमय प्राप्ति हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया। वहीं इन सभी योजनाओं के उचित क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया।
वहीं क्लस्टरवार संचालित सभी योजनाओं के बारे में मासिक प्रगति की समीक्षा की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। बैठक में उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को बेहतर प्रबंधन के साथ पेयजलापूर्ति हेतु आवश्यक निर्देश दिया। वहीं बैठक में उप विकास आयुक्त ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण को लेकर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज २ अंतर्गत ओडीएफ प्लस व अन्य कार्यों की जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पूरी पारदर्शिता में गुणवत्ता पूर्वक अपने कार्यों का निर्वहन करें।

चौक-चौराहों पर करें अलाव की व्यवस्था

बोकारो (ससे): उपायुक्त विजया जाधव ने शुक्रवार को नगर निगम चास, नगर परिषद फुसरो क्षेत्र के सभी वार्डों एवं सभी अंचलों के प्रमुख चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। ताकि बढ़ती ठंड एवं शीतलहरी से लोगों को राहत मिल सके। जिले में बढ़ती ठंड एवं शीतलहरी को देखते हुए उपायुक्त ने वीडियो संवाद के माध्यम से नगर निगम चास के अपर नगर आयुक्त,नगर परिषद फुसरो के कार्यपालक पदाधिकारी एवं सभी अंचलों के अंचलाधिकारी को उनके संबंधित क्षेत्र के प्रमुख चौक - चौराहों एवं सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था करने को लेकर निर्देश दिया है।
उन्होंने बीडीओ/सीओ को क्षेत्र भ्रमण के दौरान वाहनों में कंबल रखने और जरूरदमंदों के बीच कंबल वितरण* को कहा। साथ ही, प्रखंड व शहर स्थित रैन बसेरों का निरीक्षण करते हुए व्यवस्था को दुरूस्त करने को कहा है। वहीं, उपायुक्त ने आमजनों से अपील किया है कि वह ठंड में बच कर रहें। अनावश्यक घरों से न निकले, खुले आसमान के नीचे नहीं रहें। आने वाले कुछ दिनों में ठंड का प्रकोप और बढ़ेगा इसलिए जरूरी एतिहात बरतें।

उपायुक्त ने जागरूकता रथ को किया रवाना

गिरिडीह (ससे): राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को उपायुक्त, गिरिडीह श्री नमन प्रियेश लकड़ा ने समाहरणालय भवन परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को सड़क सुरक्षा को लेकर विभिन्न माध्यमों से जागरूक करने का कार्य करेगा। आगे उपायुक्त ने कहा कि गुड सेमेरिटन के संबंध में व्यापक प्रचार प्रसार कर आम लोगों को जागरूक करने का कार्य किया जायेगा। गुड सेमेरिटन का परिचय देने वाले व्यक्तियों को सरकार की योजना से लाभान्वित किया जायेगा। साथ ही जिले में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कराने का निदेश दिया गया है, ताकि सड़क दुर्घटना के गोल्डन पिरियड के भीतर अस्पताल पहुंचाकर उसकी मदद करने वाले व्यक्ति को बिना पुछताछ किये पुरस्कृत किया जा सके।

मौके पर मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त, श्री नमन प्रियेश लकड़ा ने कहा कि इस रथ के माध्यम से सड़क सुरक्षा एवं मोटर वाहन अधिनियम के बारे में प्रचार-प्रसार किया जाएगा। लोगों को ट्रैफिक के नियमों से से अवगत कराने, हेलमेट पहनने के फायदे, कार चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करने, वाहन चलाते समय नशा नहीं करने, वाहन चलाते वक्त मोबाइल फोन व दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग नहीं करने, वाहन निर्धारित गति सीमा में चलाने, वाहनों को ओवरटेक नहीं करने के अलावा अन्य कई जानकारी लोगों को दी जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा जागरूकता अभियान तो चलाया जा रहा है। लेकिन लोगो को भी जारूक होने की जरूरत है। इस जागरूकता रथ के माध्यम से लोगो में जागरूकता पैदा हो, और लोग पूरे सुरक्षा के साथ गाड़ी चलाए।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी समेत कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

लगातार किसानों की उपेक्षा कर रही है भाजपा सरकार : अखिलेश

लखनऊ (ईएमएस): समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार लगातार किसानों की उपेक्षा कर रही है। मंडियों का काम पूरा नहीं करने दिया गया।
किसानों से जुड़ी योजनाओं को बजट नहीं दिया। उन्होंने कहा कि सपा सरकार एक्सप्रेस-वे के किनारे मंडियों का निर्माण करा रही थी, इससे किसानों को उनकी फसल की उपज की अच्छी कीमत मिलती, लेकिन भाजपा सरकार ने द्वेषभावना के कारण काम पूरा नहीं होने दिया। कन्नौज के ठठिया में आलू मंडी का काम हो या कन्नौज के काऊ मिल्क प्लांट का कार्य सभी में

भाजपा ने रोड़ा अटकाया।

अखिलेश ने कहा कि सपा ने बड़ी सोच के साथ काऊ मिल्क प्लांट लगवाया था, लेकिन प्लांट को न खोलकर भाजपा ने अपनी नकारात्मक राजनीति का जीता जगाता प्रमाण दिया। काऊ मिल्क प्लांट का कार्य पूरा होने से हजारों दुग्ध किसानों को लाभ मिलता और लाखों बच्चों को सही पोषण दिया जाता। गौवंश का सम्मान हम

ारी समाजवादी सरकार में हुआ। भाजपा सरकार में गौवंश की दुर्दशा हो रही है। सरकारी गौशालाओं में गायों को चारापानी तक नहीं मिल रहा है। ठंड में गायें मर रही हैं। उन्होंने कहाकि भाजपा सरकार में गेंहू, धान सहित आलू, गन्ना सभी फसलों के किसान उपेक्षा के शिकार है। उद्योगपतियों और धन्ना सेठो की पोषक भाजपा सरकार को किसानों का दर्द दिखाई और सुनाई नहीं देता है।

अखिलेश ने कहा, प्रदेश में पिछले दिनों गेंहू, चना, सरसों किसानों को डीएपी खाद की भारी कमी का सामना करना पड़ा।

हाईकोर्ट ने एफआईआर रद्द करने से किया इनकार

प्रयागराज,(ईएमएस): संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर रहमान बर्क को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने झटका दिया है। हाईकोर्ट ने सांसद के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि एफआईआर रद्द नहीं होगी जांच जारी रहेगी। हाईकोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया कि सांसद बर्क की गिरफ्तारी नहीं की जाए। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने आदेश पर अमल करने को कहा है। हाई कोर्ट ने कहा है कि जिन धाराओं में सांसद बर्क के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उनमें सात साल से कम की सजा होती है। इस मामले में पुलिस सांसद को नोटिस जारी करेगी। पुलिस नोटिस जारी करके बर्क को पूछताछ के लिए बुला सकती है। सांसद को जांच में सहयोग करना होगा। सपा सांसद ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में एफआईआर को चुनौती दी थी और इसे रद्द करने की गुहार लगाई थी।

जिला स्तरीय रबी कार्यशाला का आयोजन

बोकारो (ससे): उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार शुक्रवार को जिला कृषि कार्यालय सभागार में जिला स्तरीय रबी सह शून्य बजट प्राकृतिक खेती पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। उपस्थित जिला परिषद अध्यक्षा सुनीता देवी एवं जिला परिषद सदस्य उत्तम दास द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। उपस्थित प्रगतिनिधियों एवं अधिकारियों का स्वागत जिला कृषि पदाधिकारी मो. शाहिद द्वारा किया गया ।

मौके पर जिला परिषद अध्यक्षा ने अपने संबोधन में अधिक-से-अधिक किसानों को सरकार की योजनाओं से जोड़ने की बात कहीं। सभी किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का लाभ देने हेतु मिट्टी नमूना संग्रह करने पर जोर देने को कहा। साथ ही, साथ ही धान अधिप्राप्ति योजना अन्तर्गत १५००० नये किसानों का निबंधन ई-उर्पाजन पोर्टल पर कराने पर बल दिया।

इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं किसान समृद्धि योजना, मिट्टी नमूना संग्रह, बिरसा फसल विस्तार योजना, बीज विनिमय एवं वितरण योजना, झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, पी० एम० किसान योजना, लीफ कलर चार्ट योजना, बीज परीक्षण आदि* के संबंध में किसानों को विस्तार से जानकारी दी।

कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ.अनिल कुमार सिंह द्वारा पावर प्वांइट प्रजेंटेशन के द्वारा शून्य बजट प्राकृतिक खेती के संबंध में किसानों को अवगत कराया गया ।

इस कार्यशाला में जिला उद्यान पदाधिकारी अमर लकडा, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी बेरमो निशा कुल्लू, कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ. अनिल सिंह, नमामी गंगे के परियोजना पदाधिकारी प्रीतम कुमार, उप परियोजना निदेशक आत्मा मोतीलाल रजक, सभी प्रखंडों के एटीएम/बीटीएम, जनसेवक, पैक्स अध्यक्ष सहित अन्य उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा नियमों का करें अनुपालन : डीडीसी

बोकारो (ससे): परिवहन विभाग द्वारा ०१-३१ जनवरी तक सड़क - सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इसी के तहत शुक्रवार को समाहरणालय परिसर से उप विकास आयुक्त (डीडीसी) गिरजा शंकर प्रसाद, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, डीसीएलआर चास प्रभाष दत्ता, ट्रैफिक डीएसपी विद्यासागर ने सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए एलईडी जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस दौरान उप विकास आयुक्त (डीडीसी) ने कहा कि यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों में भ्रमण कर सड़क सुरक्षा के आयामों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगा तथा इसमें लोगों को यातायात नियमों - सड़क सुरक्षा के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की जाएगी।

उन्होंने आमजनों से अपील किया कि वह मोटर साइकिल का परिचालन हेलमेट पहनकर निर्धारित गतिसीमा में करें, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें। वाहन चालक अपने और अपने परिवार के लिए सड़क सुरक्षा नियमों का अनुपालन करें।

उप विकास आयुक्त ने परिवहन विभाग को अन्य विभागों से समन्य स्थापित कर सड़कों पर चलने वाले वाहन चालकों/आम राहगीरों को भी सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी देकर उन्हें जागरूक करने, ट्रैफिक पुलिस, शिक्षा विभाग, स्वास्थ विभाग, विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए लोगों को प्रेरित करने को कहा, ताकि सड़क दुर्घटनाओं से बचाव हो सके।

मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि विभाग के निर्देशानुसार ०१ से ३१ जनवरी तक जिले में सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इस दौरान प्रतिदिन विभिन्न गतिविधि का आयोजन करते हुए आमजनों/वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। इस अवसर पर सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा श्री पीयूष, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सड़क सुरक्षा टीम के सदस्य आदि उपस्थित थे।

बीपीएससी छात्रों के समर्थन में उतरे वाम दल

पटना (एजेंसी): बिहार में बीपीएससी की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर छात्र पिछले कई दिनों से प्रदर्शनरत हैं. शुक्रवार को छात्रों के प्रदर्शन में कांग्रेस और वामपंथी दलों के विधायकों ने भी हिस्सा लेकर सरकार से छात्रों के लिए इंसाफ की मांग की. कांग्रेस विधायक शकील अहमद खान ने बिहार सरकार से छात्रों के साथ इंसाफ करने की मांग करते हुए कहा कि सड़क , जलसा, जुलूस, बातचीत के जरिए बच्चों को इंसाफ दिलाएंगे. सीपीएम विधायक सत्येंद्र यादव ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि कि पेपर लीक करके ही उनके बच्चों को सरकारी नौकरी दिलाने का एक जरिया बन चुका है. इसलिए सरकार इस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है.

कांग्रेस विधायक शकील अहमद खान ने कहा, एक बार नहीं, सैकड़ों बार यहां आना होगा तो हम यहां आएंगे. बिहार सरकार से हमें इंसाफ की कोई उम्मीद नहीं है. तो विपक्ष के पास क्या बचता है सड़क , जलसा, जुलूस, बातचीत, सेमीनार. यह सारे विकल्प हम अपनाएंगे. सिर्फ पटना ही नहीं आंदोलन को हम पूरे बिहार में लेकर जाएंगे. हम बिहार के हर जिले में जाएंगे. सरकार को झुकना होगा. सरकार को बच्चों के इंसाफ की बात करनी पड़ेगी. हमने इंसाफ की बात की है. हम यह बात करते रहेंगे. नीतीश कुमार को झुकना होगा. बच्चों की बातें न्याय संगत बातें हैं. हम यह छात्रों को इंसाफ दिलाने के लिए कर रहे हैं. हम चाहते हैं एक परीक्षा हो और एक रिजल्ट हो. दो परीक्षा और दो रिजल्ट सरकार कैसे कर सकती है. बिहार सरकार में बैठी भारतीय जनता पार्टी और जेडीयू को यह जवाब देना होगा.

सीपीएम विधायक सत्येंद्र यादव ने कहा, बीपीएससी परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर छात्र संगठन और एनएसयूआई के द्वारा मुख्यमंत्री आवास की तरफ आज मार्च किया गया है, उसके समर्थन में वामपंथी और कांग्रेस विधायक भी खड़े हैं. हम लगातार यह कह रहे हैं कि नॉर्मलाइजेशन और पेपर लीक के जरिए बिहार सरकार के जेडीयू और भाजपा के मंत्री और उनके अधिकारी अपने बच्चों के लिए सेटिंग कर रहे हैं. वे नहीं चाहते कि परीक्षा रद्द हो या कि पेपर लीक होना बंद हो, क्योंकि पेपर लीक करके ही उनके बच्चों को सरकारी नौकरी दिलाने का एक जरिया बन चुका है. बीपीएससी की नौकरी में लूट का प्रयास किया जा रहा है. वामपंथी संगठन चुप रहने वाले नहीं हैं, आज सड़कों पर उतर कर चेतावनी दे रहे हैं. नीतीश कुमार को अपने मंत्रियों और अधिकारियों पर लगाम लगानी होगी, वरना बिहार में छात्र आंदोलन फिर से उठ खड़ा होगा. अगर इस आंदोलन का समाधान नहीं किया गया तो यह आपके सरकार के लिए आखिरी दिन साबित हो सकता है. जब तक वामपंथी छात्र संगठन, वामपंथी दल और कांग्रेस सड़कों पर उतर कर विरोध करती रहेगी.

बता दें कि बीपीएससी ७०वीं पीटी परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर शुक्रवार को लेफ्ट से जुड़े छात्र संगठनों ने कारगिल चौक से एक मार्च निकाला, जिसका उद्देश्य मुख्यमंत्री आवास तक पहुंचना था. ये प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री आवास का घेराव करना चाहते थे. वहीं, जेपी गोलंबर पर पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग को गिरा कर आगे बढ़ने की कोशिश की. इसके बाद, डाकबंगला चौराहे पर एक और बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोका गया. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सीएम आवास घेर लो के नारे लगाए.

ठंड से हल्कान, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

पटना (ईएमएस): बिहार के लोगों के लिए यह ठंड का मौसम एक अजीब सा रहस्य बन गया है। जनवरी की शुरुआत से ही ठंड का दावा करने वाले सूर्यदेव ने लोगों को थोड़ा बेवजह सताया। पटना समेत कई जिलों में एक जनवरी को सूर्य के दर्शन करने का मौका ही नहीं मिला। दो जनवरी को भी दिन भर में धुंध छाई रही। मगर दोपहर को सूर्यदेव की वजह से पारा थोड़ा चढ़ गया। लेकिन शाम के समय मौसम विभाग ने फिर से लोगों को आग की भांति जलाया। मौसम विभाग ने शुक्रवार को बड़ा अलर्ट जारी किया।

पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने घने कोहरे की चेतावनी दी और कई जिलों में घने कोहरे और कुहासे की सूचना दी। अब मौसम विभाग की दी गई सूचनाओं के अनुसार न्यूनतम तापमान में अगले तीन दिनों में इजाफा हो सकता है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में तापमान १४ से २० डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान ०६ से १२ डिग्री सेल्सियस के आसपास हो सकता है। इन संकेतों का ख्याल रखते हुए लोगों को अपनी योजनाएं बनानी चाहिए और सावधानी बरतनी चाहिए।

प्रशांत किशोर का गांधी मैदान में प्रदर्शन अवैध है : एसडीएम

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में गांधी मूर्ति के नीचे जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में आमरण अनशन पर बैठे हैं. अभ्यर्थियों के साथ गांधी मैदान में पीके रात बिताई. इस दौरान उन्होंने कहा कि बीपीएससी के अभ्यर्थी चाहते है पूरी परीक्षा रद्द हो. इस बीच पटना के एसडीएम गौरव कुमार ने गांधी मैदान में प्रशांत किशोर की भूख हड़ताल को अवैध बताया है.

उन्होंने ने जन सुराज पार्टी प्रमुख प्रशांत किशोर के धरने पर कहा कि पटना हाई कोर्ट की तरफ से निर्धारित किया गया है कि पटना में केवल गर्दनीबाग ही एक धरना स्थल चिह्नित किया गया है. उसके अलावा कहीं और प्रदर्शन करना अवैध मानना जाता है. इसलिए गांधी प्रतिमा के पास जो धरना दिया जा रहा है ये अवैध है...उन्हें नोटिस दिया गया है कि जो भी धरना प्रदर्शन करना है वो अवैध तरीके से किया जाए... उन्हें समय दिया जाएगा और उसके बाद विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी.

पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने भी प्रशांत किशोर के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है. उन्होंने केस दर्ज करने साथ-साथ धरना हटाने का आदेश दिया है. पटना के डीएम ने धरने को गैरकानूनी बताया है. बता दें कि प्रशांत किशोर पांच मांग लेकर धरने पर बैठे हैं. जिसमें ७०वीं बीपीएससी में हुई अनियमितता और भ्रष्टाचार की उच्च स्तरीय जांच हो और पुनः परीक्षा कराई जाए. साल २०१५ में सात निश्चय के तहत किए गए वादे के अनुसार १८ से ३५ साल के हर बेरोजगार युवा को बेरोजगारी भत्ता दिया जाए. पिछले १० वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई अनियमितता और पेपर लीक की जांच और दोषियों पर की गई कार्रवाई का श्वेत पत्र जारी किया जाए. लोकतंत्र की जननी बिहार को लाठी तंत्र बनाने वाले दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए. बिहार की सरकारी नौकरी में बिहार के युवाओं को कम से कम दो तिहाई हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए डोमेसाइल नीति लागू की जाए.

लालू प्रसाद यादव बड़े दिलवाले नेता हैं : मृत्युंजय तिवारी

पटना (एजेंसी): राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, बिहार की जनता ने साल २०२५ में नीतीश को कुर्सी से हटाने का मन बना लिया है.आरजेडी प्रवक्ता शुक्रवार को लालू प्रसाद यादव द्वारा नीतीश कुमार को इंडिया ब्लॉक में आने के खुला ऑफर पर प्रतिक्रिया दे रहे थे.

उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव बड़े दिलवाले नेता हैं, उनके यहां सभी के लिए दरवाजे खुले रहते हैं. मीडिया बार-बार उनसे एक ही सवाल पूछ रही थी, इसलिए उन्होंने बोल दिया. लेकिन, बिहार की जनता ने इस बार मन बना लिया है कि साल २०२५ में इंडिया ब्लॉक गठबंधन व तेजस्वी यादव की सरकार बनानी है. वर्तमान में चल रही एनडीए व नीतीश कुमार की सरकार को हटाना है. आरजेडी प्रवक्ता ने कहा, नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव का संबंध बड़े-भाई छोटे भाई जैसा है. दोनों पुराने मित्र रहे हैं, इन दोनों के बीच में कोई तीसरा नहीं पड़ेगा.

लालू प्रसाद कभी किसी के लिए दरवाजा बंद नहीं करते हैं. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में कहा था कि नीतीश कुमार के लिए सदा के लिए दरवाजे बंद हो गए हैं. जब सत्ता में आना था तो नीतीश के लिए बंद दरवाजे खोल दिए गए. भाजपा वाली चीजें आरजेडी में नहीं है. आरजेडी बिहार को प्रगति के पथ पर ले जाने का कार्य करेगी. बिहार की जनता ने मन बना लिया है कि इस बार के विधानसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक की सरकार बनेगी. तेजस्वी के नेतृत्व में बिहार तेजी से विकास करेगा.

बीपीएससी छात्रों के प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर और पप्पू यादव को छात्रों के भविष्य की चिंता नहीं है. वह बस छात्रों के प्रदर्शन का प्रयोग कर राजनीतिक रोटियां सेंक रहे हैं. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सबसे पहले छात्रों का समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखा. उन्होंने सुनिश्चित किया कि छात्रों को न्याय दिलाया जाए. छात्रों को भी पता है कि कौन उनके साथ है और कौन उनका इस्तेमाल कर रहा है.

पूर्व मध्य रेल

ई. निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई. निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई.निविदा सं० इ.सी.आर.–सी.ए.ओ.–सी/एस/ई.टी. इ.एन.–एच.जेड.एम.इ.–01, कार्य का नाम : ईसीआर के धनबाद डिवीजन के तहत डाउन ट्रेन के लिए गोमों फ्लाई ओवर के निर्माण के संबंध में गोमो से मतारी आर.आर.आर और सतह लाइन और गोमों से तेलो स्टेशन आर.ओ.आर लाइन के बीच रेलवे के विनिर्दश और मानक के अनुसार पत्थर गिट्टी की आपूर्ति, स्टैकिंग और प्रसार तथा अन्य संबंधित कार्य। अंकलित मूल्य (रू०) : 289561800.00, बोली प्रतिभूति (रू०) : 1597900.00, कार्य पूर्ण करने की अवधि : 08 (आठ) महिना।

ई.निविदा सं० इ.सी.आर.–सी.ए.ओ.–सी/एस/ई.टी. इ.एन.–एच.जेड.एम.इ.–02, कार्य का नाम : ईसीआर के धनबाद डिवीजन के तहत डाउन ट्रेन के लिए गोमों फ्लाई ओवर के निर्माण के संबंध में गोमो से मतारी आर.आर.आर और सतह लाइन और गोमों से तेलो स्टेशन आर.ओ.आर लाइन के बीच रेलवे के विनिर्दश और मानक के अनुसार पी.वे. लिंकिंग, पी.वे. सामग्री जैसे रेल, स्लीपर, फिटिंग इत्यादि के परिवहन तथा अन्य संबंधित कार्य। अंकलित मूल्य (रू०) : 92875073.54, बोली प्रतिभूति (रू०) : 614400.00, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 08 (आठ) महिना।

उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण/2, हजारीबाग

पीआर/1840/सीडीएचएन/इंजी./टी/24–25/36

आईआईटी-बीएचयू में छात्रा से गैंगरेप केस में पेशी टली

वाराणसी (ईएमएस): वाराणसी के आईआईटी-बीएचयू में छात्रा से गैंगरेप केस में पीड़िता की शुक्रवार को पहली वर्चुअल पेशी टल गई। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जज ने पीड़िता को बयान पर जिरह के लिए तलब किया था लेकिन पीड़िता नहीं पहुंची। उसके वकील ने पीड़िता के बंगलुरू में होने की बात कहते हुए हाजिरी माफी मांग ली। बताया गया कि पीड़िता ३१ जनवरी के बाद ही बनारस लौटेगी। वहीं, आरोपियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, प्रयागराज हाईकोर्ट से आदेश को निरस्त करने की अपील की है। बता दें कि हाईकोर्ट से तीनों आरोपियों को जमानत मिलने के बाद डरी-सहमी पीड़िता की याचिका पर कोर्ट ने उस असुरक्षित साक्षी माना है।

मुसलमानों का कराया जाएगा धर्म परिवर्तन : मौलाना शहाबुद्दीन

बरेली (ईएमएस) : प्रयागराज में होने जा रहे महाकुंभ मेले में सैकड़ों मुसलमानों का धर्म परिवर्तन कराया जाएगा। यह दावा मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने एक वीडियो बयान जारी कर किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर इस कार्यक्रम पर रोक लगाने की मांग की है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने शुक्रवार को एक वीडियो बयान जारी किया। इसमें उन्होंने दावा किया कि प्रयागराज के महाकुंभ मेले में सैकड़ों मुसलमानों का धर्म परिवर्तन कराया जाने की योजना है। मौलाना ने कहा कि सूत्रों से पता चला है कि साधु-संत मिलकर इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। मौलाना ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर महाकुंभ मेले में ऐसे कार्यक्रम पर रोक लगाने की अपील की है। शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने धर्मांतरण के खिलाफ कानून पारित किया है।

चुनाव में जनता को लॉलीपॉप देकर बहका दिया जाता है : माजिद मेमन

मुंबई (एजेंसी): बिहार में सियासी चहलपहल है. कयासबाजी जोरों पर है. हर बयान के मायने निकाले जा रहे हैं. हर मूवमेंट कैमरे में कैच किया जा रहा है और उसके निहितार्थ तलाशे जा रहे हैं. इस बीच मुंबई से नीतीश कुमार के लिए ऐसा बयान आया है, जिससे जेडीयू को मिर्ची लग सकती है और उसके नेता लाल पीले हो सकते हैं. दरअसल, एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेता माजिद मेमन ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, नीतीश कुमार पर भरोसा नहीं कर सकते हैं, क्योंकि वो बार-बार रंग बदलते हैं.

माजिद मेमन ने कहा, अगर नीतीश कुमार एनडीए का दामन छोड़ इंडिया ब्लॉक में आते हैं तो उनका स्वागत होगा. इंडिया ब्लॉक में उनकी जरूरत है. नीतीश कुमार-चंद्रबाबू नायडू की वजह से केंद्र में मोदी सरकार चल रही है. अगर दोनों कदम पीछे कर लेते हैं तो मोदी जी बाहर हो जाएंगे.

उन्होंने आगे कहा, मैं समझता हूं कि गठबंधन में किसी के शामिल होने की बात होती है तो उसका स्वागत किया जाता है।. हालांकि, उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि वह बार-बार रंग बदलते हैं. बिहार की अपनी राजनीति है अगर नीतीश आना चाहते हैं तो लालू प्रसाद को देखना होगा कि वह किन शर्तों पर उन्हें लेते हैं. इंडिया ब्लॉक में उन्हें क्या बनाया जाएगा. यह फैसले हम लोग नहीं लेते हैं.

माजिद मेमन की प्रतिक्रिया तब आई है, जब हाल ही में आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने नीतीश कुमार को इंडिया ब्लॉक में आने के लिए 'खुला ऑफर' दिया था. पीएम मोदी द्वारा अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर भेजे जाने पर माजिद मेमन ने कहा, चादर चढ़ाने से सबका साथ सबका विकास की बात पूरी नहीं होती है. अगर सबका साथ सबका विकास की बात को पूरा करना है तो मुसलमानों को तवज्जो दें.

दिल्ली में पीएम मोदी की ४५०० करोड़ की योजना पर मेमन ने कहा, जब भी चुनाव आते हैं, जनता को लॉलीपॉप देकर बहका दिया जाता है. यह हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की खामी है कि निष्पक्ष चुनाव नहीं होते हैं. कई लोगों के नाम काट दिए जाते हैं कई लोगों के नाम जोड़ दिए जाते हैं.

उन्होंने कहा, दिल्ली के चुनाव के वक्त अगर सरकार कुछ करती है तो हमें उसे नजरअंदाज कर देना चाहिए. यह एक मकसद के तहत किया जा रहा है कि जिससे जनता का वोट मिल जाए. दिल्ली के चुनाव को लेकर भाजपा का पहला एजेंडा यही है कि हिंदुत्व को प्रमोट किया जाए.

जम्मू-कश्मीर में धारा ३७० के हटने से ७० फीसदी आतंकवाद खत्म हुआ, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के इस बयान पर मेमन ने कहा कि अगर अमित शाह को लगता है कि धारा ३७० हटाने से वहां पर सब कुछ ठीक हो गया है तो भाजपा वहां पर चुनाव क्यों हार गई? मुझे लगता है कि आतंकवाद को लेकर वहां के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला सही जानकारी दे सकते हैं.

400 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ ट्रक ड्राइवर गिरफ्तार

दानापुर (एजेंसी): बिहार में जारी शराबबंदी के बीच पटना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. पटना के रूपसपुर में पटना पुलिस और मद्य निषेध की टीम ने ट्रक पर लदे एक ट्रक अंग्रेजी शराब की खेप को पकड़ा है. यह शराब दूसरे प्रदेश से आलू की आड मे लाया गया था. साथ ही पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है. पकड़े गए शराब को बिहार के मुजफ्फरपुर में डिलीवरी की जानी थी. जिसकी सूचना मद्य निषेध विभाग की टीम को लगी. मद्य निषेध विभाग ने त्वरित इसकी सूचना रूपसपुर पुलिस को दी.

इसी सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से सब्जी की आड़ में छुपाए गए अंग्रेजी शराब की खेप को जब्त किया. साथ ही पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है. ट्रक को जब्त करते हुए यह पता लगा रही है कि शराब कहां से लाया गया था और इसकी खपत कहां की जानी थी और इसके पीछे कौन लोग थे. इस पूरे मामले में दानापुर -डज्ञ भानुप्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक ट्रक से शराब की तस्करी की जा रही है. पुलिस इसी सूचना पर मौके वारदात पर पहुंच कर ट्रक पकड़ा है. जिसमे लगभग चार सौ तीस लीटर के करीब अंग्रेजी शराब को बरामद किया गया है.

अंग्रेजी शराब की बोतल की गिनती की जा रही है. यह शराब दूसरे प्रदेश से बिहार में लाई गई थी. शराब कारोबारी आलू की आड़ में शराब लाए थे. जिसको मुजफ्फरपुर ले जाना था. इस कार्रवाई में ट्रक चालक को गिरफ्तार किया गया है. फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है और शराब कारोबारी तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है कि आखिर यह शराब किस के द्वारा भेजी गई थी और कहां ले जाया जा रहा था.

जिला स्वास्थ्य समिति जामताड़ा

अल्पकालीन निविदा, प्रस्ताव के लिए अनुरोध

जिला अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत राज्य मुख्यालय परिगमन, क्षेत्र भ्रमण एवं अन्य प्रयोजन हेतु किराये की वाहन आपूर्ति हेतु संबंधित, एजेंसी अथवा आपूर्तिकर्ताओं से 2 बिड सिस्टम में दिनांक 24.01.2025 के अपराहन् 2 बजे तक सिविल सर्जन सह सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति, जामताड़ा द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है।

Fact Sheet

Sl. No.	Particular	Details
a.	Name of the work	जिला स्वास्थ्य समिति, जामताड़ा अधीन राज्य मुख्यालय परिगमन, क्षेत्र भ्रमण एवं अन्य प्रयोजन हेतु किराये की वाहन की आपूर्ति
b.	Availability of RFP document at	www.Jamtara.nic.in
c.	Date of issue of RFP	03/01/2025
d.	Last Date for submission of proposal	24/01/2025 , 2.00 PM
e.	Date of opening of Technical Proposal	24/01/2025, 4.00 PM
f.	Date of opening of Financial Proposal	AFTER FINALIZING TECHNICAL PROPOSAL
g.	Time allowed for completion	15 days from the date of the work order.
h.	Earnest money deposit (EMD) (Refundable)	INR 10,000/- (Rupees Ten Thousand Only) in the form of a Demand Draft drawn in favour of "District Rural Health Society, RCH Flexipool"drawing any Scheduled Bank payable at Jamtara. The bid EMD fee shall be submitted in 1st inner Envelope of the Technical Proposal in Original.
i.	Tender Document Fee (Non – Refundable)	Rs. 1000/- (Rupees One Thousand Only)) in the form of a Demand Draft drawn in favour of "District Rural Health Society, RCH Flexipool"drawing any Scheduled Bank payable at Jamtara.
j.	Address at which the tenders are to be submitted:	Office of the Civil Surgeon-Cum- Secretary, DHS Jamtara, Jharkhand.

वित्तीय शर्तें:
मुल्य सूची विहित प्रपत्र अंकित दर (कर सहित) देना अनिवार्य होगा। प्रस्तावित दर सु–स्पष्ट अक्षरों में अंकित किया जाना है, किसी प्रकार का Overwriting अथवा Whitener का प्रयोग निशेध होगा।

अन्य शर्तें:
01. यह निविदा दिनांक 24.01.2025 के अपराह्न 4:00 बजे क्रय समिति के समक्ष खोला जायेगा।
02. आमंत्रित निविदा निर्धारित तिथि तक सिविल सर्जन सह सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति, जामताड़ा के नाम से पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट/कूरियर से भेजा जा सकता है।
03. इस आमंत्रण की स्वीकृति/अस्वीकृति करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित होगा।
04. किसी प्रकार की विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र जामताड़ा न्यायालय होगा।

विश्वासभाजन, ह0/–
सिविल सर्जन सह सचिव,
जिला स्वास्थ्य समिति, जामताड़ा

PR 343456 Health Med Edu and Family Welfare(24-25)#D

उपायुक्त का कार्यालय (जिला समाज कल्याण शाखा), धनबाद

धनबाद जिलान्तर्गत बाल विकास परियोजना कार्यालय के मिनी आँगनबाड़ी केन्द्रों में सहायिका चयन हेतु आमसभा संबंधित रोस्टर की सूची

क्र0	परियोजना का नाम	आँगनबाड़ी केन्द्र का नाम	पंचायत /वार्ड का नाम	पद का नाम	दिनांक	समय	स्थल
1	बलियापुर	बलियापुर रजवार टोला	बलियापुर(पूर्वी)	सहायिका	08.01.2025	10.30 am	आँगनबाड़ी केन्द्र
2	बलियापुर	दुधिया रजवार टोला	दुधिया	सहायिका	08.01.2025	1.30 pm	आँगनबाड़ी केन्द्र
3	बलियापुर	नियामतपुर आदिवासी टोला	दुधिया	सहायिका	10.01.2025	10.30 am	आँगनबाड़ी केन्द्र
4	बलियापुर	दरदाहा मांगुरडीह	दोलाबड़	सहायिका	10.01.2025	1.30 pm	आँगनबाड़ी केन्द्र
5	बलियापुर	प्रेमनगर	बड़ादाहा	सहायिका	22.01.2025	10.30 am	सामुदायिक भवन
6	बलियापुर	पटेलनगर बाउरी बस्ती	वॉड न0:–55	सहायिका	22.01.2025	1.30 pm	इंदिरा नगर,IM Park बस्ती
7	बलियापुर	सुरूंगा कालिंदी टोला	सुरूंगा	सहायिका	24.01.2025	10.30 am	आँगनबाड़ी केन्द्र
8	बलियापुर	आड़ीडी खड़ाम	सुरूंगा	सहायिका	24.01.2025	1.30 pm	प्रा0वि0,सुरूंगा
9	बलियापुर	बाघमारा ग्वाला टोला	बाघमारा	सहायिका	29.01.2025	10.30 am	नया प्रा0वि0,अंसारी बस्ती
10	बलियापुर	बेलघड्डू	विरसिंहपुर	सहायिका	29.01.2025	1.30 pm	आँगनबाड़ी केन्द्र
11	बलियापुर	आसनबनी	विरसिंहपुर	सहायिका	31.01.2025	10.30 am	आँगनबाड़ी केन्द्र
12	बलियापुर	कालाझोर	घड़बड़	सहायिका	31.01.2025	1.30 pm	आँगनबाड़ी केन्द्र
13	झरिया	लिबर्ट्री कोलयरी	34	सहायिका	11.01.2025	10.30 am	हनुमान मंदिर चबुतरा के पास, लिबर्ट्री कोलियरी
14	झरिया	भाटडीह	49	सहायिका	11.01.2025	1.30 pm	हनुमान मंदिर परिसर, भाटडीह
15	बाघमारा	लेढीडुमर हरिजन टोला	बेहराकुदर	सहायिका	10/01/2025	11.00 AM	आँगनबाड़ी केन्द्र
16	बाघमारा	बेहराकुदर भुइयाँ धौडा	बेहराकुदर	सहायिका	10/01/2025	01.00 PM	आँगनबाड़ी केन्द्र
17	बाघमारा	मैराकुल्ही 2	राजगंज	सहायिका	20/01/2025	11.00 AM	आँगनबाड़ी केन्द्र
18	बाघमारा	आदिवासी टोला 2	बागदाहा	सहायिका	20/01/2025	01.00 PM	आँगनबाड़ी केन्द्र
19	बाघमारा	तेलमोचो अंसारी टोला	तेलमोचो	सहायिका	22/01/2025	11.00 AM	आँगनबाड़ी केन्द्र
20	बाघमारा	काण्ड्रा मुस्लिम टोला	काण्ड्रा	सहायिका	22/01/2025	01.00 PM	आँगनबाड़ी केन्द्र
21	बाघमारा	छाताबाद 4 न0	वार्ड 02	सहायिका	24/01/2025	11.00 AM	आँगनबाड़ी केन्द्र
22	बाघमारा	आगाडीह तेतुलिया	जमुआ	सहायिका	24/01/2025	01.00 PM	आँगनबाड़ी केन्द्र
23	बाघमारा	छत्रुटॉड डोम पाडा	छत्रुटॉड	सहायिका	27/01/2025	11.00 AM	आँगनबाड़ी केन्द्र
24	बाघमारा	महुदा 18 न0 पावर हाउस	महुदा	सहायिका	27/01/2025	01.00 PM	आँगनबाड़ी केन्द्र
25	बाघमारा	कतरास झरलाही	वार्ड 01	सहायिका	29/01/2025	11.00 AM	आँगनबाड़ी केन्द्र
26	बाघमारा	कलाली फाटक कतरास	वार्ड 03	सहायिका	29/01/2025	01.00 PM	आँगनबाड़ी केन्द्र
27	बाघमारा	गुहीबॉध पुरब	वार्ड 03	सहायिका	30/01/2025	11.00 AM	आँगनबाड़ी केन्द्र
28	बाघमारा	रामपुजन नगर	वार्ड 03	सहायिका	30/01/2025	01.00 PM	आँगनबाड़ी केन्द्र

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, धनबाद

PR 343515 Social Welfare,Women and Child Development(24-25)#D

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)/पूर्व मध्य रेल/धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

ई–निविदा सं.: C-710-RCGT-B-GCT

क्र. सं.: 1, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि: रिचुघुटा-B (RCGT) स्टेशन पर गति शक्ति मल्टी–मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) का पूरी तरह से रेलवे भूमि पर पैंतीस वर्ष (35 वर्ष) अर्थात 420 महीने की अवधि के लिए विकास , क्र. स.: 2, रिचुघुटा स्टेशन पर गति शक्ति मल्टी–मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) के विकास का लगभग लागत : रू० 29,34,81,249/–, क्र. सं.: 3, ब्याने की राशि: रू० 2,93,48,200/–, क्र. सं.: 4, निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख तथा समय: ई–निविदा बंद होने की तारीख 23.01.2025 को 15:00 बजे। ई–निविदा खुलने की तारीख 23.01.2025 को 15.30 बजे से, क्र. सं.: 5, वेबसाईट का विवरण: http://www.ireps.gov.in ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

रेल प्रशासन के पास किसी/समस्त प्रपत्र को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)
पूर्व मध्य रेल/धनबाद

पीआर/01834/डीएचएन/सीओएमएल/टी/24–25/36

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)/पूर्व मध्य रेल/धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

ई–निविदा सं.: C-710-RCGT-C-GCT

क्र. सं.: 1, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि: रिचुघुटा-C (RCGT) स्टेशन पर गति शक्ति मल्टी–मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) का पूरी तरह से रेलवे भूमि पर पैंतीस वर्ष (35 वर्ष) अर्थात 420 महीने की अवधि के लिए विकास, क्र. सं.: 2, रिचुघुटा स्टेशन पर गति शक्ति मल्टी–मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) के विकास का लगभग लागत : रू० 34,61,65,775/–, क्र. सं.: 3, ब्याने की राशि: रू० 3,46,16,600/–, क्र. सं.: 4, निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख तथा समय: ई–निविदा बंद होने की तारीख 24.01.2025 को 15:00 बजे। ई–निविदा खुलने की तारीख 24.01.2025 को 15.30 बजे से, क्र. सं.: 5, वेबसाईट का विवरण: http://www.ireps.gov.in ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

रेल प्रशासन के पास किसी/समस्त प्रपत्र को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)
पूर्व मध्य रेल/धनबाद

पीआर/01839/डीएचएन/सीओएमएल/टी/24–25/36

पीएम मोदी के बयान पर केजरीवाल का पलटवार

नई दिल्ली,(ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आम आदमी पार्टी (आप) को दिल्ली की आपदा सरकार कहे जाने के बाद, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता अरविंद केजरीवाल ने पलटवार किया और कहा, कि आपदा दिल्ली में नहीं, भाजपा में आई हुई है। भाजपा के पास न तो मुख्यमंत्री का चेहरा है और न ही कोई एजेंडा।

दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल ने कहा, कि प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में रैली की और ४३ मिनट के भाषण में एक भी काम नहीं गिना पाए। हम दिल्ली में किए गए अपने काम घंटों तक गिना सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा के पास केवल झूठे आरोप और बयानबाजी है, जबकि उनकी पार्टी ने जमीन पर काम किया है।

केजरीवाल ने राजधानी में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था की आपदा है। गैंगस्टर खुलेआम गोलियां चला रहे हैं। व्यापारी डरे हुए हैं और सुरक्षा की मांग कर रहे हैं, लेकिन मोदी और शाह के कानों तक ये आवाजें नहीं पहुंच रही हैं। उन्होंने पीएम से अपील की कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दिल्ली की सुरक्षा पर ध्यान देने के निर्देश दें। केजरीवाल ने कहा, कि सरकारें जोड़ने-तोड़ने की राजनीति से समय निकालकर दिल्ली की जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

मोदी के आपदा वाले बयान पर केजरीवाल ने पलटवार किया और कहा, कि जो काम हमारी सरकार कर रही है, उसे आपदा नहीं, आशीर्वाद कहते हैं। हमने दिल्ली के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और पानी के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम किए हैं। दिल्ली के लोग इसे आपदा नहीं, विकास मानते हैं।

पीएम मोदी ने शुक्रवार को अशोक विहार में रैली के साथ दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के प्रचार की शुरुआत की थी। मोदी ने आप सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए इसे कट्टर बेईमानों की सरकार करार दिया था।

इस प्रकार दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा और आप के बीच जुबानी जंग ने दिल्ली की राजनीति को गरमा दिया है।

फ्लैट में चल रही थी शराब पार्टी, 4 गिरफ्तार

पटना,(ईएमएस): पटना पुलिस ने आपत्तिजनक हालत में २ लड़कों और २ लड़कियों को गिरफ्तार किया है। सभी शराब के नशे में अर्धनग्न हालत में डांस कर रहे थे। पूछताछ के बाद सभी को जेल भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि किदवईपुरी स्थित रघुवंशम अपार्टमेंट के कमरा नंबर ४०२ से अंशु कुमार, अभिषेक कुमार उर्फ बिट्टू, नम्रता सिंह और सबरीना को गिरफ्तार किया है। अंशु कुमार पेशे से इंजीनियर है। इस फ्लैट में ज्ञान टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड का ऑफिस चलता है। चारों इसी ऑफिस में काम करते हैं। बताया जा रहा है कि अंशु काफी रसूख वाला है। इस मामले को दबाने की कोशिश की जा रही थी।

साईंबाबा के चरण में भक्तों ने किया करोड़ों का दान

शिरडी, (ईएमएस): शिरडी के साईं बाबा के भक्त देश-विदेश से उनके दर्शन के लिए आते हैं। पुराने साल को विदाई देने और नए साल के मौके पर लाखों भक्त शिरडी पहुंचे। इन भक्तों द्वारा साईं के चरण में दिल खोलकर दान दिया गया।

साईं संस्थान के अनुसार पिछले ९ दिनों में श्रद्धालुओं ने अलग-अलग तरीके से १६ करोड़ ६१ हजार रुपये का दान दिया है। आपको बता दें कि शिरडी के साईं बाबा के भक्त देश-विदेश में हैं। इस कारण यहां आने वाले भक्तों की संख्या काफी होती है और इन भक्तों द्वारा दान भी किया जाता है।

कुछ भक्त सोने और चांदी के आभूषण चढ़ाते हैं। कुछ भक्त नकद में दान करते हैं। इस बीच नए साल के स्वागत के लिए शिरडी में साईं बाबा के दर्शन करने आए भक्तों ने साईं बाबा को खूब दान दिया है। अभी भी भक्तों की भीड़ है और दान देने का सिलसिला जारी है। साईं संस्थान के अनुसार पिछले ९ दिनों में साईं बाबा के दर्शन करने आए भक्तों ने १६ करोड़ ६१ लाख ८० हजार रुपये का दान दिया है।

यह दान २५ दिसंबर से २ जनवरी के बीच दिया गया है। इसके अलावा भक्तों की भीड़ आज भी जारी है और दूर-दूर से भक्त साईं बाबा के दर्शन के लिए आ रहे हैं।

इससे दान में और बढ़ोतरी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। बताया गया है कि २५ दिसंबर से २ जनवरी के बीच करीब ६ लाख से ज्यादा भक्तों ने साईं दर्शन का लाभ उठाया। साईं बाबा को दी गई दान पेटी में ६ करोड़ १२ लाख रुपए मिले। जबकि डोनेशन काउंटर पर ३ करोड़ २२ लाख रुपये जमा हुए हैं। वहीं ऑनलाइन दान चेक, डीडी, मनीऑर्डर, डेबिट क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ४ करोड़ ६५ लाख रुपये प्राप्त हुए।

जबकि ५४ लाख ५० हजार रुपये मूल्य का सोना और ९ लाख ९३ हजार रुपये मूल्य के चांदी के आभूषणदान के रूप में मिले हैं। वहीं पेड डोनेशन पास के जरिए १ करोड़ ९७ लाख रुपये मिले हैं।

धनकुबेर सौरभ की नियुक्ति नरोत्तम मिश्रा की अनुशंसा पर हुई

ग्वालियर (ईएमएस): मध्य प्रदेश के धनकुबेर सौरभ शर्मा को लेकर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। शुक्रवार को एक आरटीआई कार्यकर्ता ने मामले में बड़ा खुलासा किया है। आरटीआई कार्यकर्ता ने खुलासा किया है कि २०१६ में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री नरोत्तम मिश्रा के लेटर हैड पर सौरभ की अनुकंपा नियुक्ति के लिए अनुशंसा की गई थी। आरटीआई कार्यकर्ता ने मामले को लेकर लोकायुक्त से शिकायत की। आरटीआई कार्यकर्ता ने दावा किया है कि तत्कालीन मंत्री ने १२ अप्रैल, २०१६ को यह पत्र लिखा था। इसमें लिखा है कि सौरभ शर्मा पुत्र स्व. राकेश कुमार शर्मा निवासी ४७ विनय नगर सेक्टर-२ ग्वालियर के पिता का डॉ. राकेश शर्मा जो कि डीआरपी लाइन चिकित्सालय में तैनात थे। जिनका २० नवंबर २०१५ को सेवा के दौरान निधन हुआ। जिले में तृतीय श्रेणी के किसी भी पद पर या संगणक रिक्त पद पर योग्यता अनुसार अनुकंपा नियुक्ति दी जाए।

इसके बाद सौरभ की पहली नियुक्ति मिश्रा के विधानसभा क्षेत्र में ही हुई थी। सौरभ शर्मा की नियुक्ति मिश्रा के विधानसभा क्षेत्र दतिया के सिकंदरा और चिरौला चेक पोस्ट से हुई थी। यहां बड़ी मात्रा में अवैध वसूली के भी मामले सामने आ चुके हैं। आरटीआई कार्यकर्ता ने बताया कि उनके द्वारा निकाली गई जानकारी में कई खुलासे हुए हैं। जिसमें बताया गया है कि तत्कालीन सीएमएचओ द्वारा सौरभ शर्मा के पिता की मृत्यु के बाद जब फर्जी एफिडेविट के आधार पर स्वास्थ्य विभाग में नौकरी की बात सामने आई, तब सीएमएचओ द्वारा लिखकर दिया गया कि अभी कोई पद ही खाली नहीं है। इसके बाद मिश्रा के द्वारा अनुशंसा का पत्र परिवहन विभाग को भेजा गया था। बाद में शर्मा की नियुक्ति की गई। मिश्रा उस समय शिवराज सिंह चौहान की सरकार में स्वास्थ्य मंत्री थे।

कांग्रेस ने दिल्ली में अलका लांबा को उतारा

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली की कालकाजी विधानसभा सीट पर मुख्यमंत्री आतिशी को कांग्रेस की महिला इकाई की अध्यक्ष अलका लांबा चुनौती देंगी। कांग्रेस पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने कालकाजी से अलका लांबा के नाम को स्वीकृति प्रदान की। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने १९९० के दशक में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) से अपनी छात्र राजनीति की शुरुआत की थी। बाद में वह आम आदमी पार्टी में शामिल हो गई थीं और आप के टिकट पर ही वह २०१५ में चांदनी चौक से विधायक बनी थीं। कुछ साल पहले उन्होंने कांग्रेस में वापसी की थी।

मुख्यमंत्री आतिशी वर्तमान में कालकाजी से विधायक हैं और एक बार फिर से वह आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव मैदान में हैं। भातीय जनता पार्टी ने फिलहाल अपने उम्मीदवार अभी घोषित नहीं किए गए हैं। कांग्रेस अब तक कुल ४८ उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर चुकी है। उसने नयी दिल्ली सीट से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को टिकट दिया है। इसी तरह, कांग्रेस ने जंगपुरा सीट पर पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ दिल्ली नगर निगम के पूर्व महापौर फरहाद सूरी को चुनाव मैदान में उतारा है। दिल्ली विधानसभा चुनाव अगले महीने होने की संभावना है।

पीएम मोदी, शाह, नडडा और खड़गे ने दी सावित्रीबाई फुले को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (ईएमएस): देश की पहली महिला शिक्षिका और महान समाजसेविका सावित्रीबाई फुले की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित कई नेताओं ने श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने लिखा, सावित्रीबाई फुले की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि। वे महिला सशक्तिकरण की एक मिसाल हैं और शिक्षा और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में अग्रणी हैं। लोगों के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करने के लिए उनके प्रयास हमें प्रेरित करते रहते हैं।

वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा, देश में जब भी नारी शिक्षा और सामाजिक समानता की बात होती है, तब सावित्रीबाई फुले का नाम गर्व से लिया जाता है। सावित्रीबाई फुले ने एक ओर जहां महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया, वहीं शिक्षा को समाज सुधार का सशक्त माध्यम बना दिया। महिला विरोधी कुरीतियों को समाप्त कर नारी सम्मान की नई परिभाषा गढ़ने वाली महान समाज सुधारक सावित्रीबाई की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन।

इसी कड़ी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी सावित्रीबाई फुले को याद किया। उन्होंने लिखा, स्वाभिमान से जीने के लिए पढ़ाई करो, पाठशाला ही इंसानों का सच्चा गहना है। क्रांतिज्योति, महान शिक्षाविद व कवयित्री एवं देश की प्रथम महिला शिक्षिका व हमारी प्रेरणास्रोत, सावित्रीबाई फुले की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा के लिए दरवाजे खोले और समाज के वंचित, दलित, पीड़ित और शोषितों के अधिकारों के लिये पुरजोर लड़ाई लड़ी व सामाजिक न्याय में अपना अभूतपूर्व योगदान दिया।

महाकुंभ के शुरु होने से पहले पहुंच रही राष्ट्रपति मुर्मू

प्रयागराज (ईएमएस): प्रयागराज में महाकुंभ के पहले देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आगमन होने जा रहा है। अधिकारी तैयारियों में जुटे हैं। वह यहां करीब ३ घंटे रहेंगी। राष्ट्रपति मुर्म गंगा पूजन कर महाकुंभ की औपचारिक शुरूआत करेंगी। इसके अलावा वह प्रयागराज एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का लोकार्पण भी कर सकती हैं, जिसका ग्राउंड फ्लोर करीब बनकर तैयार है लेकिन अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, राष्ट्रपति के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखकर प्रदेश के मुख्यममंत्री योगी आदित्यनाथ कल शनिवार को प्रयागराज आ रहे हैं। वह राष्ट्रपति के आगमन की तैयारियों को देखने वाले है।

राष्ट्रपति प्रयागराज आगमन के दौरान गंगा पूजन कर किले में स्थित अक्षयवट का भी दर्शन करेंगी। इसके साथ ही वह संविधान गैलरी सहित कई अन्य निर्माण परियोजनाओं का लोकार्पण कर सकती हैं। उनके आगमन को देखते हुए मुख्यमंत्री खुद प्रयागराज आएंगे। शनिवार के बाद फिर उनका ८ जनवरी को भी प्रस्तावित है। वहीं पिछले महीने दिसंबर की बात की जाए, तब ३० दिन में मुख्यमंत्री ५ बार प्रयागराज आए थे। १३ दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी प्रयागराज संगम आए थे।

श्री हरमंदिर साहिब के प्रकाश उत्सव पर्व पर तैयारियां जोरों पर

पटना (ईएमएस): पटना सिटी में तख्त श्री हरमंदिर साहिब श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के ३५८वें प्रकाश उत्सव पर्व को लेकर तैयारियां जोरों पर है। श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो चुका है। ४ से ६ जनवरी तक भव्य कार्यक्रम का आयोजन होगा। प्रकाश पर्व का समापन ७ जनवरी का होगा। देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखकर नीतिश सरकार की ओर से दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गई है।

जिलाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह और पटना के वरीय पुलिस अधीक्षकं अवकाश कुमार ने कहा कि भीड़-प्रबंधन, सुचारू यातायात और विधि-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। भीड़ नियंत्रण को नियंत्रण करने के लिए ८३ जगहों पर ११५ से अधिक दंडाधिकारियों को तैनात किया गया है। इसके साथ ही सशस्त्र बल और लाठी बल को भी लगाया गया है। सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी। पार्किंग की भी व्यवस्था की गई है। विशेष परिस्थिति से निपटने के लिए मंगल तालाब, चौक थाना, आरओबी, रामदेव महतो सामुदायिक भवन, हांडी साहब, बाल लीला गुरूद्वारा, गुरू का बाग पर क्यूआरटी की व्यवस्था की गई है। साथ ही ८ स्थानों पर क्विक मोबाइल टीम की तैनाती भी की गई है। वहीं, पटना साहिब के प्रबंधक समिति के प्रधान जगजोत सिंह सोही ने कहा कि तैयारी पूरी हो गई है। ओपी शाह कम्युनिटी हॉल में संत बाबा कश्मीर सिंह भूरीवालों की ओर से अरदास के बाद लंगर की शुरुआत की गई है।

नये साल के पहले 2 दिनों में 11 हत्याएं

मुंबई, (ईएमएस): लगता है महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था चरमरा गई है। दरअसल नए साल की शुरुआत हत्याओं से हुई है। राज्य में १ और २ जनवरी इन दो दिनों में ११ लोगों की हत्याएं हुई है जिससे कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान लग रहा है। नागपुर शहर में सामने आया जब इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे एक छात्र द्वारा जन्म देने वाले अपने माता-पिता की निर्मम हत्या की घटना नए साल की पहली घटना है।

फिर शिक्षा की नगरी पुणे में प्रेम प्रसंग को लेकर लड़की के पिता और दो भाइयों द्वारा एक १७ वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई। इसके अलावा महाराष्ट्र के और सात शहरों में हत्या के चौंकाने वाले मामले सामने आए हैं। एक तरफ सरकार दावा करती है कि राज्य में कानून-व्यवस्था चुस्त दुरुस्त है वहीं नये साल के पहले २ दिनों में ११ हत्याएं होने से यही कहा जा रहा है कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गयी है।

चंद्रशेखर रावण पर फायरिंग करने वाले गिरफ्तार

करनाल (ईएमएस) : करनाल पुलिस ने भीम आर्मी प्रमुख व सांसद चंद्रशेखर रावण पर फायरिंग करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक अवैध पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान विकास उर्फ विक्की के रूप में हुई है जो करनाल के पास गोंदर गांव का निवासी है। एक जनवरी को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध हथियार लेकर इलाके में घूम रहा है। सूचना पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध पिस्तौल व कारतूस बरामद किए गए।

पुलिस ने हथियार की सप्लाई करने वाले गिरोह का किया खुलासा

पूर्णिया (ईएमएस) : पूर्णिया में पुलिस ने हथियार की सप्लाई करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। हथियार सप्लाई करने की अवैध धंधे की किसी को भनक न लगे, इसकारण सप्लायर सूटकेस में हथियार छिपाकर रखता था। पुलिस ने सूचना पर एक घर में छापेमारी की। इस दौरान सूटकेस से एक देसी कट्टा, एक देसी पिस्टल, २ खाली मैगजीन, १० जिंदा कारतूस, १ मिसफायर कारतूस और ७ खोखा भी बरामद किए है। पुलिस गिरोह में जुड़े बाकी सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। मामला बनमनखी थाना से जुड़ा है।

हथियार सप्लायर की पहचान बेलाचांद गांव निवासी घनश्याम पोद्दार के बेटे शंकर पौद्दार के रूप में हुई है। पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि बेलाचांद गांव निवासी शंकर नाम का शख्स अपने घर में अवैध हथियार रखे हुए है और घर से हथियार सप्लाई करता है। मिली इनपुट पर एसपी कार्तिकिय शर्मा के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। जिसके बाद गठित टीम का नेतृत्व कर रहे बनमनखी थानाध्यक्ष संजय कुमार ने पुलिस टीम के साथ शंकर पोद्दार के बेलाचांद स्थित घर में छापेमारी की।

पत्नी का शरीर उसकी खुद की संपत्ति है : हाईकोर्ट

प्रयागराज (ईएमएस): इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले में सुनवाई कर कहा कि पत्नी जागीर नहीं है। पत्नी का शरीर उसकी खुद की संपत्ति है। उसकी गोपनीयता और उसके अधिकार अपने हैं।पति उनका मालिक नहीं है। पति विक्टोरियन युग की मानसिकता त्याग दें। अब दौर बदल चुका है। पत्नी की सहमति उसके व्यक्तिगत और अंतरंग जीवन के सभी पहलुओं में सर्वोपरि है।

यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ ने मिर्जापुर रहने वाले बृजेश यादव की ओर से जिला अदालत में लंबित आपराधिक कार्यवाही को चुनौती देने वाली याचिका पर दी है। कोर्ट ने कहा कि पति की भूमिका स्वामी या मालिक की नहीं बल्कि एक समान भागीदार की है, जो उसकी स्वायत्तता और व्यक्तित्व का सम्मान करने के लिए बाध्य है। इन अधिकारों को नियंत्रित करने या उनका उल्लंघन करने का प्रयास-चाहे जबरदस्ती, दुर्व्यवहार या अंतरंग विवरणों को बिना सहमति के साझा करने के माध्यम से हो वह विश्वास और वैधता का घोर उल्लंघन है।

दरअसल अहरौरा निवासी बृजेश यादव की शादी रामपुर कोलना में हुई थी। बृजेश के खिलाफ नौ जुलाई २०२३ को उनकी पत्नी ने मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि उसके पति ने मुकदमेबाजी की रंजिश में उसके अंतरंग वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए हैं। इससे उसकी प्रतिष्ठा को आघात पहुंचा है।

विवेचना के बाद पुलिस ने पति के खिलाफ ट्रायल कोर्ट में आईटी एक्ट की धाराओं में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। कोर्ट ने समन जारी कर पति को तलब किया। इसके खिलाफ पति ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। तलाशी लेने पर कमरे से सूटकेस मिला। शक पर पुलिस ने जब सूटकेस खोला तब उसमें हथियार बरामद हुआ। छापेमारी के दौरान एक देशी कट्टा, एक देशी पिस्टल, दो खाली मैगजीन, १० जिंदा कारतूस, एक मिसफायर कारतूस व ७ खोखा के साथ एक सप्लायर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। साथ ही बरामद हथियार को जब्त कर थाना ले आई है। पूछताछ में सप्लायर ने गिरोह में शामिल बाकी सदस्यों के नाम का खुलासा किया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली में सीजन का सबसे घना कोहरा

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली और उसके आसपास का क्षेत्र इनदिनों घने कोहरे में लिपटा हुआ हैं। घने कोहरे से दिल्ली हवाई अड्डे पर ४०० से अधिक उड़ानों के परिचालन में देरी हुई है। हवाई अड्डे पर कुल ४७० उड़ानें विलंबित हुईं। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा प्रतिदिन लगभग १,३०० उड़ानों का परिचालन करता है।

इस बीच ३ जनवरी, २०२५ को दिल्ली में सीजन का सबसे घना कोहरा देखने को मिला, इस कारण ट्रेनों की रफ्तार धीमी हो गई है, सड़कों पर विजिबिलिटी बहुत कम हो गई है और फ्लाइट्स पर भी असर पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है और आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने की संभावना है। दिल्ली और एनसीआर में शुक्रवार सुबह घना कोहरा देखने को मिला। घने कोहरे के कारण सड़कों, पेड़-पौधों और गाड़ियों की विजिबिलिटी बेहद कम हुई है। सुबह के ९ बजे ऐसी स्थिति थी कि लोग गाड़ी चलाने के लिए इमरजेंसी लाइट्स का इस्तेमाल कर रहे थे। दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में कोहरा इतना घना था कि सड़क के मोड़ और आने-जाने वाली गाड़ियों को पहचानना भी मुश्किल हो रहा था।

खासकर हाईवे और प्रमुख सड़कें पूरी तरह से कोहरे से ढकी हुई थीं। रिहायशी इलाकों में कुछ हद तक राहत थी, लेकिन मुख्य मार्गों पर स्थिति बहुत बेकार थी। कोहरे के कारण वाहन चालकों को अपनी गति कम करनी पड़ी और सड़क पर चलने में भी कठिनाई हुई। यही नहीं, सड़कों पर सुरक्षित गाड़ी चलाने के लिए वाहन चालकों को विशेष ध्यान रखने की सलाह दी जा रही है। घने कोहरे का असर रेल यातायात पर भी पड़ा है।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, दिल्ली आने वाली २४ ट्रेनें देरी से चल रही हैं। कोहरे के कारण ट्रेनों की गति को कम किया गया है, इससे उनका समय बढ़ गया है। कई ट्रेनें अपनी निर्धारित समयसीमा से काफी देरी से चल रही हैं और यात्रियों को सफर के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह देखकर रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा से पहले ट्रेन के समय और मार्ग में बदलाव के बारे में जानकारी प्राप्त कर लें। वहीं दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भी कोहरे का असर दिखाई दिया है। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक, विजिबिलिटी बेहद कम होने के कारण उड़ानों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। हालांकि, एयरपोर्ट ने कहा कि अभी तक सभी फ्लाइट्स अपने तय समय पर चल रही हैं।

फिर भी यात्रियों को सलाह है कि वे एयरलाइन से संपर्क करके अपनी फ्लाइट के समय और स्थिति की जानकारी प्राप्त करें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में दिल्ली में और अधिक ठंड बढ़ सकती है। विशेषकर ४ से ६ जनवरी के बीच उत्तर भारत के कई हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है, जिससे ठंड और बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में आने वाले दिनों में पश्चिमी विक्षोभ का असर हो सकता है। इससे बारिश और ठंड में और वृद्धि हो सकती है। वहीं, दिल्ली के आस-पास के क्षेत्रों जैसे पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी घना से बहुत घना कोहरा छा सकता है।

मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में ४ से ७ जनवरी तक बर्फबारी की संभावना जाहिर की है। विशेष रूप से, ५ और ६ जनवरी को इन क्षेत्रों में भारी बर्फबारी होने की संभावना है, जिससे यातायात पर असर पड़ सकता है। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के कारण पर्यटकों और स्थानीय लोगों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। वहीं, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों, विशेषकर दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों में ४ से ६ जनवरी के बीच हल्की बारिश हो सकती है, जिससे ठंड और बढ़ सकती है।

महाकुंभ के लिए गंगा नदी पर तैयार हो रहा स्टील से बना ब्रिज

प्रयागराज (ईएमएस): महाकुंभ २०२५ की तैयारियों के तहत गंगा नदी पर ४२६ मीटर लंबा और ४५०० टन स्टील और लोहे से बना एक स्टील ब्रिज तैयार किया जा रहा है। ६० करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह पुल महज २ महीने के लिए उपयोग होगा। ब्रिज के निर्माण का कार्य अंतिम चरण में है और जल्द ही ब्रिज को श्रद्धालुओं के लिए खोला जाएगा।

गंगा नदी पर १० किलोमीटर लंबे ६ लेन ब्रिज का निर्माण २०२० में शुरू हुआ था, जिसकी लागत ९८०.७७ करोड़ रुपये थी। लेकिन निर्माण समय पर पूरा नहीं हो सका। कुंभ मेला में करोड़ों श्रद्धालुओं के आवागमन को देखकर प्रशासन ने विकल्प के तौर पर स्टील ब्रिज बनाने का फैसला किया। स्टील ब्रिज के साथ ४ किलोमीटर लंबी एप्रोच रोड तैयार की जा रही है। ब्रिज को तैयार करने में १०० मजदूर दिन-रात काम कर रहे हैं। निर्माण कार्य में लगी एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी ने दावा किया है कि पुल पूरी मजबूती के साथ तैयार होगा।

दर्जी की चिट से मर्डर के आरोपी गिरफ्तार

सूरत (ईएमएस): उड़ीसा पुलिस ने सूरत से गैंग रेप और मर्डर के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उड़ीसा पुलिस को खून से सनी पैंट से मिली टेलर की चिट और यूपीआई पैमेंट की स्लीप के आधार पर सूरत पुलिस की मदद से आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। पूरा मामला उडीसा राज्य का है। उड़ीसा के कटक में १३ दिसंबर को काथाजोडी नदी के पट से एक महिला का शव बरामद हुई था, लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई थी।

मृतक महिला की गुमशुदगी के बारे में कोई प्राथमिकी भी दर्ज नहीं कराई गई थी। उड़ीसा पुलिस को प्राथमिक जांच में दर्जी की एक चिट मिली थी, जिस पर 'न्यू स्टार टेलर्स' लिखा हुआ था। यही चिट उड़ीसा पुलिस के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई। हांलाकि पुलिस ने जब उड़ीसा में इसकी जांच की तो उसे राज्य में न्यू स्टार टेलर्स नामक कोई दुकान नहीं मिली। उस दौरान उड़ीसा के गंजम जिले के एक दर्जी ने पुलिस को बताया कि इस प्रकार के लेबल का उपयोग गुजरात में किया जाता है। इस जानकारी के बाद उड़ीसा पुलिस की जानकारी गुजरात की ओर मुड़ गई। उड़ीसा पुलिस ने गुजरात पुलिस को संपर्क किया, तो सूरत के एक दर्ज बड़ा सुराग मिला। पता चला कि उड़ीसा को जो कपड़े मिले थे वह किसी बाबू नामक शख्स के लिए बनाए गए थे। दर्जी ने बताया कि उसे बाबू को रु. १०० लौटाने थे, लेकिन उसके पास छुट्टे नहीं होने की वजह से उसने वह रकम बाबू के मोबाइल नंबर के ई वॉलेट में ट्रांसफर कर दी थी।

गैंगरेप और मर्डर का आरोपी २७ वर्षीय बाबू दुहुरी नामक शख्स उड़ीसा का मूल निवासी को पुलिस ने उस वक्त रायगडा में ट्रेन से गिरफ्तार कर लिया जब वह सूरत जा रहा था। पुलिस की पूछताछ में बाबू ने कबूल किया कि उसने अपने भाई बलराम दुहुरी और चचेरे भाई हपी दुहुरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या की घटना को अंजाम दिया था। इस खुलासे के बाद पुलिस ने बलराम दुहुरी और हपी दुहुरी को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि मृतक महिला बलराम दुहुरी की पत्नी थी और दोनों के बीच विवाद चल रहा था। बलराम को शक था कि उसकी पत्नी के किसी के साथ नाजायज संबंध हैं।

इसी शक में बाबू, बलराम और हपी दुहुरी ने मिलकर महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और बाद में उसकी हत्या कर नदी के पट में फैंक दी। घटना के बाद कपड़े पर खून के धब्बे लगने से बाबू ने पैंट उतारकर घटनास्थल के निकट फैंक दी थी। इसी पैंट ने पुलिस को आरोपी तक पहुंचाने में मदद की। आरोपी को गिरफ्तार कराने में सूरत पुलिस की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसकी वजह से उड़ीसा पुलिस केवल ३० घंटों के भीतर आरोपी तक पहुंचने में कामियाब रही।

मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर आदिवासी समुदाय ने की भारत रत्न की मांग

रांची (एजेंसी): नवा टोली स्थित सरना अखड़ा स्थल पर मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पवन तिर्की की अगुवाई में मनाई गई. इस मौके पर सैकड़ों आदिवासी समुदाय के लोग शामिल हुए. कार्यक्रम की शुरुआत मरांग गोमके के कटआउट के साथ की गई, जहां गेंदा फूलों की माला अर्पित कर अगरबत्ती जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई.

इस अवसर पर अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के रांची महानगर अध्यक्ष पवन तिर्की ने कहा कि ३ जनवरी १९०३ को जन्मे मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा ने बहुत कम उम्र में आदिवासियों की आवाज को संविधान सभा में उठाया था. इसके साथ ही वे संविधान सभा के सदस्य भी रहे. उन्होंने सभी को एक सूत्र में बांधने का प्रयास किया और इसके लिए आदिवासी महासभा का गठन किया. वे राजनीति के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी महारथी थे.

हॉकी में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिलाया और झारखंड का नाम रोशन किया. आज आदिवासी और दलित को संविधान में स्थान मिला है और आदिवासी आरक्षित वर्ग में शामिल हैं. उन्हें भारत रत्न से नवाजा जाना चाहिए था. इस अवसर पर झारखंड आंदोलनकारी सुधीर मुंडू ने कहा कि मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा ने आदिवासी और दलितों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई थी. युवाओं को आज भी अपनी आवाज बुलंद करने की जरूरत है. पेसा कानून को प्रभावी रूप से लागू किया जाना चाहिए.

कार्यक्रम में पवन तिर्की, पितरूस एक्का, अभय तिग्गा, फेडरिक तिग्गा, सुधीर मुंडू, आकाश तिर्की, लक्की सिंकु, निरंजन तिर्की, महादेव बड़ाईक, रोशन बड़ाईक, अनिल कच्छप, बैजू टोप्पो, विनीत कच्छप, पूनम टोप्पो, सुनील माचियारी, अनुज हेमरोम और अन्य लोग भी उपस्थित थे.

वहीं दूसरी ओर कांके रोड स्थित जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में कांके रोड सरना समिति के बैनर तले मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की १२२वीं जयंती मनाई गई. प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके संघर्षों को याद किया गया. कांके रोड सरना समिति के अध्यक्ष डब्लू मुंडा ने कहा कि मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा आदिवासी समाज के महान नेता थे. उन्होंने झारखंड राज्य की मांग की थी और आदिवासियों पर हो रहे शोषण और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई थी. आदिवासी समाज की धर्म, संस्कृति, हक और अधिकार की रक्षा के लिए आदिवासी महासभा का गठन किया.

कार्यकारी अध्यक्ष शशि मुंडा ने कहा कि जयपाल सिंह मुंडा ने ओलंपिक में भारत को गोल्ड मेडल दिलाया और खेल के क्षेत्र में भी वे निपुण थे. उनके पास नेतृत्व करने की अपूर्व क्षमता थी. इस मौके पर उपाध्यक्ष सतिश खलखों, महासचिव राजेश लकड़ा, सलाहकार प्रकाश टोप्पो, उप-सचिव लखन मुंडा समेत अन्य लोग भी उपस्थित थे.

धर्मातरण कर चुके आदिवासी समाज को पेसा कानून में शामिल किया तो होगा पूर्ण जोरदार विरोध : सोमा उरांव

रांची (एजेंसी): आदिवासी जनजाति सुरक्षा मंच के सामाजिक कार्यकर्ताओं की धुर्वा में बैठक हुई.

बैठक में निर्णय लिया गया कि पेसा कानून को लेकर आदिवासी समाज के बीच खुला चर्चा किया जाएगा. इस बैठक में पक्ष, विपक्ष, विधायक और पूर्व प्रशासनिक पदाधिकारी को शामिल किया जाएगा. परिचर्चा की घोषणा जल्द की जाएगी.

इस दौरान लोगों ने कहा कि पेसा कानून आदिवासियों के सुरक्षा कवच के रूप में है. झारखंड प्रदेश मुखिया संघ के अध्यक्ष सोमा उरांव ने कहा कि जो लोग धर्मांतरण कर ईसाई बन चुके हैं, उन्हें पेसा कानून से बाहर रखा गया है. ऐसे लोग पेसा कानून एवं उसके अधिकार से वंचित हो चुके हैं.

आदिवासियों की परंपरागत पूजा पद्धति पुरखों से चली आ रही है. जो लोग रूढ़िवादी प्रथाओं को मानते हैं, वही पेसा कानून का लाभ उठा सकते हैं. धर्मांतरण कर चुके लोगों को पेसा कानून में स्थान नहीं मिलना चाहिए. यदि ऐसा हुआ, तो जनजाति सुरक्षा मंच इसका जोरदार विरोध करेगा, क्योंकि पेसा कानून में केवल रूढ़िवादी प्रथाओं को ही शामिल किया गया है. इस मौके पर झारखंड आदिवासी सरना विकास समिति के अध्यक्ष मेघा उरांव, संदीप उरांव, सन्नी उरांव, हिन्दुवा उरांव, बंधना मुंडा, राजू उरांव, लोरया उरांव सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे.

सामाजिक बदलाव में एनसीसी कैडेट्स की भूमिका सराहनीय : रक्षा राज्य मंत्री

रांची (एजेंसी): रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने आज शुक्रवार को उज्जैन में राष्ट्र सर्वोपरि के भाव से राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले एनसीसी कैडेट्स के साथ संवाद किया. इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि अभी भारत में १७ लाख एनसीसी कैडेट हैं, जल्द ही यह संख्या बढ़ाकर २० लाख की जायेगी.

संजय सेठ ने कहा, एनसीसी वर्दीधारी राष्ट्रप्रेमी युवाओं का सबसे बड़ा संगठन है. कहा कि सोशल सर्विस एवं कम्युनिटी डेवलपमेंट के कार्यों में इनकी भूमिका सराहनीय होती है. सामाजिक बदलाव में भी एनसीसी कैडेट सराहनीय कार्य करते हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिलते हैं. पर्यावरण संरक्षण की बात हो या कोरोना संक्रमण काल में सेवा की, हर क्षेत्र में इनका योगदान सराहनीय रहा है.

रेलवे ने लिया पावर ब्लॉक, दुमका रांची एक्सप्रेस 5 को रद्द रहेगी

रांची (एजेंसी): पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने निर्माण कार्य को लेकर पावर ब्लॉक लिया है. इसके चलते कई ट्रेनें रद्द रहेंगी. ट्रेन संख्या १३३१९ दुमका- रांची एक्सप्रेस पांच जनवरी को रद्द रहेगी. वहीं, ट्रेन संख्या १७००६ रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस इस दिन अपने निर्धारित समय से एक घंटा २० मिनट देर से रक्सौल से प्रस्थान करेगी. इधर, दक्षिण-पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल ने ६ जनवरी को पावर ब्लॉक लिया है. इसके चलते ट्रेन संख्या १८६०१ टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस ६ जनवरी को अपने निर्धारित मार्ग चांडिल-पुरुलिया-कोटशिला-मुरी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग चांडिल-गुंडा विहार, मुरी होकर चलेगी. जबकि ट्रेन संख्या १८०३५/१८०३६ खड़गपुर-हटिया-खड़गपुर मेमू ट्रेन का आद्रा-हटिया-आद्रा के बीच परिचालन रद्द रहेगा.

नगर आयुक्त के निर्देश पर राजधानी के 7 वार्डों में गरीबों के बीच बांटे गये कंबल

रांची (एजेंसी): राजधानी में कड़ाके की ठंड और शीत लहर को देखते हुए रांची नगर निगम के आयुक्त ने निगम क्षेत्र में वार्डवार गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों के बीच निःशुल्क कंबल बांटने का निर्देश दिया है. इस क्रम में आज शुक्रवार को वार्ड ११, १५, २९, ३०, ३७, ४० और ४५ में रहने वाले गरीब-जरुरतमंदों के बीच ठंड से राहत के लिए कंबल बांटे गये.

बेघरों को आश्रय गृहों में स्थानांतरित करने के निर्देश

नगर आयुक्त ने रात्रि में मुख्य मार्गों पर भ्रमण कर शहर में गुजर बसर कर रहे बेघर लोगों को कंबल देने के साथ-साथ उन्हें आश्रय गृहों में स्थानांतरित करने के निर्देश दिया है. इस कार्य में वार्ड सुपरवाइजर, सामुदायिक संगठनकर्ताओं, नगर प्रबंधक, नगर अभियान प्रबंधक एवं सहायक प्रशासकों को लगाया गया है.

अब नेटवर्क की खिचखिच नहीं, पीडीएस दुकानों में लगेंगी फोर जी पौश मशीन, मंत्री ने किया ऐलान

रांची (एजेंसी): अब पीडीएस दुकानों में नेटवर्क की खिचखिच नहीं होगी. सुदूर जगहों में भी आसानी से लाभुकों को राशन मिलेगा. राज्य के सभी पीडीएस दुकानों में अब फोर जी पौश मशीनें लगाई जाएंगी.

इसके लिए जल्द ही टेंडर जारी किया जाएगा. खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने इसकी घोषणा की है.

उन्होंने कहा कि सीएम ने निर्देश दिया है कि सुदूर आदिवासी और पहाड़िया जनजाति के बच्चों को प्रोटीनयुक्त दाल, चीनी और सोयाबीन उपलब्ध कराया जाए. इसे लेकर राज्य सरकार ने केंद्र को प्रोटीनयुक्त अनाज उपलब्ध कराने के लिए पत्र भी भेजा है.

अब सीएससी में नहीं भरा जायेगा मंईयां योजना का फॉर्म, आदेश जारी

रांची (एजेंसी): मंईयां सम्मान योजना का फॉर्म अब सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) में नहीं भरा जा सकेगा. राज्य सरकार ने सीएससी के साथ समझौता रद्द कर दिया है. ऐसे में महिलाओं के बीच ऊहापोह की स्थिति बन गयी है.

महिला बाल विकास विभाग की निदेशक समीरा एस के हस्ताक्षर से जारी आदेश में कहा गया है कि ३१ दिसंबर २०२४ के बाद सीएससी के जरिये आवेदन लेने और उनके डिजिटलीकरण का काम बंद कर दिया गया है. अब सीएससी की सेवा की जरुरत नहीं है. नयी व्यवस्था के बारे में अब तक सरकार की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गयी है.

अपने वादे के अनुरूप 3200 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीद करे हेमंत सरकार : बाबूलाल मरांडी

किसानों को प्रोत्साहित करने के बजाए निराश कर रही सरकार

रांची (एजेंसी): भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार से धान खरीद में किसानों को इंसाफ देने की मांग की है. वे शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों के सुखाड़ के बाद राज्य में इस वर्ष धान की अच्छी फसल हुई है. किसानों को अपने मेहनत का अच्छा लाभ मिलने की उम्मीद राज्य सरकार से थी. हेमंत सरकार में शामिल दलों ने चुनाव से पूर्व ३२०० रुपए प्रति क्विंटल धान खरीद करने का आश्वासन दिया था. लेकिन राज्य सरकार अपने वादे से उलट गई. आज राज्य में २३०० रुपए प्रति क्विंटल धान खरीद और १०० रुपए बोनस के साथ २४०० रुपए प्रति क्विंटल से खरीद हो रही है.

राज्य सरकार ने ६०लाख क्विंटल धान खरीद का लक्ष्य रखा है, लेकिन स्थिति ऐसी है कि अभी तक पूरी तरह जिलों में धान क्रय केंद्र ही नहीं खोले गए हैं. ऑफिसरशाही इतनी हावी है कि वित्त मंत्री अपने क्षेत्र से धान क्रय केंद्र का बिना उद्घाटन किए ही बैरंग वापस लौटने को मजबूर हैं. राज्य में जहां केंद्र खुले भी हैं, उसमें में कई स्थानों पर ताले लटके मिल रहे हैं

राज्य सरकार लक्ष्य का १५फीसदी धान भी अबतक नहीं खरीद सकी है. राज्य सरकार इसमें भी धान को गीला बताकर प्रति क्विंटल १० से १५किलो की कटौती कर रही है. राज्य सरकार ने धान खरीद की प्रक्रिया को जटिल बना दिया है. राज्य सरकार की उदासीनता के कारण किसान दलाल और बिचौलियों के चंगुल में आने को मजबूर हैं. किसान अपनी मेहनत से उपजाई फसल को १८०० से १९००रुपए प्रति क्विंटल बेचने को मजबूर हैं.

बंगाल,ओडिशा,छत्तीसगढ़ के दलाल,बिचौलिए धान खरीद के लिए बाइक से गांव-गांव घूम रहे हैं. दलाल, बिचौलिए सीधे ट्रक लेकर गांव तक पहुंच जा रहे हैं. किसानों से कम कीमत पर धान खरीद ले रहे. राज्य सरकार का दायित्व है, किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का. किसानों को मजबूती प्रदान करने का ताकि वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें.

मंईयां योजना समारोह की तैयारियां जोरों पर, 3-4 लाख महिलाएं होंगी शामिल

रांची (एजेंसी): नामकुम के खोजा टोली स्थित आर्मी ग्राउंड में ०६ जनवरी को मंईयां सम्मान समारोह का आयोजन होने वाला है. राज्यस्तरीय समारोह की तैयारियां ज़ोर-शोर से चल रही है. जिसमें राज्यभर से तीन से चार लाख महिलाएं शामिल होंगी. कार्यक्रम में झारखंड के विभिन्न लोक कलाकार अपनी कला का भी प्रदर्शन करेंगे. कार्यक्रम में राज्यभर से ३ से ४ लाख महिलाएं शामिल होंगी. डीसी की निगरानी में दूसरे जिलों से आने वाली महिलाओं के लिए यात्रा, अल्पाहार, वाहन पार्किंग और अन्य व्यवस्था की गई है. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि महिलाओं को कोई असुविधा न हो.

डीआईजी में प्रोन्नत हुए चंदन सिन्हा को डीजीपी ने बैच लगाकर किया सम्मानित

रांची (एजेंसी): डीआईजी में प्रोन्नत हुए चंदन सिन्हा को डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बैच लगाकर सम्मानित किया है.

शुक्रवार को झारखंड पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान डीजीपी ने बैच लगाकर सम्मानित किया.

गौरतलब है कि बीते ३१ दिसंबर २०२४ को सरकार ने रांची एसएसपी के पद पर पदस्थापित चन्दन कुमार सिन्हा को डीआईजी रैंक में प्रोन्नति प्रदान करते हुए एसएसपी रांची के पद को डीआईजी में उत्क्रमित करते हुए उन्हें उस पद पर पदस्थापित किया गया है.

पृष्ठ एक का शेषांश

दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार का---

पाना इन परिवारों के लिए आसान नहीं। मध्यम-गरीब वर्ग परिवार के बच्चे अंग्रेजी के अभाव में डॉक्टर-इंजीनियर न बन पाएं। आपके सेवक ने काम किया है, ये बच्चे अपनी मातृभाषा में पढ़कर डॉक्टर और इंजीनियर भी बन सकता है। बड़ी से बड़ी अदालत में मुकदमा लड़ सकता है।

मालदीव भारत की 'पड़ोसी पहले'---

मालदीव के विदेश मंत्री ने कहा, हमारी साझेदारी सदियों पुरानी है। हमारी साझेदारी आपसी समझ, सम्मान और साझा प्रतिबद्धता पर आधारित है। दशकों के विश्वास और मित्रता के साथ, यह आगे भी फलती-फूलती रहेगी। भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति के लाभार्थी के रूप में, मालदीव की सरकार भारत द्वारा दिए गए महत्व को समझती है। हमारे पास ऐसे कई उदाहरण हैं जहां भारत सरकार ने जरूरत के समय तत्काल मदद पहुंचाई है।

जैक अध्यक्ष का कार्यकाल---

जबकि केसी कॉलेज बेड़ो के प्रोफेसर इंचार्ज डॉ विनोद कुमार सिंह को उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया था.

छत्तीसगढ़-ओडिशा बॉर्डर पर---

इसकी पुष्टि की है। इस कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने कई ऑटोमैटिक हथियार भी जब्त किए हैं। मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है। हालांकि शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये नक्सली बस्तर से भागकर इस क्षेत्र में सक्रिय थे।

यूरोप का सबसे शक्तिशाली युद्धपोत---

भारत पहुंचा है। गाले राफेल फाइटर जेट से लैस है जिसे भारत भी अपनी नेवी के लिए खरीद रहा है। भारतीय वायुसेना के पास पहले से ही राफेल मौजूद है। भारतीय नौसेना ने फ्रांस से ही स्कॉर्पिन पनडुब्बी भी खरीदा है। इस शक्ति प्रदर्शन के जरिए फ्रांस ने रूस को भी संदेश देने की कोशिश की है जो यूरोप पर हमले का मंसूबा रखता है। फ्रांस ने यह दिखाया है कि वह बिना रूसी हमले के डर के कहीं भी अपने एयरक्राफ्ट कैरियर को भेज सकता है।

पेसा कानून के समर्थन में मिलकर आंदोलन छेड़ने का संकल्प

रांची (एजेंसी): रांची के पुरूलिया रोड स्थित समाज विकास केंद्र में शुक्रवार को पेसा कानून १९९६ व झारखंड पंचायत राज अधिनियम २००१ (जेपीआरए) पर संगोष्ठी हुई. संगोष्ठी में विशेषज्ञों, इतिहासकारों, कानूनविदों व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया. सबसे पहले मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा को १२२वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी गई. वक्ताओ ने जेपीआरए २००१ का विरोध किया. साथ ही पेसा कानून के समर्थन में विभिन्न समूहों व संगठनो को एकजुटकर आदोंलन करने का संकल्प लिया.

डॉ. जोसेफ बाड़ा ने जयपाल सिंह मुंडा के संघर्षों पर प्रकाश डाला, विशेषकर संविधान सभा में उनके द्वारा उठाए गए आदिवासी मुद्दों की चर्चा की. कहा कि जयपाल सिंह मुंडा आदिवासियों की आवाज थे. डॉ. राम चंद्र उरांव ने पेसा कानून व जेपीआरए २००१ के प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की. कहा कि पेसा कानून विशेष रूप से अनुसूचित क्षेत्रों के लिए बनाया गया है. जबकि जेपीआरए २००१ सामान्य क्षेत्रों के लिए है. ऐसे में विशेष कानून के होते हुए सामान्य कानून को लागू नहीं किया जा सकता.

सामाजिक कार्यकर्ता ग्लैडसन डुंगडुंग पूर्व अधिकारी और याचिकाकर्ता रॉबर्ट मिंज, सामाजिक कार्यकर्ता लक्ष्मीनारायण मुंडा, विक्टर मालतो, कलावती खड़िया और दुर्गावती ओड़ेया ने भी विचार व्यक्त किए. रेजन गुड़िया ने सरकार की लैंड बैंक योजना और गैर-आदिवासियों द्वारा आदिवासी क्षेत्रों पर कब्जे के मुद्दे पर प्रकाश डाला.

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष से मिले एसडीएम की पत्नी अनिता के परिजन

रांची (एजेंसी): हजारीबाग एसडीएम अशोक कुमार की पत्नी अनीता कुमारी के परिजनों से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश से कांग्रेस भवन में मुलाकात की. अनीता के परिजनों से प्रदेश अध्यक्ष से अशोक कुमार की गिरफ्तारी के साथ न्याय की गुहार लगाई है. इस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस मामले में हजारीबाग एसपी से बात की गई है. परिजनों ने बताया कि जब तक अशोक कुमार की गिरफ्तारी नहीं हो जाती, तब तक सही तरीके से मामले की जांच नहीं हो पाएगी. बताते चलें कि उक्त मामले की जांच और अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है.

सिडनी टेस्ट के पहले दिन पहुंचे 47,566 दर्शक

सिडनी, एजेंसी। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड ने शुक्रवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट मैच के पहले दिन अब तक की सबसे अधिक उपस्थिति दर्ज की, जिसमें रिकॉर्ड तोड़ 47,566 दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे। चाय ब्रेक के समय सिडनी में 47,566 दर्शक मौजूद थे, जो जनवरी 1976 के बाद से क्रिकेट के लिए सिडनी में सबसे बड़ी उपस्थिति है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक्स पर पोस्ट किया, रिकॉर्ड लगातार गिरते जा रहे हैं। पहले दिन सिडनी क्रिकेट ग्राउंड के गेट से 45,000 से अधिक दर्शक आए। सिडनी में भारी भीड़ ने सीरीज में पहले भी एक और रिकॉर्ड बनाया था, जब मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड ने तीसरे टेस्ट के दौरान टेस्ट मैच के लिए अब तक की सबसे बड़ी भीड़ की मेजबानी की थी। पहले दिन दोपहर के भोजन के समय तक 45,465 दर्शक एससीजी में आ चुके थे, जो 2003/04 भारत-ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के दौरान स्थापित 44,901 के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दर्शकों की संख्या के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला, और कहा कि एससीजी में 1976 के बाद से लगभग 50 वर्षों में किसी टेस्ट के लिए यह सबसे बड़ी भीड़ थी।

स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9/1

सिडनी टेस्ट के पहले दिन भारत 185 पर ऑलआउट, पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए

सिडनी, एजेंसी। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 5वें टेस्ट की पहली पारी में 185 रन पर ऑलआउट हो गई है। शुक्रवार को स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9/1 है। उस्मान ख्वाजा 2 रन बनाकर आउट हुए। सैम कोंस्टास पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद 7 रन पर नाबाद लौटे हैं। स्टंप्स से ठीक पहले जसप्रीत बुमराह की युवा ओपनर सैम कोंस्टास से बहस हो गई। इस बहस के तुरंत बाद बुमराह ने उस्मान ख्वाजा (2 रन) को पवेलियन की राह दिखाई। ख्वाजा के आउट होने ही अंपायर्स ने दिन का खेल समाप्त कर दिया।

भारतीय टीम से ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। रवींद्र जडेजा 26 रन बनाकर आउट हुए। शुभमन गिल ने 20 रन और विराट कोहली ने 17 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया से स्कॉट बोलैंड ने 4 विकेट झटके। मिचेल स्टार्क को 3 विकेट मिले। पैट कमिंस को 2 विकेट मिले। एक विकेट नाथन लायन के खाते में आया। भारत ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में रोहित शर्मा की जगह जसप्रीत बुमराह टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे हैं। रोहित शर्मा को रेस्ट दिया गया है।

नहीं मानी हार, तोड़ दिया सचिन का वर्ल्ड रिकॉर्ड

सिडनी टेस्ट में बुरी तरह चोटिल हुए ऋषभ पंत

सिडनी, एजेंसी। टीम इंडिया सिडनी टेस्ट की पहली पारी में 185 रनों के स्कोर पर ऑल आउट हो गई. उसके लिए ऋषभ पंत ने 40 रनों की अहम पारी खेली. पंत इस पारी के दौरान गंभीर रूप से चोटिल हो गए. लेकिन

उन्होंने हार नहीं मानी. ऋषभ पंत ने इस मुकाबले के दौरान छक्कों का एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. उन्होंने सचिन तेंदुलकर समेत कई दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है. ऋषभ पंत भारत की पहली पारी के दौरान नंबर पांच पर बैटिंग करने आए. उन्होंने इस दौरान 98 गेंदों का सामना करते हुए 40 रन बनाए. पंत की इस पारी में 3 चौके और 1 छक्का शामिल रहे. उन्हें बोलैंड ने आउट कर दिया. पंत इस पारी के दौरान चोटिल हो गए. उनके हाथ पर गेंद लग गई. इससे खून का थक्का जम गया. लेकिन पंत ने इसका करारा जवाब दिया. वे भारत के लिए अहम पारी खेलने के बाद ही आउट हुए.

पंत ने तोड़ा सचिन-रोहित का रिकॉर्ड

ऋषभ पंत ने ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा टेस्ट छक्के लगाने के मामले में रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया. पंत ने कुल 11 छक्के लगाए हैं. जबकि रोहित ने 10 छक्के जड़े हैं. इस मामले में नीतीश कुमार रेड्डी तीसरे नंबर पर हैं. उन्होंने 8 छक्के लगाए हैं. वीरेंद्र सहवाग ने भी 8 छक्के लगाए हैं. सचिन ने 7 छक्क ने लगाए हैं.

रोहित के लिए फिर से टेस्ट खेलना लंबा और कठिन होगा: पोंटिंग

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग को लगता है कि रोहित शर्मा के लिए फिर से टेस्ट खेलना लंबा और कठिन होगा, क्योंकि नियमित भारतीय कप्तान ने शुक्रवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में चल रहे पांचवें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट से आराम लेने का फैसला किया है।

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए तीन टेस्ट मैचों में सिर्फ 6.2 की औसत से रन बनाए हैं, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 10 रहा है। सिडनी में उनके न खेलने की अटकलें तब सामने आई, जब मुख्य कोच गौतम गंभीर ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्हें गारंटीड स्टार्टर कहने से इनकार कर दिया।

रोहित ने 2024 में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में भारत की कप्तानी करने के बाद टी20 को पहले ही अलविदा कह दिया था। मुझे लगता है कि प्रतिक्रिया यह रही है कि वे सभी उम्मीद कर रहे थे कि ऐसा हो सकता है। पिछले कुछ दिनों से चर्चा चल रही थी कि सभी को उम्मीद थी कि रोहित इस मैच में नहीं खेलेंगे, शुभमन गिल वापस आएंगे और (जसप्रीत) बुमराह शायद फिर से कप्तानी संभालेंगे और ऐसा ही हुआ। पोंटिंग ने कहा, आपको लगता होगा कि खेल के इस प्रारूप में रोहित शर्मा के लिए अब बहुत लंबा सफर तय करना बाकी है। मेरा मानना ??है कि भारत जून के मध्य या अंत तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेलता है, जो कि आपके करियर के अंतिम चरण में आने के लिए बहुत लंबा समय है। उन्होंने कहा,...जब मैंने इतने महत्वपूर्ण मैच में ऑप्ट आउट शब्द सुना तो मैं बहुत हैरान रह गया। हम जानते हैं कि वह लंबे समय से भारतीय क्रिकेट के लिए एक महान खिलाड़ी रहे हैं।इसलिए जिस तरह से उन्होंने इसे कहा है, आप इसे केवल सतही तौर पर ही ले सकते हैं। हमें भारतीय खेमे से जो सुनने को मिल रहा है, उस पर हमें विश्वास करना होगा, लेकिन इतना बड़ा मैच होने के कारण, यह जानते हुए कि उन्हें ट्रॉफी बरकरार रखने के लिए यह मैच जीतना ही होगा, उनके सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक के लिए ऑप्ट आउट करना एक दिलचस्प समय था।

बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को आउट कर बनाया कीर्तिमान

8 साल बाद दोहराया गया इतिहास

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे आखिरी टेस्ट में अभी पहले ही दिन का खेल हुआ है, लेकिन रोमांच अपने चरम पर पहुंच चुका है। पहले दिन भारतीय टीम की बल्लेबाजी एक बार? फिर से फ्लॉप रही। वो तो भला हो जसप्रीत बुमराह का, जिन्होंने पहले दिन का खेल खत्म होने से पहले ही उस्मान ख्वाजा को पवेलियन भेज दिया, इससे भारतीय टीम ने राहत की सांस ली होगी। जसप्रीत बुमराह ने इस विकेट के साथ ही भारतीय टीम के लिए करीब आठ साल पुराना इतिहास दोहरा दिया है।

इस सीरीज में बुमराह ने छठी दफा किया है उस्मान का शिकार

जसप्रीत बुमराह एक बार फिर से टीम इंडिया की टेस्ट में कप्तानी कर रहे हैं। इससे पहले जब इसी सीरीज के पहले मैच में भी उन्होंने कमान संभाली थी, तब टीम इंडिया जीत दर्ज करने में कामयाब रही थी। अब फिर से उन्हें भारतीय टीम का बेड़ा पार लगाने की जिम्मेदारी दी गई है। जसप्रीत बुमराह ने उस वक्त उस्मान ख्वाजा को आउट किया, जब वे दिन की आखिरी बॉल लेकर आए थे। उस्मान ख्वाजा ने अपनी पारी के दौरान 10 बॉल का सामना किया और दो रन बनाकर आउट हो गए। इसी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह ने उस्मान को छठी बार आउट किया है। इससे पहले केवल एक ही बार हुआ है, जब किसी भारतीय गेंदबाज ने एक ही ही सीरीज में 6 दफा आउट किया हो।

बुमराह को नहीं मिला अर्जुन अवॉर्ड, राहुल द्रविड़ भी नहीं हुए नामिनेट

नईदिल्ली, एजेंसी। इस साल के खेल अवॉर्ड्स का ऐलान कर दिया गया है। खेल मंत्रालय ने इस साल चार खिलाड़ियों को सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानंचद खेलरत्न अवॉर्ड के लिए चुना गया है। वहीं 32 खिलाड़ियों का नाम अर्जुन अवॉर्ड के लिए भेजा गया है। हालांकि हैरानी की बात यह है कि इस लिस्ट में किसी भी भारतीय क्रिकेटर का नाम शामिल नहीं है।

जसप्रीत बुमराह को नहीं मिला अर्जुन अवॉर्ड

बीते साल भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। इस साल जसप्रीत बुमराह को इसका बड़ा दावेदार माना जा रहा था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बुमराह इस समय भारत के नंबर वन गेंदबाज हैं। वह तीनों फॉर्मेट में टीम का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने पिछले चार साल में टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई है।

चाहे टी20 वर्ल्ड कप हो , वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप हो या फिर भारत में हुआ वनडे वर्ल्ड कप। उन्होंने हर जगह भारतीय तेज गेंदबाजी अटैक की अगुवाई की। दुनिया भर के बल्लेबाज और दिग्गज इस खिलाड़ी को मौजूदा समय का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बता चुके हैं। 44 टेस्ट मैच में यह खिलाड़ी 203 विकेट ले चुका है। 89 वनडे में 149 और

70 टी 20 में उनके नाम 89 विकेट हैं। इन सबसे के बावजूद इस खिलाड़ी को अब तक अर्जुन अवॉर्ड नहीं मिला है। साल 2019 में इस खिलाड़ी को नामित किया गया था लेकिन उस समय शिखर धवन को अवॉर्ड दिया गया था और बुमराह चूक गए। पांच साल में बुमराह ने वैश्विक स्तर पर नाम कमा चुके हैं। इस बार भी उनका नाम अर्जुन अवॉर्ड के लिए नहीं दिया गया।

राहुल द्रविड़ को भी नहीं किया गया नॉमिनेट

लिस्ट में भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ का नाम शामिल नहीं है। राहुल द्रविड़ को द्रोणाचार्य अवॉर्ड मिलने की उम्मीद की जा रही थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। द्रोणाचार्य अवॉर्ड कोचेज को दिया जाता है। राहुल द्रविड़ ने बतौर कोच भारतीय क्रिकेट टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। राहुल द्रविड़ ने साल 2021 में टीम की कमान संभाली थी। उनके कोच बनने के बाद भारत तीनों फॉर्मेट के 'वर्ल्ड कप' का फाइनल खेला और एक में चैंपियन भी बना। भारत ने साल 2023 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल खेला। साल 2024 में टीम राहुल द्रविड़ के कोच रहते हुए ही टी20 वर्ल्ड चैंपियन बनी। हालांकि राहुल द्रविड़ को साल 1998 में बतौर खिलाड़ी अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

बच्चा रहे हमेशा कॉंफिडेंट इसके लिए उसे बोलना सिखाएं ये 5 स्ट्रॉंग लाइंस

कभी खुद को नहीं समझेगा किसी से कम
ऐसी कई पंक्तियां हैं जो अगर बच्चा रोजाना खुद से कहने लगेगा तो उसका आत्मविश्वास भी तेजी से बढ़ेगा. जानिए कौनसी हैं ये कॉंफिडेंस बढ़ाने वाली बातें.

बहुत से बच्चे कम उम्र से ही कॉंफिडेंट होते हैं. उन्हें किसी के सामने कुछ कहने या करके दिखाने में झिझक नहीं होती और ये बच्चे जीवन के हर क्षेत्र में आगे रहते हैं. लेकिन, इस कॉंफिडेंस की वजह क्या होती है? इस कॉंफिडेंस की वजह होती है बच्चे का खुद पर विश्वास करना. यह विश्वास बच्चों में अपने अंतर्मन में कही बातों से भी आता है तो कई बार माता-पिता की बातें बच्चों को आत्मविश्वासी बनाती हैं. अपने बच्चों को कॉंफिडेंट बनाने के लिए आप भी उन्हें ऐसी पॉजीटिव बातें बोलना सिखा सकते हैं जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ने लगे. खुद से ये स्ट्रॉंग लाइंस बोलकर ना सिर्फ बच्चों का कॉंफिडेंस बढ़ेगा बल्कि किसी भी मुश्किल घड़ी से निकलने का हौंसला भी उनमें आएगा.

फमैं जैसा हूं वैसे ही प्यार के काबिल हूंफ
बच्चे का सेल्फ कॉंफिडेंस बढ़ाने के लिए उसे यह पंक्ति सिखाई जा सकती है. बच्चों को समझाएं कि वे जैसे हैं वैसे ही मूल्यवान हैं और प्यार के काबिल हैं. अपनी सेल्फ वर्थ समझने के लिए उन्हें किसी की वेलिडेशन या रजामंदी की जरूरत नहीं है.

फमैं परेशानी का हल ढूंढ सकता हूंफ
किसी भी मुश्किल से निकलने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी होता है खुद पर विश्वास करना. माता-पिता को अपने बच्चे को यह बोलना जरूर सिखाना चाहिए कि वह किसी भी परेशानी का हल ढूंढ सकता है. जब कोई मुश्किल आए तो बच्चे को खुद से यह जरूर कहना चाहिए कि मैं किसी भी परेशानी का हल ढूंढ सकता हूं. बच्चे का आत्मविश्वास) बढ़ने लगेगा.

फमैं बहादुर हूं और मुझे हार नहीं माननी हैफ
किसी परिस्थिति से पार पाने के लिए और हमेशा अपना बेस्ट देते रहने के लिए बच्चे को यह पंक्ति खुद से जरूर कहनी चाहिए. इससे बच्चे में कॉंफिडेंस आता है. इससे बच्चा हार मानने के बजाय आगे बढ़ता जाता है.

फमेरे विचार मैटर करते हैंफ
कई बार बच्चे किसी काम को इसलिए नहीं करते या फिर किसी के सामने अपनी बात रखने से झिझकते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी बात का कोई मूल्य नहीं है. लेकिन, बच्चे को यह समझाना और यह कहना सिखाना जरूरी है कि उसके विचार मैटर करते हैं. जब बच्चे खुद से यह कहने लगते हैं तो आत्मविश्वास के साथ अपनी बात को आगे रखना भी शुरू कर देते हैं.

फमैं नई चीजें सीख सकता हूंफ
बच्चों को खुद से यह जरूर कहना चाहिए कि वह नई चीजें सीख सकते हैं. इससे बच्चे किसी काम को सीखने (स्ड्डद्धह्वड्डद्दद्ध) से घबराते नहीं हैं. बच्चों में इस पंक्ति को कहने पर नई चीजें सीखने का कॉंफिडेंस आता है.

क्या होती है लाइटहाउस पैरेंटिंग, टीनेजर्स की परवरिश में आजमा सकते हैं यह यूनिक तरीका

आप टीनेजर बच्चों के माता-पिता हैं तो आपने पैरेंटिंग के अलग-अलग तरीकों के बारे में तो सुना ही होगा. लेकिन, क्या आप लाइटहाउस पैरेंटिंग के बारे में जानते हैं? यहां जानिए लाइटहाउस पैरेंटिंग क्या होती है और टीनेजर्स की परवरिश में कैसे काम आती है.

परवरिश के अलग-अलग तरीकों में से ही एक है लाइटहाउस पैरेंटिंग. असल में लाइटहाउस पैरेंटिंग एक तरह की बैलेंस्ड पैरेंटिंग अप्रोच है जिसमें बच्चों को प्यार, सपोर्ट और गाइडेंस दी जाती है लेकिन साथ-साथ बाउंडरीज मेंटेन करना भी जरूरी होता है. इस पैरेंटिंग स्टाइल में माता-पिता बच्चे को एक सुरक्षित वातावरण देते हैं जिसमें बच्चे खुद को बेहतर तरह से एक्सप्रेस कर सकते हैं. इसमें बच्चे माता-पिता से अपने मन की बातें बिना डरे कह पाते हैं. यहां जानिए क्या होती है लाइटहाउस पैरेंटिंग और इसे कैसे आजमाया जा सकता है.

बनाएं क्लियर नियम
लाइटहाउस पैरेंटिंग में आपको क्लियर रूल्स बनाने होते हैं. आपको नियम बनाकर यह सुनिश्चित करना होता है कि बच्चे इन्हें गंभीरता से फॉलो करें. वहीं, स्पष्ट होना भी जरूरी है, जैसे अगर आप चाहते हैं कि बच्चा अपना फोन इस्तेमाल ना करे तो सीधेतौर पर उसे कहें कि फोन इस्तेमाल ना करे. तानों के जरिए बात कहने की कोशिस ना करें.

कमजोरियों पर ना करें निंदा
अगर बच्चे की कोई कमजोरी है तो उसकी सीधेतौर पर निंदा ना करें बल्कि समझें और उसे भी समझाएं कि कमजोरियों से सीखने की जरूरत होती है. चाहे गलती हो या फिर कोई कमी, इसे पूरा करने पर ध्यान दें ना कि बच्चे की निंदा करके उसका मनोबल कमजोर करें.

कोशिश के दें पूरे नंबर
किशोरावस्था ऐसी उम्र है जिसमें बच्चे अलग-अलग कामों को सीखने की कोशिश करते रहते हैं और अक्सर एक्सपेरिमेंट्स करते हैं. ऐसे में अगर बच्चे किसी काम में बुरे भी निकलते हैं और कभी-कभी उन्हें हार का मुंह भी देखना पड़ता है. ऐसे में बच्चे को उसकी कोशिश और एफर्ट्स के पूरे नंबर दें. रिजल्ट क्या निकला या क्या नहीं इससे ज्यादा जरूरी है बच्चे का हौंसला बढ़ाना.

बहुत ज्यादा कठोरना ना अपनाना
इस पैरेंटिंग स्टाइल में इस बात का ध्यान रखा जाता है कि माता-पिता बच्चे के साथ बहुत ज्यादा कठोरता नहीं बरत रहे हैं. इस उम्र में बच्चे से बहुत ज्यादा कठोर व्यवहार किया जाए तो बच्चों में एक तरह का डर गहराने लगता है जिससे वे अपनी परेशानियां तक पैरेंट्स से कहने से डरने लगते हैं.

हमेशा डांट-डंपटकर बच्चे को ना बनाएं दब्बू

इन तरीकों से बढ़ाएं बच्चे का कॉंफिडेंस

अगर आपको भी अपने बच्चे में कॉंफिडेंस की कमी नजर आती है तो यहां जानिए किस तरह उसमें आत्मविश्वास लाया जा सकता है. इस तरह बच्चे जीवन में कभी भी और किसी से भी पीछे नहीं रहते हैं.

माता-पिता चाहते हैं कि बच्चे जीवन में हमेशा आगे बढ़ते रहें, कक्षा में सबसे अच्छा प्रदर्शन दिखाएं, दोस्तों के बीच पॉपुलर रहें और कभी उन्हें किसी से कमतर महसूस ना हो. ऐसे में पैरेंट्स बच्चों को अक्सर अनुशासित करने के लिए डांट-डंपट भी देते हैं. लेकिन, इस सख्ती से होता यह है कि बच्चे का कॉंफिडेंस कम होने लगता है और वह झेंपने लगता है. ऐसे में बच्चे की परवरिश में यह गलती आप बिल्कुल भी ना करें बल्कि उसे वो काम सिखाएं या इस तरह उससे बर्ताव करें जिससे वह आत्मविश्वासी बने और किसी मुश्किल से कभी घबराए नहीं.

किसी काम को करने का सिखाएं सही तरीका
अक्सर ही बच्चों में कॉंफिडेंस की कमी इसलिए देखी जाती है क्योंकि उन्हें कोई काम सही तरह करने में दिक्कत होती है या फिर वे इस काम को सही तरह से करना नही जानते जिसकी वजह से उनकी खिल्ली उड़ाई जाती है. ऐसे में आप बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उसे इन कामों को सही तरह से करना सिखा सकते हैं. इससे अपने यार-दोस्तों के सामने भी बच्चे का कॉंफिडेंस बना रहता है.

बच्चे के विचारों को दबाएं नहीं - पैरेंट्स एक आम गलती यह कर देते हैं कि जब बच्चा अपने विचार उनके सामने रखता है तो वे उसकी बातों पर ध्यान नहीं देते. कई बार तो यह भी होता है कि बच्चा अगर थोड़ा भी खुलकर व्यवहार करता है तो पैरेंट्स उसे यह कहकर चुप करवा देते हैं कि इतराओ मत. ऐसे में बच्चे अपने आपको एक्सप्रेस करने से कतराने लगते हैं.

करें बच्चे की सराहना - बच्चा किसी चीज में बुरा होगा तो ऐसे भी बहुत से काम होंगे जिसमें वह सबसे अच्छा होगा या फिर जिन कामों को वह अच्छी तरह कर सकता है. इसीलिए बच्चे की सराहना करना जरूरी है. बच्चे को इससे कॉंफिडेंस मिलता है और वह खुद को बेहतर करने की तरफ अग्रसर होता है.

घर पर ही करवाएं कॉंफिडेंस बढ़ाने वाली एक्टिविटीज - आप बच्चे को घर में ही अपने मन की बात कहने के लिए, सबके सामने कुछ गाकर सुनाने या डांस करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं. बच्चे को जो कुछ अच्छा लगता है वह सभी के सामने करके दिखाने में कंफर्टेबल है या नहीं उससे पूछें. धीरे-धीरे बच्चे अगर घर के सदस्यों के सामने बोलना या अपनी खूबिया दिखाना शुरू करते हैं तो बाहरी लोगों के सामने भी उन्हें कॉंफिडेंट महसूस होने लगता है.

इन 5 वजहों से माता-पिता की बात नहीं सुनते हैं बच्चे, समय रहते ध्यान देना है जरूरी

अक्सर ही बच्चे माता-पिता की बात को सुनकर भी अनसुना कर देते हैं. ऐसे में पैरेंट्स को यह समझना जरूरी है कि बच्चे के इस तरह बर्ताव करने की क्या वजह हो सकती है.

बच्चों की परवरिश करना कोई आसान काम नहीं होता है. पैरेंट्स बच्चों के बड़े होने तक खुद भी जीवन से जुड़ी अनेक नई बातें सीखते हैं और लगातार सीखते जाते हैं. लेकिन, इस पूरे सफर में पैरेंट्स ऐसी गलतियां भी करते हैं जिनसे बच्चे की परवरिश पर असर पड़ता है. कई बार माता-पिता को यह देखकर हैरानी होती है कि बच्चे उनकी बात नहीं सुन रहे हैं या बात को सुनकर नजरअंदाज कर देते हैं. ऐसे में कई बार पैरेंट्स को यह समझने में दिक्कत होती है कि बच्चों के इस बर्ताव की क्या वजह है. अगर आप भी बच्चों के इसी व्यवहार से परेशान हैं तो यहां जानिए किन वजहों से बच्चे माता-पिता की बात को अनसुना करने लगते हैं.

जरूरत से ज्यादा सख्ती
अगर माता-पिता बच्चे पर जरूरत से ज्यादा सख्ती करने लगते हैं तो बच्चे उनकी बात सुनना बंद कर देते हैं. बच्चों को लगने लगता है कि पैरेंट्स की सख्ती से बचने का तरीका है उनकी बात ना मानना और आखिर में किसी भी बात को सुनने से इंकार कर देना. ऐसा बच्चे ज्यादातर पैरेंट्स से बदला लेने के लिए करते हैं.

हमेशा चिल्लाकर बात करना
पैरेंट्स अगर बच्चे पर हर समय ही चिल्लाते रहते हैं और उससे किसी भी काम को करने के लिए चिल्लाकर ही बात करते हैं तो इससे बच्चा घबरा जाता है. बच्चे को लगता है कि चुप रहकर और बातों को अनसुना करके ही खुद को प्रोटेक्ट कर सकते हैं.

बहुत ज्यादा नियम
बच्चों पर अलग-अलग और ढेर सारे नियम थोप दिए जाने पर भी उन्हें अच्छा नहीं लगता है. बच्चे इन नियमों से तंग आकर पैरेंट्स की एक भी बात सुनना पसंद नहीं करते हैं और सोचते हैं कि इन नियमों के जवाब में अब वे हर काम को और हर बात को अनसुना कर देंगे.

अटेंशन के लिए भी करते हैं
कई बार बच्चे माता-पिता की बात इसलिए नहीं सुनते क्योंकि उन्हें अटेंशन चाहिए होता है. माता-पिता बच्चे पर ध्यान दें और उसके इस व्यवहार के लिए उससे आकर सवाल-जवाब करें इसीलिए बच्चे पैरेंट्स की बात नहीं सुनते, उन्हें इग्नोर करते हैं और उनसे उखड़ा-उखड़ा रवैया अपनाने लगते हैं.

बच्चे को होता है सेल्फ डाउट और खुद को समझता है सबसे कमतर

तो पैरेंट्स इन 4 तरीकों से बढ़ाएं उसका कॉंफिडेंस

आपका बच्चा अगर खुद पर विश्वास नहीं करता है और सेल्फ डाउट से घिरा रहता है तो यहां जानिए किस तरह उसका आत्मविश्वास बढ़ाया जा सकता है.

माता-पिता को अक्सर लगता है कि बच्चों को जीवन में किसी तरह की परेशानी नहीं होती या फिर बच्चों पर कोई जिम्मेदारी नहीं होती इसीलिए उन्हें हर स्थिति में खुश रहना चाहिए. लेकिन, ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनसे बच्चे अकेले गुजरते रहते हैं. बच्चे खुद की तुलना दूसरे बच्चों से करने लगते हैं, हर किसी की डांट सुनकर खुद को सबसे कम समझने लगते हैं, उनपर अच्छी परफोर्मेंस का प्रेशर होता है तो साथ ही उनकी भावनाएं कई बार माता-पिता या दोस्त कोई नहीं समझ पाता जिससे बच्चे खुद को अकेला महसूस करते हैं. इसके अलावा, अक्सर ही बच्चे सेल्फ डाउट में पड़ जाते हैं और अपना आत्मविश्वास खो देते हैं. ऐसे में माता-पिता बच्चे को समझते हुए उसे इस दुविधा से निकालने की कोशिश कर सकते हैं. अगर आपको लगता है कि आपका बच्चा सेल्फ डाउट में रहता है, कॉंफिडेंट फील नहीं करता और खुद को दूसरे बच्चों से कम समझता है तो यहां जानिए किस तरह बच्चे के आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद की जा सकती है.

नकारात्मक बातों को दूर करना सिखाएं
बच्चे कई बार नकारात्मक और सकारात्मक बातों में अंतर करना नहीं जानते और इसीलिए कुछ बुरा भी हो तो उसे अपने अंदर दबाए रखते हैं. यही नकारात्मक बातें बच्चों को अंदर ही अंदर खाने लगती हैं. ऐसे में बच्चों को सिखाएं कि किस तरह नकारात्मक बातों को पहचानकर उनसे दूरी बनाई जा सकती है. नकारात्मक भावनाओं को दूर करके ही सेल्फ डाउट से छुटकारा पाया जा सकता है.

स्ट्रेंथ पर फोकस करना
बच्चे को उसकी स्ट्रेंथ पर फोकस करना सिखाएं. जिन कामों में बच्चा अच्छा है उन कामों में खुद को वह और कैसे बेहतर बनाए और किस तरह अपनी सफलताओं से कॉंफिडेंट महसूस करे यह उसे बताएं. इससे आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है, साथ ही बच्चों में सकारात्मक विचारों का संचार होता है.

हार लेकर ना बैठना
बच्चा अगर अपनी गलतियों या हार के बोझ तले बैठा रहेगा तो यकीनन इससे उसका आत्मविश्वास कम होगा. ऐसे में बच्चे को सिखाएं कि जीवन में जीत और हार लगे रहते हैं, लेकिन हार को लेकर बैठना और खुद को हारा हुआ महसूस करना सही नहीं है. हार से सीखना और आगे बढ़ते रहना जरूरी होता है.

आत्मनिर्भर होना
अगर बच्चे को लगता है कि वह कोई भी काम खुद से नहीं कर सकता या फिर उसे हर काम को करने के लिए किसी की जरूरत है, तो यह उसकी लो सेल्फ एस्टीम को दर्शाता है. ऐसे में पैरेंट्स के लिए जरूरी है कि वे कम उम्र से ही बच्चे को आत्मनिर्भर होना सिखाएं. कम से कम छोटे-मोटे काम और जिम्मेदारियां बच्चा खुद उठाने लगे जिससे उसके सेल्फ कॉंफिडेंस में वृद्धि हो.

संक्षिप्त समाचार

सऊदी अरब में नशा तस्करी पर 6 ईरानी नागरिकों को मृत्युदंड

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब ने मादक पदार्थों की तस्करी के जुर्म में ईरान के छह लोगों के मृत्युदंड पर तामीली की है। ईरान ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति जताई और सऊदी राजदूत को तलब किया। सऊदी अरब के गृह मंत्रालय ने कहा, छह लोगों को देश में हशीश की तस्करी करते हुए पकड़ा गया था और देश के सुप्रीम कोर्ट की ओर से एक अपील खारिज होने के बाद उन्हें मौत की सजा दे दी गई। उसने यह जानकारी नहीं दी कि ईरान के नागरिकों को यह सजा कब और कहां दी गई।

प्रोस्टेट सर्जरी के बाद नेतन्याहू की अस्पताल से छुट्टी

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू (75) को बृहस्पतिवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उनकी प्रोस्टेट सर्जरी सफल रही। उनके कार्यालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, पीएम नेतन्याहू को अभी-अभी हदासा ऐन केरेम अस्पताल से प्रोस्टेट की सफल सर्जरी के बाद छुट्टी दे दी गई है। वह स्वस्थ हैं। प्रोस्टेट सर्जरी के बाद वे पूरी तरह से होश में हैं।

नवाज शरीफ के पोते की शादी में परिवार सहित शामिल हुआ प्रसिद्ध भारतीय उद्योगपति

लाहौर, एजेंसी। भारतीय उद्योगपति के परिवार सहित पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के पोते की शादी में शामिल होने के बाद कई तरह के सवाल उठने लगे हैं।पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के एक नेता ने बृहस्पतिवार को बताया कि भारत के प्रसिद्ध उद्योगपति सज्जन जिंदल ने अपने परिवार के साथ लाहौर में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के पोते की शादी में शिरकत की। जेएसडब्ल्यू स्टील के प्रबंध निदेशक जिंदल उन 700 स्थानीय और विदेशी मेहमानों में शामिल थे जिन्होंने रविवार को शरीफ के पोते जायद हुसैन नवाज के विवाह समारोह में उनके लाहौर स्थित जाति उमरा रायविंड आवास में शिरकत की। सत्तारूढ़ पीएमएल-एन पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि इस समारोह में कई अन्य भारतीय भी शामिल हुए। जिंदल परिवार के शरीफ परिवार के साथ मजबूत संबंध हैं और कथित तौर पर इसने नवाज शरीफ के बेटे हुसैन नवाज को खाड़ी में इस्पात मिल स्थापित करने में मदद की थी। शरीफ परिवार ने भारतीय मेहमानों, विशेष रूप से जिंदल परिवार की एक दिन की यात्रा को बहुत साधारण रखा।

आखिरकार बातचीत के रास्ते पर लौटा इस्राइल

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल ने हमास और हिजबुल्ला की कमर तोड़ दी है, लेकिन इसके बावजूद इस्राइल अभी तक अपने बंधकों को नहीं छुड़ा पाया है। यही वजह है कि अब इस्राइल की सरकार बातचीत के जरिए अपने बंधकों को छुड़ाने की कोशिशों में जुट गई है। इस्राइल का एक प्रतिनिधिमंडल आज कतर दौरे पर जाएगा। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने एक प्रतिनिधिमंडल को कतर जाने की मंजूरी दे दी है। ये प्रतिनिधिमंडल बंधकों को छुड़ाने के लिए बातचीत करेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस्राइल और हमास के बीच बीते कुछ दिनों से बंधकों को छुड़ाने के लिए बातचीत की सहमति बन रही थी। कतर जा रहे प्रतिनिधिमंडल में इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद, शिन बेत और इस्राइली सेना आईडीएफ के अधिकारी शामिल होंगे। हमास की तरफ से भी एक प्रतिनिधिमंडल के कतर की राजधानी दोहा पहुंचने की उम्मीद है। बंधकों को छुड़ाने के लिए आंदोलन कर रहे द होस्टेज एंड मिसिंग फैमिलीज फोरम ने नेतन्याहू के फैसले का स्वागत किया। फोरम ने कहा कि हमें इस अवसर की खिड़की से नहीं चूकना चाहिए। करीब 100 बंधक हमास की कैद में हैं। बीते नवंबर में कतर ने भी खुद को बातचीत से अलग कर लिया था। कतर ने आरोप लगाया था कि इस्राइल और हमास बातचीत के इच्छुक नहीं हैं। हालांकि पर्दे के पीछे से कोशिशें जारी रहीं और अब अचानक से प्रतिनिधिमंडल के कतर जाने से उम्मीदें बंधी हैं। हमास के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि इस बार दोनों पक्षों के बीच सहमति बन जाएगी। हमास द्वारा बंधकों को छोड़ने की शर्त है कि लड़ाई पर रोक लगे। हालांकि इस्राइल इसके लिए तैयार नहीं है।

2025 को लेकर निकोलस औजला 6 डरावनी भविष्यवाणियां, तीसरा विश्व युद्ध और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा

वाशिंगटन/लंदन एजेंसी।
साल 2025 की शुरुआत हो चुकी है और जैसे ही नया साल आया है, लोगों की यह इच्छा होती है कि वे जानें कि इस साल दुनिया में और उनके देशों में क्या होने वाला है। अब तक लोगों ने 16वीं सदी के नास्त्रेदमस, बाबा वेंगा और द लिविंग नास्त्रेदमस जैसी भविष्यवाणियां सुनी होंगी, लेकिन इनके अलावा एक और भविष्यवक्ता हैं, जिनकी भविष्यवाणियां अब तक सही साबित हो चुकी हैं।

यह शख्स कोई और नहीं, बल्कि लंदन के 38 साल के मशहूर हिप्नोथेरेपिस्ट और मनोवैज्ञानिक निकोलस औजला हैं। निकोलस औजला ने 2018 में कोविड-19 महामारी की भविष्यवाणी की थी, जो सच साबित हुई। अब उन्होंने 2025 के लिए भी कुछ भविष्यवाणियां की हैं, जो बेहद चौंकाने और डराने वाली हैं। निकोलस का कहना है कि साल 2025 में तीसरा विश्व युद्ध होने की संभावना बहुत अधिक है। उनका मानना है कि इस साल दुनिया में भारी उथल-पुथल मचने वाली है। लोग एक-दूसरे के खिलाफ हिंसा में लिप्त होंगे और धार्मिक व राष्ट्रवादी हिंसा बढ़ेगी। इसके साथ ही वैश्विक उथल-पुथल के कारण तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता है। इसके अलावा राजनीति में अस्थिरता और मुद्रास्फीति (महंगाई) में बढ़ोतरी भी इस साल परेशानी का कारण बनेगी।

औजला ने यह भी कहा कि इस साल विज्ञान, विशेष रूप से चिकित्सा क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाएगा। उनका कहना है कि इस साल लैब में मानव अंग बनाए जाएंगे, जो चिकित्सा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। हालांकि, इसके साथ ही प्राकृतिक आपदाएं भी तबाही मचाएंगी। भारी बारिश और समुद्र में पानी के बढ़ते स्तर के कारण कई शहरों और गांवों में बाढ़ आ सकती है। लाखों लोग विस्थापित होंगे और उनके घर नष्ट हो जाएंगे।

निकोलस औजला का यह भी कहना है कि इस साल ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के राजनीतिक करियर का पतन हो जाएगा। मुद्रास्फीति अपने चरम पर पहुंच जाएगी। इसके अलावा, ब्रिटिश शाही परिवार में प्रिंस विलियम और प्रिंस हैरी के बीच का विवाद सुलझ जाएगा और वे फिर से एक-दूसरे के साथ आ जाएंगे।

निकोलस औजला का दावा है कि जब वह 17 साल के थे, तब एक एक्सीडेंट के कारण उन्हें कोमा में जाना पड़ा। कोमा में रहते हुए उन्होंने कई स्वप्न देखे, जिनमें उन्हें अपने पिछले जन्मों की झलक मिली। उन्हें सपने में यह महसूस हुआ कि वह पिछले जन्म में मिस्र की रानी, चीन में एक दर्जी, हिमालय में एक नन, अफ्रीका में एक चुड़ैल और शेर के रूप में भी जन्मे थे, जब वह कोमा से जागे, तो उन्होंने महसूस किया कि उनके पास भविष्य और भूतकाल देखने की अद्भुत शक्ति है। इसके बाद उन्होंने भविष्य को देखना शुरू किया और उनकी भविष्यवाणियां सच साबित होने लगीं। निकोलस का मानना है कि उनके पास पुनर्जन्म का अनुभव है और इसी कारण उनकी भविष्यवाणियों में सटीकता होती है। अब यह देखना होगा कि 2025 के लिए की गई उनकी भविष्यवाणियां कितनी सच साबित होती हैं।

मछली के प्रोटीन से फिर धड़केगा दिल, हार्ट के मरीजों के लिए वरदान साबित होगी!

नीदरलैंड्स, एजेंसी।
अब मछली के प्रोटीन से फिर धड़केगा दिल जोकि हार्ट के मरीजों के लिए वरदान साबित होगी। नीदरलैंड्स के वैज्ञानिकों को दिल की बीमारियों के इलाज में एक अहम सफलता मिली है। शोधकर्ताओं ने हार्ट की मरम्मत के लिए एक नई तकनीक का विकास किया है जो भविष्य में दिल की बीमारियों से जूझ रहे लाखों लोगों के लिए वरदान साबित हो सकती है।

इस खोज में प्रमुख भूमिका निभाने वाले वैज्ञानिकों ने जेब्राफिश में पाए जाने वाले प्रोटीन एचएमजीए-1 की मदद से दिल की मरम्मत करने का तरीका ढूंढ निकाला है। इस प्रोटीन की मदद से दिल में निष्क्रिय पड़े जीन को सक्रिय किया जा सकता है जिससे दिल की कार्यक्षमता को फिर से बहाल किया जा सकता है।

नेचर कार्डियोवैस्कुलर रिसर्च में प्रकाशित इस शोध के अनुसार हुब्रेक्ट इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने यह प्रोटीन खोजा। इसका परीक्षण चूहों पर किया गया और परिणाम अत्यंत सकारात्मक रहे। वैज्ञानिकों ने देखा कि एचएमजीए-1 प्रोटीन ने चूहों के दिल में निष्क्रिय पड़े जीन को सक्रिय किया जिससे दिल की मरम्मत शुरू हो गई।

कैसे काम करता है यह प्रोटीन?: वैज्ञानिकों ने बताया कि यह प्रोटीन चूहों में दिल की मांसपेशी कोशिकाओं को फिर से सक्रिय करता है जो दिल के दौरे या अन्य कारणों से कमजोर हो जाती हैं। इससे दिल की क्षमता पहले जैसी हो जाती है और वह सामान्य रूप से रक्त पंप करने में सक्षम होता है।

जेब्राफिश की भूमिका: यह शोध इस तथ्य पर आधारित था कि जेब्राफिश अपनी चोटों के बाद अपने दिल की मरम्मत करने में सक्षम होते हैं। वैज्ञानिकों ने इस क्षमता को समझते हुए एचएमजीए-1 प्रोटीन को दिल की मरम्मत के लिए एक अहम तत्व के रूप में पहचाना। जेब्राफिश में यह प्रोटीन दिल को पूरी तरह ठीक करने में मदद करता है और अब इसी प्रक्रिया को चूहों पर सफलतापूर्वक लागू किया गया है।

किसे मिलेगा फायदा?: दुनिया भर में लाखों लोग दिल के दौरे से प्रभावित होते हैं और हार्ट की मांसपेशी कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं। इससे हार्ट को रक्त पंप करने में कठिनाई होती है और दिल के कामकाज में कमी आ जाती है। इस खोज से ऐसे मरीजों को राहत मिल सकती है क्योंकि एचएमजीए-1 प्रोटीन की मदद से इन निष्क्रिय कोशिकाओं को फिर से सक्रिय किया जा सकता है जिससे दिल की कार्यक्षमता बेहतर हो सकती है।

बता दें कि यह खोज दिल की बीमारियों के इलाज में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है। जेब्राफिश की तरह अगर इंसानों में भी यह तकनीक सफल होती है तो भविष्य में दिल के मरीजों के लिए यह एक क्रांतिकारी इलाज हो सकता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि आने वाले समय में इस तकनीक से दिल की बीमारियों से जूझ रहे लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है।

इजरायल ने भारतीयों के लिए खोले दरवाजे, 16,000 को दी नौकरी, हजारों अवसर अभी भी उपलब्ध

येरूसलम, एजेंसी। इजरायल में हाल ही में हमास के आतंकी हमले के बाद से स्थिति काफी बदल गई है। इस हमले के कारण इजरायल ने फिलिस्तीन पर जोरदार हमला किया, जिससे वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। इस संकट के समय में, इजरायल में काम करने वाले भारतीय कामगारों की संख्या तेजी से बढ़ी है। फिलिस्तीन के कामगारों की जगह भारतीय कामगारों ने ले ली है। इजरायल सरकार का लक्ष्य अब भारतीय कामगारों की संख्या 50 हजार तक पहुंचाने का है।

इजरायल में फिलिस्तीन के कामगारों की कमी के कारण अब भारतीय कामगारों की संख्या में वृद्धि हुई है। इजरायल दूतावास के अनुसार, हमास के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से 10,000 से अधिक भारतीय कामगारों को रोजगार मिला है। इन भारतीय कामगारों को फिलिस्तीनियों के मुकाबले अधिक सैलरी मिल रही है। इजरायल में भारतीय कामगारों की मुख्यतः कंस्ट्रक्शन उद्योग में ज्यादा संख्या है, लेकिन अब वे कृषि और अन्य क्षेत्रों में भी काम कर रहे हैं। इजरायल के राजदूत रूविन अजार ने कहा कि इजरायल में भारतीय कामगारों को भारत के मुकाबले तीन गुना ज्यादा सैलरी मिलती है। युद्ध से पहले मार्च 2023 में भारत और इजरायल के बीच एक समझौता हुआ था, जिसमें भारतीय कामगारों को इजरायल में काम करने का मौका दिया गया था। इस समझौते के बाद से भारतीय कामगारों की संख्या इजरायल में तेजी से बढ़ी है। रूविन अजार ने कहा कि इजरायल का लक्ष्य भारतीय कामगारों की संख्या को 50 हजार तक पहुंचाने का है। पिछले एक साल में कंस्ट्रक्शन सेक्टर में 16 हजार भारतीय इजरायल गए हैं, और अभी भी इजरायल को मैन पावर की भारी जरूरत है।

पूरे देश को किराये पर लेने का मौका

स्विट्जरलैंड, एजेंसी। क्या आप सोच सकते हैं कि घर, कार, या यहां तक कि इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ-साथ आप पूरे देश को भी किराये पर ले सकते हैं? सुनने में अजीब जरूर लगता है, लेकिन ये सच है। यूरोप के छोटे लेकिन बेहद खूबसूरत देश लिकटेनस्टाइन को एक वक्त पर किराये पर लिया जा सकता था। यह देश स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रिया के बीच स्थित है और अपने शांत वातावरण और अमीरी के लिए जाना जाता है।

लिकटेनस्टाइन में सिर्फ 40,000 लोग रहते हैं और इसका क्षेत्रफल दिल्ली या मुंबई से भी छोटा है। यह देश इतना अनोखा है कि इसे 2011 तक सिर्फ 70,000 डॉलर (लगभग 60 लाख रुपये) में किराये पर बुक किया जा सकता था। एयरबीएनबी ने इसे बुकिंग के लिए लिस्ट किया था। यह एक मार्केटिंग और प्रोडक्शन कंपनी की अनूठी पहल थी, जो इसे किराये पर देकर एक प्राइवेट ईवेंट की तरह इस्तेमाल करने का मौका देती थी। हालांकि, साल 2011 के बाद इस अनोखी सुविधा को बंद कर दिया गया। इसकी जानकारी हाल ही में एक वायरल वीडियो के जरिए इंस्टाग्राम पर दी गई। नामक अकाउंट ने इस पर एक वीडियो पोस्ट किया।

भूकंप के तेज झटकों से थर्राया चिली, रिक्टर स्केल पर 6.1 रही तीव्रता

एंटोफगास्टा एजेंसी।
चिली के एंटोफगास्टा क्षेत्र में रिक्टर स्केल पर 6.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे पूरे क्षेत्र में हलचल मच गई। यूरोपीय-मेडिटेरेनियन सिस्मोलॉजिकल सेंटर के अनुसार, इस भूकंप का केंद्र पृथ्वी की सतह से 104 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। गहराई के बावजूद, भूकंप के झटके क्षेत्र में स्पष्ट रूप से महसूस किए गए।

हालांकि, अब तक किसी बड़ी हानि या जनहानि की सूचना नहीं मिली है। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियों ने नागरिकों से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर बने रहने की अपील की है। अधिकारियों ने स्थिति पर नजर रखते हुए संभावित आफ्टरशॉक्स को लेकर भी चेतावनी जारी की है। विशेषज्ञों के अनुसार, भूकंप के बाद आमतौर पर आफ्टरशॉक का खतरा रहता है, जो कभी-कभी मुख्य भूकंप जितना ही प्रभावी हो सकता है।

चिली भूकंप-प्रवण देशों में से एक है, जहां प्लेट टेक्टॉनिक्स के कारण अक्सर भूकंप आते हैं। इतिहास में यहां कई भीषण भूकंप दर्ज किए गए हैं। 1960 में वल्डिविया में आया 9.5 तीव्रता का भूकंप

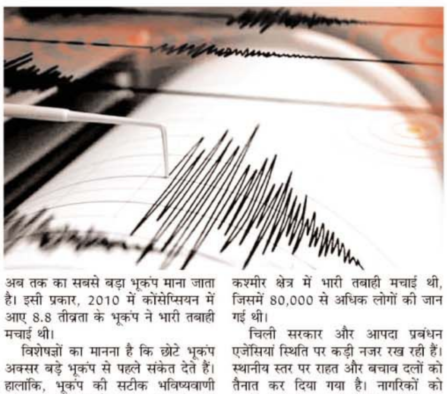

अब तक का सबसे बड़ा भूकंप माना जाता है। इसी प्रकार, 2010 में कोंसेप्सियन में आए 8.8 तीव्रता के भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी।

विशेषज्ञों का मानना है कि छोटे भूकंप अक्सर बड़े भूकंप से पहले संकेत देते हैं। हालांकि, भूकंप की सटीक भविष्यवाणी करना संभव नहीं है। 2005 का कश्मीर भूकंप इसका एक उदाहरण है। 7.6 तीव्रता के इस भूकंप ने पाकिस्तान और भारत के कश्मीर क्षेत्र में भारी तबाही मचाई थी, जिसमें 80,000 से अधिक लोगों की जान गई थी।

चिली सरकार और आपदा प्रबंधन एजेंसियां स्थिति पर कड़ी नजर रख रही हैं। स्थानीय स्तर पर राहत और बचाव दलों को तैनात कर दिया गया है। नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर बने रहने, अनावश्यक यात्रा न करने, और सरकारी दिशानिर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है।

शराब के नशे में धुत्त शख्स को घर ले जाता दिखा बैल

वीडियो हुआ वायरल

ओटावा, एजेंसी। सोशल मीडिया पर एक हैरान कर देने वाला वीडियो वायरल हो रहा है, जो पालतू जानवरों की वफादारी और समझदारी को बखूबी दिखाता है। यह वीडियो ब्राजील का है, जहां एक शख्स शराब के नशे में इस कदर धुत हो जाता है कि उसके कदम लड़खड़ाने लगते हैं। लेकिन उसके पालतू बैल ने उसकी जिम्मेदारी उठाई और उसे सकुशल घर पहुंचा दिया।

यह वीडियो एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर यूजर ने शेयर किया है। कैप्शन में लिखा गया, यह ब्राजील है। आदमी पीकर सुध-बुध खो बैठा है, लेकिन उसका बैल होश में है। उसे घर तक सकुशल ले गया। अगर आपके पास बैल नहीं है, तो एक पाल लीजिए। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इसे अब तक 6.4 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक शख्स शराब के नशे में पूरी तरह चूर होकर लड़खड़ाता हुआ नजर आता है। उसके पालतू बैल को जैसे अपने मालिक की हालत समझ

आ जाती है। बैल अपने सिर से शख्स को धीरे-धीरे धक्का देकर सही दिशा में ले जाता है। बैल की यह हरकत देखकर लोग चकित रह गए हैं। वीडियो में बैल की समझदारी और मालिक के प्रति उसकी वफादारी देखकर लोग इसे बार-बार देख रहे हैं।

लोग इस वीडियो पर खूब कमेंट कर रहे हैं। कोई बैल की तारीफ कर रहा है, तो कोई इसे सच्चा दोस्त कह रहा है। वहीं, कई लोग मजाकिया लहजे में कह रहे हैं कि अब शराबी लोगों को बैल पाल लेना चाहिए। यह वीडियो न केवल जानवरों की वफादारी को दिखाता है, बल्कि यह भी बताता है कि इंसान को अपनी आदतों पर नियंत्रण रखना चाहिए। शराब पीना कई बार खतरनाक स्थितियों को जन्म दे सकता है। लेकिन इस घटना ने यह जरूर साबित कर दिया है कि पालतू जानवर इंसानों के सबसे अच्छे साथी होते हैं।

न्यू ऑरलियंस का हमलावर आईएसआईएस का कट्टर समर्थन था, अकेले ही हमले को अंजाम दिया: बाइडन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि न्यू ऑरलियंस में नए साल के स्वागत का जश्न मना रहे लोगों पर हमला करने वाले व्यक्ति शम्सुद्दीन जब्बार ने अकेले ही इस घटना को अंजाम दिया और इस बात के संकेत मिले हैं कि वह आईएसआईएस का कट्टर समर्थक था। अमेरिका के न्यू ऑरलियंस में बुधवार तड़के नए साल के स्वागत का जश्न उस वक्त त्रासदी में बदल गया जब जब्बार ने जश्न मना रहे लोगों पर पिकअप ट्रक चढ़ा दिया। इस घटना में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 35 अन्य घायल हो गए। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने कहा कि वह मामले में आतंकवादी हमले के पहलू से जांच कर रही है। आरोपी टेक्सास राज्य का 42 वर्षीय पूर्व सैनिक था और वह स्थानीय पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया। बाइडन ने संवाददाताओं से कहा, ''एफबीआई ने आज मुझे बताया कि हमें अभी तक इस बात का कोई सबूत नहीं मिला है कि हमले में कोई और शामिल था। उन्हें पता चला है कि हमलावर वही व्यक्ति था जिसने भीड़ में अपनी गाड़ी घुसाने से कुछ घंटे पहले ही 'फ्रेंच क्वार्टर' में दो नजदीकी जगहों पर 'आइस कूलर' में विस्फोटक रखे थे।'' बाइडन ने कहा, ''उनका अनुमान है कि उसके वाहन में इन दो कूलर को उड़ाने के लिए रिमोट डेटोनेटर था।'' उन्होंने कहा, ''हमलावर ने हमले से कुछ घंटे पहले ही कई वीडियो पोस्ट किए थे, जिनसे पता चलता है कि वह आईएसआईएस का कट्टर समर्थक था।'' उन्होंने कहा कि संघीय कानून प्रवर्तन और खुफिया समुदाय मामले की सक्रिय जांच कर रहे हैं। बाइडन ने बृहस्पतिवार दोपहर कैंप डेविड से लौटने के तुरंत बाद अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ बैठक की। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि न्यू ऑरलियंस में हुए हमले और लॉस वेगास में हुए विस्फोट के बीच कोई संबंध है या नहीं।

पौष माह में भगवान शिव को क्या-क्या चढ़ाएं?

हिंदू धर्म में पौष माह को महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने के साथ-साथ उन्हें कुछ चीजें चढ़ाने का भी विधान है। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं कि भगवान शिव को क्या-क्या चढ़ाने से उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

पंचागं के हिसाब से पौष माह के दौरान सूर्यदेव की उपासना के साथ-साथ भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करने का भी विधान है। बता दें, पौष माह की पूर्णिमा को चंद्रमा जिस नक्षत्र में रहता है, उसी महीने का नाम भी उसी नक्षत्र पर रखा गया है। इसलिए पौष माह की पूर्णिमा को चंद्रमा पुष्य नक्षत्र के नाम से जाना जाता है। पौष माह में भग नामक सूर्यदेव साक्षात परब्रह्म के स्वरूप में माने जाते हैं। इसलिए शास्त्रों में इसे धर्म यश, ज्ञान और वैराग्य को भग कहा गया है। अब ऐसे में इस माह भगवान शिव की पूजा करने का विधान है।

भगवान शिव को चढ़ाएं अक्षत

शिवलिंग पर अक्षत चढ़ाने से धन की प्राप्ति होती है। ऐसा माना जाता है कि नियमित रूप से अक्षत चढ़ाने से घर में धन की वर्षा होती है। अखंड चावल अखंडता, पूर्णता और समृद्धि का प्रतीक है। शिवलिंग पर अखंड चावल चढ़ाने से जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है। अक्षत चढ़ाने से व्यक्ति को मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती हैं।

भगवान शिव को चढ़ाएं धतूरे

भगवान शिव को धतूरे चढ़ाना बेहज महत्वपूर्ण माना जाता है। अगर आपको कोई मनोकामना है, तो इस दिन अपनी इच्छा को बोलकर भगवान शिव को अर्पित कर दें। इससे व्यक्ति की मनोकामनाएं पूरी हो सकती है और सौभाग्य की प्राप्ति हो सकती है।

भगवान शिव को चढ़ाएं शमी के पत्ते

शमी का पेड़ शनि देव से भी जुड़ा हुआ है। ऐसी मान्यता है कि शमी के पत्ते चढ़ाने से शनि देव प्रसन्न होते हैं और शनि दोष से मुक्ति मिलती है। चूंकि शनि देव भगवान शिव के अनुयायी हैं, इसलिए शमी के पत्ते चढ़ाने से दोनों देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। शिवलिंग पर शमी के पत्ते चढ़ाने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम होता है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। शिव पुराण के अनुसार, शमी के पत्तों को शिव पूजा में शामिल करने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। शमी के पत्ते चढ़ाते समय ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें।

भगवान को चढ़ाए गए फूल या माला का तुरंत नीचे गिर जाना देता है ये संकेत

क्या कहता है ज्योतिष

हम सभी अलग-अलग तरीकों से ईश्वर के प्रति सम्मान दिखाते हैं, इनमें से ही एक तरीका है पूजा के समय भगवान को फूल या मालाएं अर्पित करना। कई बार ऐसा होता है कि फूल अर्पित करते ही नीचे गिर जाते हैं, जानें इसके कारण।

धार्मिक कार्यों और पूजा-पाठ में फूलों और मालाओं का विशेष महत्व होता है। ऐसे ही भगवान को अर्पित किए गए फूल और माला का भी पूजा में विशेष महत्व होता है। ऐसी मान्यता है कि फूल और माला हमारी श्रद्धा, भक्ति और समर्पण को व्यक्त करते हैं। क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि भगवान को चढ़ाए गए फूल या माला कई बार तुरंत गिर नीचे गिर जाते हैं? कई बार ऐसा होता है कि हम जो भी फूल या माला ईश्वर को समर्पित करते हैं वो तुरंत ही नीचे गिर जाते हैं।

इस बात को लेकर हमारे मन में ऐसे सवाल आते हैं कि क्या ये एक सामान्य घटना है या इसके कुछ ज्योतिष संकेत भी हो सकते हैं? दरअसल ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसके पीछे कुछ खास संकेत होते हैं जो आपकी जीवन स्थितियों, कर्मों और भविष्य के संकेतों की ओर इशारा करते हैं।

पूजा में चढ़े फूल और माला का धार्मिक महत्व भारतीय संस्कृति में फूलों का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व होता है। फूलों को शुद्धता, सौंदर्य और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। भगवान को अर्पित किए जाने वाले फूल न सिर्फ श्रद्धा का प्रतीक होते हैं, बल्कि ये प्रकृति से जुड़ने का एक तरीका भी माने जाते हैं। ऐसे में जब ये फूल या माला भगवान को चढ़ाने के बाद तुरंत गिर जाते हैं, तो इसे एक महत्वपूर्ण ज्योतिषीय संकेत माना जा सकता है। हम श्रद्धा से ईश्वर को फूल या माला अर्पित करते हैं और ये इस बात का प्रतीक होती है कि हम उनकी भक्ति में कितने लीन हैं।

ज्योतिषीय में क्या है ईश्वर को चढ़ाए फूल या माला के गिरने का मतलब

ज्योतिष के अनुसार, भगवान को चढ़ाए गए फूल या माला का गिरना एक संदेश या संकेत हो सकता है। इसे शुभ या अशुभ दोनों तरह के संकेतो के रूप में देखा जा सकता है। यह आपकी वर्तमान परिस्थितियों और कर्मों पर निर्भर करता है।

कर्म और श्रद्धा का प्रतिबिंब

भगवान को फूल या माला अर्पित करना हमारे कर्म और श्रद्धा का प्रतीक होता है। जब हम पूजा के दौरान भगवान को माला चढ़ाते हैं और वह तुरंत गिर जाती है, तो इसे एक संकेत के रूप में देखा जाता है कि हमारे कर्म या भक्ति में कोई कमी है। इसका अर्थ यह हो सकता है कि हमने पूजा करते समय पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ ध्यान केंद्रित नहीं किया। पूजा का उद्देश्य केवल शारीरिक रूप से कर्म करना नहीं है, बल्कि इसमें मानसिक और भावनात्मक समर्पण भी शामिल होता है। यह स्थिति इस बात की ओर इशारा करती है कि हमें अपने आंतरिक मन और भावनाओं में शुद्धता और समर्पण लाने की आवश्यकता है। पूजा के दौरान भगवान के प्रति पूरी श्रद्धा और सच्ची भावना के साथ प्रस्तुत होना जरूरी है ताकि भगवान हमारे कर्मों और भक्ति को स्वीकार कर सकें।

हो सकता है भगवान का संदेश

भगवान को अर्पित फूलों या माला का गिरना एक दिव्य संदेश हो सकता है। जब पूजा के दौरान भगवान को चढ़ाए गए फूल या माला अचानक गिरते हैं, तो इसे भगवान द्वारा भेजा गया संकेत माना जा सकता है। यह संकेत इस बात की ओर इशारा करता है कि भगवान आपकी प्रार्थनाओं को सुन रहे हैं और आपको सही दिशा में मार्गदर्शन देने का प्रयास कर रहे हैं।

कई बार यह घटना शुभ मानी जा सकती है, क्योंकि यह भगवान के साथ आपके संवाद का प्रतीक होते हैं। ऐसे में आपको अपने जीवन में कुछ आवश्यक और महत्वपूर्ण बदलाव करने की जरूरत है। भगवान के इन संकेतों को ध्यान में रखते हुए, हमें अपने जीवन में सकारात्मक कदम उठाने और उन बदलावों को अपनाने के लिए तैयार रहना चाहिए, जो हमारे व्यक्तिगत और आध्यात्मिक विकास के लिए आवश्यक हो सकते हैं।

राशि और ग्रहों की स्थिति का प्रभाव

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में ग्रहों की स्थिति या वर्तमान ग्रह दशा अशुभ होती है, तो ऐसे संकेत मिलना सामान्य माना जाता है। इसका संकेत यह हो सकता है कि ग्रहों की नकारात्मक ऊर्जा आपके जीवन पर प्रभाव डाल रही है, और इनका संतुलन सुधारने के लिए उपाय किए जाने चाहिए। इस तरह के संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, बल्कि इसे अपनी कुंडली के ग्रहों को मजबूत करने और उनकी शुभता प्राप्त करने का अवसर मानना चाहिए। ज्योतिषीय उपाय, जैसे विशेष मंत्रों का जाप, दान-पुण्य या पूजा-पाठ, ग्रहों के प्रभाव को सुधारने में सहायक हो सकते हैं।

आने वाले संकट या अवसरों का संकेत

भगवान को अर्पित माला या फूल का गिरना कभी-कभी आने वाले संकटों का संकेत माना जा सकता है। इसे भगवान द्वारा दी गई एक चेतावनी के रूप में देखा जाता है, जो हमें सचेत करता है कि हमारी जीवनशैली, निर्णयों या किसी खास दिशा में बदलाव की जरूरत है। यह संकेत इस बात का हो सकता है कि हमें अपने वर्तमान कर्मों पर ध्यान देने और अपनी योजनाओं को पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। यह भविष्य में आने वाली चुनौतियों से बचने या उनका सामना करने के लिए तैयार रहने का समय हो सकता है।

स्थान और समय का प्रभाव

भगवान को अर्पित किए गए फूल या माला का गिरना स्थान और समय के प्रभाव से भी जुड़ा हो सकता है। यदि पूजा गलत समय पर की गई हो, तो फूल या माला का गिरना एक सामान्य घटना मानी जाती है। इससे यह संकेत मिल सकता है कि पूजा का समय या स्थान उचित नहीं था। ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हर पूजा का एक शुभ समय और सही स्थान होना आवश्यक है ताकि पूजा का पूरा प्रभाव प्राप्त हो सके। पूजा के लिए दिन, तिथि, और मुहूर्त का विशेष महत्व होता है। यदि पूजा गलत समय पर की जाती है, तो इसका सकारात्मक परिणाम मिलना कठिन हो सकता है। अगर आपके द्वारा चढ़ाई गई फूल या माला बार-बार गिर जाती है तो आपको ईश्वर की सही तरीके से भक्ति करने की जरूरत है और अपनी गलतियों को सुधारने की भी आवश्यकता है। यदि घर में यह बार-बार हो रहा है तो पूजा स्थल की साफ-सफाई और सकारात्मक ऊर्जा का ध्यान रखें।

मां लक्ष्मी को केले के पत्ते पर भोग लगाने का क्या है महत्व

हिंदू धर्म में भोग लगाना एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। इसे प्रसाद चढ़ाना भी कहा जाता है। यह भक्ति का एक रूप है जिसमें भक्त भगवान को भोजन अर्पित करते हैं। ऐसा माना जाता है कि भगवान को प्रसाद चढ़ाने से वे प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। भक्त भोग के माध्यम से भगवान के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। वे मानते हैं कि जो कुछ भी उनके पास है, वह भगवान की कृपा से ही है। भोग लगाने से भक्तों को पवित्रता का बोध होता है। भगवान के लिए बनाया गया भोजन पवित्र होता है। इतना ही नहीं, भोग लगाने के साथ-साथ देवी-देवताओं को किस पात्र में लगाना उत्तम फलदायी माना जाता है। अब ऐसे में माता लक्ष्मी को केले के पत्ते में भोग लगाने का महत्व क्या है।

केले के पत्ते का धार्मिक महत्व क्या है?

केले के पत्ते को हिंदू धर्म में बहुत पवित्र माना जाता है और इसका उपयोग विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में किया जाता है। इसे पूजा में अत्यधिक महत्व दिया जाता है। केले के पत्ते को शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। इसे देवताओं को अर्पित किया जाने वाला भोजन परोसने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। केले का पेड़ प्रकृति से जुड़ा हुआ माना जाता है। यह फल और छाया दोनों प्रदान करता है। इसलिए, केले के पत्ते को प्रकृति की पूजा से भी जोड़ा जाता है। हिंदू धर्म में, विष्णु जी को केले का पेड़ बहुत प्रिय माना जाता है। इसलिए, विष्णु जी से जुड़े सभी अनुष्ठानों में केले के पत्ते का उपयोग किया जाता है। कुछ मान्यताओं के अनुसार, केले के पत्ते वास्तु दोष को दूर करने में भी सहायक होते हैं। इन्हें घर के मुख्य द्वार पर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

मां लक्ष्मी को केले के पत्ते में भोग लगाने की मान्यता

मां लक्ष्मी को धन की देवी माना जाता है। केले का पेड़ भी समृद्धि का प्रतीक है। इसलिए, केले के पत्ते में भोग लगाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन-धान्य की वृद्धि होती है। इतना ही नहीं, केले के पत्ते का संबंध भगवान विष्णु से भी है और मां लक्ष्मी उनकी अर्धांगिनी हैं। इसलिए मां लक्ष्मी को केले के पत्ते पर भोग लगाने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति होती है। साथ ही भगवान विष्णु की कृपा भी बनी रहती है। इसलिए केले के पत्ते पर भोग जरूर लगाएं।

पितृ दोष, मंगल दोष, राहु-केतु दोष दूर करता है हनुमान चालीसा का पाठ

मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ करने के बहुत से चमत्कारिक फायदे बताए गए हैं। बजरंगबली की पूजा करने से हमें बल, बुद्धि और विद्या की प्राप्ति होती है और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। आज हम आपको बता रहे हैं हनुमान चालीसा के असरदार उपाय जो आपके आर्थिक कष्ट दूर करने और परिवार में सुख शांति स्थापित करने के साथ ही आपकी कुंडली में मंगल की स्थिति को मजबूत करते हैं। मंगलवार का दिन हनुमानजी की पूजा करने के लिए सबसे शुभ माना गया है और इस दिन हनुमान चालीसा के उपाय करने से आपके घर में सुख शांति बढ़ती है। आपके धन में वृद्धि होती है और आप सभी कष्टों से दूर रहते हैं। हनुमान चालीसा का पाठ करने से पितृ दोष, मंगल दोष, राहु-केतु दोष दूर होते हैं। हनुमानजी को शिवजी का अवतार माना गया है। कहते हैं हनुमानजी अजर और अमर हैं और कलियुग में भी मौजूद हैं। इसलिए हनुमानजी की पूजा करने से वह जल्द ही सबकी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। आइए देखते हैं हनुमान चालीसा के कुछ असरदार उपाय।

घर से क्लेश मिटाने के लिए हनुमान चालीसा का उपाय

अगर आप भी अपने घर में रोजाना के होने वाले झगड़े और क्लेश से परेशान हैं तो मंगलवार और शनिवार की शाम को हनुमान मंदिर में जाकर गुड़ और चने का दान करें। उसके बाद मंदिर में बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करें। हनुमान चालीसा शुरू करने के आधा घंटे पहले और आधा घंटे बाद तक किसी से बात न करें और मन में सच्ची श्रृद्धा के साथ हनुमान चालीसा का पाठ करें। ऐसा करने से आपके परिवार में सुख शांति रहती है और आपस में प्रेम भाव बढ़ता है।

शनि ग्रह की पीड़ा से मुक्ति के लिए हनुमान चालीसा का उपाय

अगर आपकी कुंडली में शनि का दोष है तो हनुमानजी की पूजा करने से आपको काफी हद तक शनि ग्रह की पीड़ा से मुक्ति मिल सकती है। मंगलवार और शनिवार को सुबह स्नान करने के बाद सबसे पहले हनुमान चालीसा का पाठ करके अपने काम पर जाएं। शाम को लौटकर मंदिर में जाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें।

आर्थिक समस्याओं से मुक्ति के लिए हनुमान चालीसा का उपाय

मंगलवार की शाम को सवा किलो गुड़ लेकर उसको 11 भागों में बांट लें। शाम को प्रदोष काल में मंदिर में जाकर पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ करें और हर बार पाठ खत्म होने पर गुड़ का एक भाग दान करते जाएं। इस तरह पूरे 11 बार पाठ करें और मंदिर में गुड़ पूरा दान करके घर आ जाएं। ऐसा करने से आपकी आर्थिक समस्याएं दूर होती हैं और करियर कारोबार में तरक्की होती है।

बार-बार चोट लगती है तो करें हनुमान चालीसा का पाठ

अगर आपके साथ पिछले कुछ समय से ऐसा हो रहा है कि आपको बार-बार शारीरिक समस्याएं हो रही हैं या फिर बार-बार चोट या दुर्घटना हो रही है तो हर मंगलवार को कम से 3 बार हनुमान चालीसा का पाठ करें और साथ ही मंदिर में जाकर बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ऐसा करने से हनुमानजी आपकी रक्षा करेंगे और हर संकट को दूर रखेंगे।

मंगल को मजबूत करने के लिए करें हनुमान चालीसा का पाठ

कुंडली में मंगल की स्थिति कमजोर होने पर आपके अंदर अपने फैसले स्वयं लेने का साहस नहीं रहता है और व्यक्ति का आत्मविश्वास कमजोर रहता है। इसमें सुधार के लिए हर मंगलवार को हनुमानजी के मंदिर की सबसे ऊंची वाली सीढ़ी पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करें। ऐसा करने से आपका मंगल मजबूत होगा और आपके अंदर अपने फैसले खुद लेने का आत्मविश्वास आएगा।